राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात,संस्करण गुरुवार 29 जून 2023 वर्ष-6,अंक-155 पृष्ठ-08 मूल्य-01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

एमपी में शिवराज या कमलनाथ किसे सीएम कुर्सी पर देखना चाहती है जनता, एबीपी-सी वोटर सर्वे ने बताया

● सर्वे में 14 प्रतिशत लोगों ने इनमें से किसी को भी सीएम पोस्ट के लिए अपनी पसंद नहीं बताया है। बता दें कि 2018 में हुए विधानसभा चुनाव में जनता ने सत्ता की कमान कांग्रेस को सौंपी थी।

भोपाल। मध्य प्रदेश में इस साल के आखिर में विधानसभा चुनाव होने हैं। लगभग पांच महीने पहले दोनों पार्टियों ने चुनाव की तैयारियां तेज कर दी हैं। चुनाव तारीखों की घोषणा से पहले दोनों पार्टियों ने अपने पक्ष में माहौल बनाने की कवायद शुरू कर दी है। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान अलग-अलग जिलों का दौरा करके जनता के बीच सरकार की उपलब्धियां गिना रहे हैं। वहीं कांग्रेस की तरफ से पूर्व सीएम कमलनाथ और दिग्विजय ने मोर्चा संभाल लिया है। पार्टी उन विधानसभा क्षेत्रों पर फोकस कर रही है जहां कांग्रेस को हार मिली थी। इसी बीच एक सर्वे में बताया गया है कि जनता किसे मुख्यमंत्री के पद पर देखना चाहती है।

एबीपी-सी वोटर सर्वे के अनुसार, शिवराज सिंह चौहान और कमलनाथ के बीच सीधी टक्कर दिख रही है। सर्वे में शामिल 37 प्रतिशत लोगों ने सीएम पद के लिए शिवराज को तो 36 फीसदी ने कमलनाथ को अपनी पसंद बताया है।

वहीं कांग्रेस छोड़कर बीजेपी में आने वाले कैबिनेट मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया के भी समर्थकों की कमी नहीं है। सिंधिया को 12 प्रतिशत लोग राज्य की सत्ता पर देखना चाहते हैं। इसके अलावा पूर्व सीएम दिग्विजय सिंह को केवल एक प्रतिशत सीएम के तौर पर देखना चाहते हैं। इस सर्वे में 17 हजार 113 लोगों ने अपनी राय दी है।

2020 में हुआ था तख्तापलट

सर्वे में 14 प्रतिशत लोगों ने इनमें से किसी को भी सीएम पोस्ट के लिए अपनी पसंद नहीं बताया है। बता दें कि 2018 में हुए विधानसभा चुनाव में जनता ने सत्ता की कमान कांग्रेस को सौंपी थी। पार्टी ने कमलनाथ को मुख्यमंत्री की जिम्मेदारी दी थी। मगर उनका कार्यकाल ज्यादा नहीं चल सका। 2020 में ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कांग्रेस से बगावत करके बीजेपी ज्वाइन कर ली। उनके साथ बहुत सारे विधायक भी बीजेपी में शामिल हो गए। इससे कांग्रेस सरकार गिर गई। सिंधिया खेमे के विधायकों के साथ से बीजेपी ने मध्य प्रदेश में दोबारा अपनी सरकार बनाई।

एबीपी-सी वोटर सर्वे के अनुसार, शिवराज सिंह चौहान और कमलनाथ के बीच सीधी टक्कर दिख रही है।

परम विशिष्ट सेवा मेडल से विभूषित ले. जनरल (रिटायर्ड) डिमरी को सरकार ने दो लाख की धनराशि भेंट की

जोशीमठ। परम विशिष्ट सेवा मेडल से विभूषित लेफ्टिनेंट जनरल योगेन्द्र डिमरी कोर ऑफ इंजीनियर्स (सेवानिवृत्त सेना) को उत्तराखंड सरकार ने सम्मान स्वरूप दो लाख रुपये की धनराशि भेंट की है।भारतीय सैन्य बलों की सर्वोच्च कमांडर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने मंगलवार को राष्ट्रपति भवन में रक्षा अलंकरण समारोह (चरण-द्वितीय) के दौरान सशस्त्र बलों और भारतीय तटरक्षक बल के 84 सेवारत और सेवानिवृत्त कर्मियों को विशिष्ट सेवा पुरस्कार प्रदान किए। राष्ट्रपति ने असाधारण क्रम की विशिष्ट सेवा के लिए 52 अति विशिष्ट सेवा पदक, तीन उत्तम युद्ध सेवा पदक और 28 परम विशिष्ट सेवा पदक से सम्मानित किया। परम विशिष्ट सेवा पदक से नवाजे जाने वालों में पूर्व सैन्य अधिकारी डिमरी भी शामिल हैं। वो सीमांत जनपद चमोली के जोशीमठ नगर के रविग्राम के मूल निवासी हैं। इनके पिता स्वर्गीय मेजर बीसी डिमरी सेना की गढ़वाल राइफल्स एवं ऑर्डिनेंस कोर मे रहे हैं। छोटे भाई नौ सेना एवं बहन सेना में चिकित्सक पद पर सेवारत थे। बहनोई सेना में चिकित्सक के पद पर सेवारत हैं। करीब 40 वर्ष तक मातृभूमि की सेवा करने वाले डिमरी ने 17 दिसंबर 1983 को द बंबई सैपर्स में कमीशन प्राप्त किया था। राष्ट्रीय सैन्य अकादमी पुणे एवं भारतीय सैन्य अकादमी देहरादून में प्रशिक्षण के दौरान ऑर्डर ऑफ मेरिट मे सर्वोच्च स्थान प्राप्त करने पर राष्ट्रपति स्वर्ण पदक से नवाजे गए। लेफ्टिनेंट जनरल (रिडायर्ड) योगेन्द्र डिमरी ने पश्चिमी बॉर्डर असाल्ट इंजीनियर रेजीमेंट, इंजीनियर ब्रिगेड, लाइन ऑफ कंट्रोल पर इन्फेंट्री ब्रिगेड, काउंटर इन्फिल्टरेशन एवं काउंटर इंसर्जेन्सी ऑपरेशन मे काउंटर इंसर्जेन्सी फोर्स के साथ रेगिस्तान मे स्ट्राइक कोर का नेतृत्व किया। कंबोडिया के यूएस मिशन मे मिलिट्री ऑब्जर्वर के रूप मे कार्यरत रहे।

दतिया में बड़ा हादसा, नदी में ट्रक गिरने से 12 लोगों की मौत; खत्म हुआ परिवार

दतिया। मध्यप्रदेश के दतिया जिले से एक बड़ी खबर सामने आई है। जिले के दुरसड़ा थाना क्षेत्र के बुहारा गांव के पास निर्माणाधीन पुल के पास डीसीएम गाड़ी (मिनी ट्रक) पलट गया। जिसमें एक दर्जन से अधिक लोगों की मौत की खबर है। साथ ही गाड़ी में सवार 3 दर्जन से अधिक लोगों के घायल होने की सूचना है। घटना की सूचना मिलने के बाद मौके पर कलेक्टर और एसपी पहुंच गए है। घटना पर प्रदेश के गृहमंत्री नरोत्तम मिश्रा ने भी संज्ञान लिया है और वह लगातार स्थानीय अधिकारियों से बातचीत कर रहे हैं। बता दें दुरसड़ा थाना क्षेत्र के ग्राम बुहारा के पास बन रहे पुल के कारण नदी पर रपटा बनाकर निकाला जा रहा था। जहां से मिनी ट्रक निकल रहा था। ट्रक अनियंत्रित होकर नदी में जा गिरा जिससे कई लोगों की मौत हो गई। मिनी ट्रक में सवार लोग ग्वालियर के बिलहेटी गांव से टीकमगढ़ के जतारा एक शादी समारोह में शामिल होने जा रहे थे। तभी बुहारा गांव के पास निर्माणाधीन पुल के पास गाड़ी पलटने से हुआ हादसा। दतिया पुलिस अधीक्षक प्रदीप शर्मा मौके पर पहुंच गए हैं और रेस्क्यू कार्य जारी है।

एक ही परिवार के 12 लोगों की मौत

पुलिस ने बताया कि दतिया में एक मिनी ट्रक एक निर्माणाधीन पुल से टकराकर उफनती बुहरा नदी में गिर गया, जिससे कम से कम 12 लोगों की मौत

हो गई और तीन घायल हो गए। मृतक एक ही परिवार के सदस्य बताए गए हैं। वे मिनी ट्रक में सवार होकर एक शादी में ग्वालियर से टीकमगढ़ जा रहे थे। गृह मंत्री नरोत्तम मिश्रा ने कहा कि रेस्क्यू ऑपरेशन जारी है। कुछ लोग लापता हैं और एसडीआरएफ की टीम उनकी तलाश कर रही है। गृह मंत्री ने पीड़ित परिवारों को हरसंभव मदद के निर्देश दिये हैं। बताया जा रहा है कि ट्रक में 50-60 लोग सवार थे।

दुर्लभ रोगों से पीड़ित बच्चों के अभिभावकों ने मांडविया को लिखा पत्र

नयी दिल्ली। अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) दिल्ली और मौलाना आज़ाद मेडिकल कॉलेज दिल्ली में इलाज के शुरू होने का इंतज़ार कर रहे दुर्लभ रोगों से पीड़ित बच्चों के माता-पिता ने स्वास्थय मंत्री मनसुख मंडाविया को चिट्ठी लिख कर शीघ्र उपचार देने में मदद करने का आग्रह किया है।

इन सभी अभिभावकों ने केन्द्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री मांडविया को पत्र लिखकर अपनी व्यथा का इजहार किया। एम्स दिल्ली और मौलाना आज़ाद मेडिकल कॉलेज दिल्ली में 70 से अधिक पंजीकृत दुर्लभ रोगी इलाज शुरू होने का इंतज़ार कर रहे हैं। मंत्रालय की तरफ से दी जाने वाली राशि के बाद भी अपने बच्चों के इलाज के लिए माता पिता दर-दर भटक रहे हैं। दिल्ली में उत्कृष्टता केंद्र (सीओई) - एम्स दिल्ली और मौलाना आज़ाद मेडिकल कॉलेज (एमएएमसी) में पंजीकृत यह सभी रोगी लाइसोसोमल स्टोरेज

डिसऑर्डर जैसे एमपीएस-1, एमपीएस-2 पोम्पे और फैब्री से पीड़ित हैं। यह बीमारियां दुर्लभ बीमारियों की राष्ट्रीय नीति 2021 में वर्गीकृत हैं जिसके लिए मंत्रालय ने हर दुर्लभ बीमारी मरीज़ के इलाज के लिए 50 लाख रुपये की आर्थिक सहायता की घोषणा की थी।

दुर्लभ बीमारी से पीड़ित एक चार वर्षीय मरीज का पंजीकरण दिल्ली एम्स में किया गया था लेकिन उपचार सहायता की प्रतीक्षा में दिसंबर 2022 में उसकी मृत्यु हो गई एवं 12 अन्य मरीज़ दवाई कंपनियों की मदद से थेरेपी पर हैं। परिजनों ने कहा कि किसी भी मरीज को राष्ट्रीय नीति के तहत दी गयी सहायता का लाभ अब तक नहीं मिल पाया है। मृत मरीज के परिजनों ने कई बार एम्स दिल्ली से संपर्क किया था और अस्पताल आये भी थे पर हर बार उन्हें निराश होकर वापस लौटना पड़ा। जबकि 50 लाख में पीड़ित चार वर्षीय बच्चे का आसानी से इलाज किया जा सकता था, लेकिन दुख की बात है कि एम्स दिल्ली के आकस्मिक रवैये के कारण उसकी जान चली गई। स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय ने मई 2022 में सभी श्रेणी के दुर्लभ रोगियों के लिए संशोधित 50 लाख रुपये के प्रावधान की घोषणा की थी। लगभग 14 महीने बीत गए है। यदि इन रोगियों को तुरंत उपचार नहीं दिया गया तो उनके पास भी ज़्यादा समय नहीं बचा है। उपचार सहायता की प्रतीक्षा कर रहे रोगियों के माता पिता को नियमित रूप से दूर के राज्यों से यात्रा करके आना पड़ता है। उनके राज्यों में इस दुर्भभ बीमारी के उपचार का कोई केन्द्र नहीं है।

10 राज्यसभा सीटों पर 24 जुलाई को होगा मतदान

नयी दिल्ली। निर्वाचन आयोग ने तीन राज्यों पश्चिम बंगाल, गोवा, गुजरात की 10 राज्यसभा सीटों पर 24 जुलाई को चुनाव कराये जाने की घोषणा की हैं। आयोग से आज मिली जानकारी में बताया कि पश्चिम बंगाल की छह, गुजरात की तीन और गोवा की एक सीट पर 24 जुलाई को मतदान होगा। चुनाव के लिए छह जुलाई को अधिसूचना जारी होगी। नामांकन की अंतिम तिथि 13 जुलाई है तथा मतपत्रों की जांच 14 जुलाई को होगी और 17 जुलाई को नाम वापस लिये जा सकेंगे। मतदान 24 जुलाई को होगा। उन्होंने बताया कि इसी दिन शाम पांच बजे से मतों की गिनती शुरू होगी। पश्चिम बंगाल में डोला सेन, डेरेक ओब्रायन, प्रदीप भट्टाचार्य, सुष्मिता देव, सुखेंदु शेखर रे और शांता छेत्री का कार्यकाल 18 अगस्त को खत्म हो जाएगा। इसके अलावा गुजरात में विदेश मंत्री एस जयशंकर, दिनेश जेमलभाई अनावडीया और लोखंडवाला जुगल सिंह माथुरजी का कार्यकाल भी 18 अगस्त को समाप्त हो रहा है तथा 28 जुलाई को गोवा में विनय तेंदुलकर का कार्यकाल समाप्त होने जा रहा

है। निर्वाचन आयोग ने पश्चिम बंगाल की एक सीट पर उपचुनाव के लिए भी इसी कार्यक्रम की घोषणा की। जो कि 11 अप्रैल को तृणमूल कांग्रेस के सांसद लुइज़िन्हो जोआकिम फलेरियो के इस्तीफे के कारण रिक्त हुई। उनका कार्यकाल दो अप्रैल, 2026 तक था।

सोसायटी में बकरीद के बकरों पर बवाल, पुलिस को देना पड़ा दखल; जय श्री राम के लगे नारे

मुंबई। मुंबई के मीरा रोड स्थित एक सोसायटी में बकरीद से पहले एक मुस्लिम शख्स द्वारा दो बकरे लाए जाने पर विवाद छिड़ गया है। इस मामले में मंगलवार रात को हंगामा इतना ज्यादा बढ़ गया कि पुलिस को दखल देना पड़ा और फिलहाल शांति है। सोसायटी के कुछ लोगों ने बकरे लाए जान पर ऐतराज जताया और कहा कि यहां बकरों को नहीं रखा जा सकता। वहीं बकरे लेकर आने वाले मोहसिन नाम के शख्स ने कहा कि इस सोसायटी में 200 से ज्यादा मुसलमान परिवार रहते हैं। हम हर साल ही बकरे लाते थे, लेकिन कभी हंगामा नहीं हुआ और किसी ने ऐतराज नहीं जताया। इस बार पहली बार कुछ लोगों ने

विरोध किया है। मुस्लिम परिवारों ने कहा कि हम यहां बकरे इसलिए रखते हैं क्योंकि इसके लिए हमारे पास कोई और जगह नहीं है। बकरीद तक ही हम लोग यहां बकरे रखते हैं। इसके अलावा कुर्बानी भी हम यहां नहीं देते। इसके लिए कत्लगाह जाते हैं या फिर सरकार की ओर से जो स्थान तय किए गए हैं, वहीं पर कुर्बानी दी जाती है। जेपी इन्फ्रा सोसायटी में रहने वाले मोहसिन ने कहा कि हमने पहले ही सोसायटी से मांग की थी कि हमें बकरे रखने की जगह दी जाए। हमने साफ कहा था कि हम यहां पर कुर्बानी नहीं देंगे। खबर है कि सोसायटी में बकरा लाने का विरोध करने वाले लोगों में कुछ ने जय श्री राम के नारे भी लगाए। कुछ लोगों का कहना है कि विरोध करने वालों ने हनुमान चालीसा का पाठ भी किया था। फिलहाल सोसायटी के पास पुलिस की तैनाती की गई है और मौके पर शांति है। गुरुवार को बकरीद का त्योहार है और सरकार का कहना है कि प्रतिबंधित पशुओं की कुर्बानी नहीं दी जाएगी। इसके अलावा निश्चित किए गए स्थानों पर ही कुर्बानी की मंजूरी दी जाएगी। यहां तक कि सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर कुर्बानी की तस्वीरें और वीडियो भी शेयर नहीं किए जाएंगे।

पासपोर्ट आवेदन में 'खेल', विभाग ने रोकी पांच हजार फाइलें, इन दस्तावेजों की होगी जांच

गाजियाबाद। पासपोर्ट बनवाने के लिए आवेदन करने वाले पांच हजार आवेदकों के दस्तावेज शक के दायरे में हैं। इनके दस्तावेजों पर जांच बैठा दी गई है। पासपोर्ट कार्यालय ने संबंधित विभागों को इनकी प्रतिलिपि भेजकर जानकारी मांगी है। जब तक इन प्रमाण पत्रों को जारी करने वाले विभाग से जबाव नहीं आ जाता, तब तक आवेदकों की फाइल रोक दी गई है। अधिकतर दस्तावेज स्कूल और जन्म से संबंधित हैं। गाजियाबाद पासपोर्ट कार्यालय से 13 जिलों के लोगों के पासपोर्ट बनाए जाते हैं। यहां रोजाना 2200 आवेदकों के फॉर्म जमा किए जाते हैं। इन 13 जिलों में ऐसे लोग भी हैं जो दूसरे राज्यों से आकर यहां बस गए हैं या फिर नौकरी करते हैं। बड़ी संख्या में ऐसे मामले सामने आए हैं, जिनमें आवेदकों की ओर से लगाए गए दस्तावेजों का ऑनलाइन सत्यापन नहीं हो पा रहा है। यह सभी दस्तावेज शक के दायरे में हैं। पिछले डेढ़ महीने में ऐसे करीब पांच हजार आवेदकों के दस्तावेजों की प्रतिलिपि जारी करने वाले विभागों को जांच के लिए भेजी जा चुकी है। यह दस्तावेज बिहार, असम, छत्तीसगढ़, पश्चिम बंगाल, मध्य प्रदेश, पंजाब और हरियाणा से जारी किए गए हैं। खास बात यह है कि इन आवेदकों ने उन दस्तावेजों के जरिए यहां के पतों के आधार और प्रमाण पत्र बनवाए हैं।

उत्तर पूर्व के राज्यों में सबसे ज्यादा परेशानी -उत्तर पूर्व के राज्यों में जन्म लेने वाले और हाईस्कूल की पढ़ाई पूरी करने वाले आवेदकों के साथ सबसे ज्यादा परेशानी होती है। इन राज्यों के दस्तावेजों का डाटा ऑनलाइन नहीं है। इस कारण इनकी जांच नहीं हो पाती। आवेदक अपना आधार कार्ड, वोटर आईकार्ड, ड्राइविंग लाइसेंस या फिर बैंक पासबुक फॉर्म के साथ लगा देते हैं। जिन दस्तावेजों के आधार पर ये दस्तावेज बनाए गए हैं, उनकी सत्यता की जांच होना मुश्किल हो जाता है।

यूपी बोर्ड में 2007 और सीबीएसई में 2004 से पहले का डाटा नहीं

यूपी बोर्ड में 2007 से पहले का डाटा ऑनलाइन उपलब्ध नहीं है। वहीं सीबीएसई में 2004 से पहले जारी दस्तावेज की जांच करना मुश्किल है। इससे पहले जारी दस्तावेज में बोर्ड के गलत नाम के साथ गलत अक्षर, गलत मुहर आदि की खामी के कारण उनपर शक होता है। 2003 से पहले का राजस्थान बोर्ड की ऑनलाइन डाटा उपलब्ध नहीं है। महाराष्ट्र बोर्ड में सभी आवेदकों का एक यूजर नेम और आईडी रहती है, जिसकी जानकारी लोगों को नहीं होती।

जानकारी न आने पर फाइल बंद

अधिकारियों को माने तो बड़ी संख्या में दस्तावेजों की जांच भेजी जा रही है। पांच हजार से ज्यादा मामले लंबित हैं। इनकी रिपोर्ट प्राप्त नहीं हो पाई है। संबंधित विभाग यह लिखकर भेजते हैं कि दस्तावेज की जानकारी उपलब्ध नहीं है तो फाइल को बंद माना जाएगा। डाकघर पासपोर्ट सेवा केंद्र पर केवल आवेदकों के आवेदन जमा किए जाते हैं। इन सभी की जांच पासपोर्ट विभाग में आने के बाद की जाती है। अधिकतर दस्तावेज पर शक डाकघर में जमा आवेदकों की आवेदनों पर हैं। क्षेत्रीय पासपोर्ट अधिकारी सुब्रतो हाजरा ने कहा, विदेश मंत्रालय ने पासपोर्ट आवेदन फॉर्म के साथ लगे दस्तावेजों की कड़ाई से जांच करने के आदेश दिए हैं। जिन आवेदकों के मूल दस्तावेजों पर शक होता है, उनकी जांच कराई जा रही है। सबसे अहम जन्म प्रमाण पत्र और हाईस्कूल प्रमाण पत्र हैं। पांच हजार से ज्यादा मामले की जांच कराई जा रही है।

संपादकीय

शांति की अपील

मणिपुर में बेकाबू स्थिति को नियंत्रण में लाने के लिए भारतीय सेना जिस सूझबूझ और धैर्य का परिचय दे रही है, उसकी सराहना की जानी चाहिए। खासकर इथम गांव में जिस तरह महिलाओं की अगुवाई वाली उग्र भीड़ ने 12 उग्रवादियों को छोड़ने के लिए बाध्य किया, अगर सेना वहां धैर्य व समझदारी का परिचय न देती, तो व्यापक हिंसा हो सकती थी। मणिपुर आज जिस स्थिति में पहुंच गया है, वहां कोई भी आक्रामक कार्रवाई हालात को ज्यादा बिगाड़ेगी। ये छोड़े गए उग्रवादी जिस समूह से जुड़े थे, उसने साल 2015 में मणिपुर में डोगरा रेजिमेंट के काफिले पर हमला किया था, जिसमें 18 जवान शहीद हो गए थे और 10 से अधिक बुरी तरह जख्मी हुए थे। इसके बावजूद सेना ने न सिर्फ जरूरी संयम का परिचय दिया, बल्कि बाकायदा एक वीडियो जारी करके आंदोलित समुदायों से अपील की है कि वे मणिपुर में अमन बहाली के प्रयासों में सहयोग करें। उसने उचित ही कहा है कि मानवता के भाव को कमजोरी नहीं समझना चाहिए। आखिर अपने ही लोगों के खिलाफ हथियारों के इस्तेमाल से दुखद स्थिति किसी सैनिक के लिए और क्या हो सकती है? मणिपुर में हिंसा भड़के दो महीने होने को आ गए और हालात के पटरी पर लौटने का कोई सिरा अब भी हाथ नहीं आया है। केंद्र के लिए यह गहन चिंतन का विषय है। ऐसे मामलों में शुरुआती उदासीनता कितनी महंगी साबित होती है, मणिपुर की स्थिति एक नजीर के तौर पर अब हमेशा हमारे सामने होगी। खासकर सीमावर्ती सूबों की सरकारों के लिए यह एक सबक है कि वे आइंदा भावनात्मक मसलों में अतिरिक्त सतर्कता और संवेदनशीलता का परिचय देंगी। नागरिक प्रशासन में सेना की मदद लेने की नौबत लोकतंत्र के लिए सुखद नहीं कही जा सकती। इसलिए हालात को पटरी पर लाने के लिए गंभीर राजनीतिक पहल होनी चाहिए। इंफाल में सभी राजनीतिक पार्टियों और सामाजिक समूहों के लोगों को एक साथ एक मंच से शांति की अपील करनी चाहिए। दुर्भाग्य से अब भी वह एकजुटता नहीं दिख रही है। यह वाकई अध्ययन का विषय है कि महज एक साल पहले मणिपुर में लोकप्रिय सरकार का गठन हुआ है, और जन-प्रतिनिधि अपने-अपने क्षेत्र के लोगों को भरोसे में नहीं ले पा रहे! यदि स्थानीय स्तर पर सभी दलों के सम्मानित लोग एक मंच से शांति-संवाद करें, तो उसका असर पड़ सकता है, मगर इसके लिए क्षुद्र राजनीति से सभी को बचना होगा। मणिपुर को जल्द से जल्द शांति की दरकार है। वहां पसरी हिंसा में सौ से अधिक लोगों की जान जा चुकी है, हजारों लोग राहत शिविरों में पड़े हैं। धन के नुकसान का तो अभी आकलन ही नहीं हो सकता। कुछ लोगों का भरोसा इतना दरक चुका है कि वे शायद ही अपने मूल गांव कभी लौट पाएं, ऐसे लोगों के जख्मों पर मरहम रखने की जरूरत है। आंदोलित समुदाय जानते हैं कि भारतीय सेना अराजक तत्वों को नियंत्रित करने का माद्दा रखती है, लेकिन वह अपने संयम से मणिपुर के लोगों को यह भरोसा दिलाना चाहती है कि वह वहां उनकी मदद के लिए ही आई है। इन 56 दिनों में मणिपुर काफी पीछे चला गया है। उसके सामाजिक ताने-बाने को जो नुकसान हुआ है, उसकी भरपायी में शायद वर्षों लग जाए। मगर लोगों को सेना के साथ सहयोग करना ही चाहिए, ताकि संवाद लायक एक माहौल बन सके। स्थायी शांति के लिए मैतेई और कुकी के बीच संवाद का होना बहुत जरूरी है।

आज का राशिफल

मेष पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। रोजी रोजगार की दिशा में सफलता के योग हैं। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। कोई महत्वपूर्ण निर्णय न लें। ईश्वर के प्रति आस्था बढ़ेगी।

वृषभ जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। पारिवारिक जनों से पीड़ा मिलने के योग हैं। वाणी की सौम्यता व्यर्थ के विवादों से आपको बचा सकती हैं।

मिथुन दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। किसी अभिन्न मित्र से मिलाप होगा।

कर्क राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। किसी अभिन्न मित्र से मिलाप होगा।

सिंह दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। धन हानि की संभावना है। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें।

कन्या व्यावसायिक योजना सफल होगी। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। धन हानि की संभावना है। व्यर्थ क विवाद में न पड़ें।

तुला व्यावसायिक योजना सफल होगी। जीवनसाथी का सहयोग व सानिय मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

वृश्चिक जीवनसाथी का सहयोग व सानिय मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। रोजी रोजगार की दिशा में सफलता के योग हैं। धार्मिक प्रवृत्ति में वृद्धि होगी।

धनु पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। आय के नए स्त्रोत बनेंगे। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। वाणी की सौम्यता व्यर्थ के विवादों से आपको बचा सकती है। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

मकर राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। व्यर्थ के विवाद रहेंगे।

कुम्भ आर्थिक उन्नति के योग हैं। मांगलिक कार्यो में हिस्सेदारी लेंगे। नेत्र विकार की संभावना है। संतान के कारण चिंतित रहेंगे। प्रणय संबंधों में कटुता आ सकती है। रोजी रोजगार की दिशा में उन्नति होगी।

मीन व्यावसायिक दिशा में किए गए प्रयास सफल होंगे। संतान के कारण तनाव हो सकता है। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। अनावश्यक कष्टों का सामना करना पड़ेगा। धन लाभ की संभावना है। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा।

मुक्ति के लिए जन-केंद्रित सोच की आवश्यकता

बंडारू दत्तात्रेय

> अब तक जमीनी स्तर पर की गई विभिन्न गतिविधियों के जरिये 12 करोड़ से अधिक लोगों तक पहुंचा जा चुका है। चार हजार से अधिक युवा मंडल, नेहरू युवा केंद्र (एनवाईके) और एनएसएस स्वयंसेवक भी नशा मुक्त भारत अभियान से जुड़े हैं। आंगनवाड़ी केंद्रों और आशा कार्यकर्ताओं, एएनएम, महिला मंडलों और महिला स्व-सहायता समूहों के माध्यम से एक बड़े समुदाय तक पहुंचने में 2.05 करोड़ से अधिक महिलाओं का योगदान भी महत्वपूर्ण है। हरियाणा में केवल लाइसेंस प्राप्त करके ही नशामुक्ति केन्द्रों का संचालन करने के कानूनी प्रावधान लागू हैं।

नशीली दवाओं के दुरुपयोग की समस्या वैश्विक स्तर पर भयानक रूप से फैल चुकी है। इस वर्ष के विश्व मादक पदार्थ निषेध दिवस का विषय 'पीपुल फर्स्ट - कलंक और भेदभाव को रोकें, रोकथाम बढ़ाएं' पूरी तरह उपयुक्त है। यह कटु वास्तविकता है कि नशीली दवाओं के दुरुपयोग से पीड़ित व्यक्ति को पारिवारिक व सामाजिक अलगाव और लोगों की उपेक्षा का सामना करना पड़ता है। इससे उन्हें बहुत मानसिक और शारीरिक कष्ट पहुंचता है। वे आवश्यक मदद से वंचित रह जाते हैं। उनका और उनके परिवारों का जीवन दयनीय बन जाता है। इसलिए, नशीली दवाओं से छुटकारा पाने की नीतियों के लिए जन-केंद्रित सोच की आवश्यकता है, जो मानवाधिकारों और करुणा पर लक्षित हो। नशीली दवाओं के दुरुपयोग के पीड़ितों की सामाजिक और भावनात्मक उपचार के साथ मदद करना और साथ ही नशीली दवाओं व इनकी तस्करी के बढ़ते जाल के बारे में प्रभावी कदम उठाना बड़ा मुश्किल काम है। देश को नशीली दवाओं के दुरुपयोग से मुक्त कराने का लक्ष्य प्राप्त करने को सामूहिक प्रयासों और समग्र दृष्टिकोण की आवश्यकता है। इस वर्ष का विश्व ड्रग निषेध दिवस, मादक पदार्थों का उपयोग करने वाले लोगों व उनके परिवारों पर लगने वाले कलंक और भेदभाव के नकारात्मक प्रभाव के बारे में जागरूकता बढ़ाने, ड्रग्स का उपयोग करने वाले लोगों में एड्स और हेपेटाइटिस बीमारी के बारे में जागरूकता बढ़ाने, इन रोगों के रोकथाम कार्यक्रमों का विस्तार करने पर केंद्रित है। इनमें ड्रग्स का उपयोग करने वाले लोगों के लिए साक्ष्य-आधारित, स्वैच्छिक सेवाओं को बढ़ावा देना; नशीली दवाओं के उपयोग के विकारों, उपलब्ध उपचारों, शीघ्र हस्तक्षेप और सहायता के महत्व के बारे में शिक्षित करना; समुदाय-आधारित उपचार और सेवाओं के लिए कारावास के विकल्पों का समर्थन; भाषा और व्यवहार को बढ़ावा देकर नशे से जुड़े कलंक और भेदभाव का मुकाबला करना शामिल है। आइए, वैश्विक स्तर पर नशीली दवाओं के दुरुपयोग की भयावहता पर नजर डालें। यूएन ऑफिस ऑन ड्रग्स एंड क्राइम (यूएनओडीसी) की वर्ल्ड ड्रग रिपोर्ट-2022 के अनुसार, 2020 में दुनिया भर में 15-64 आयु वर्ग के लगभग 28.40 करोड़ लोग नशीली दवाओं का उपयोग कर रहे थे, जो पिछले दशक की तुलना में 26 प्रतिशत अधिक है। इस रिपोर्ट के अनुसार, कई देशों में इनका उपयोग पिछली पीढ़ी की तुलना में बढ़ गया है। रिपोर्ट के मुताबिक, दुनियाभर में 1.12 करोड़ लोग ड्रग्स के इंजेक्शन का उपयोग कर रहे थे। इस संख्या का लगभग आधा हिस्सा हेपेटाइटिस सी से पीड़ित था, 14 लाख एचआईवी से ग्रस्त थे, और 12 लाख ऐसे हैं जो दोनों समस्याओं से पीड़ित थे। साल 2018 के दौरान एम्स नेशनल ड्रग डिपेंडेंस ट्रीटमेंट सेंटर गाजियाबाद द्वारा आयोजित सर्वेक्षण से पता चलता है कि भारत में मादक पदार्थों के उपयोग और रुझान के अनुसार, 10-17 वर्ष आयु वर्ग के बच्चों और किशोरों में शराब, भांग, अफीम, इनहेलेंट, कोकीन आदि दवाओं का सेवन 6.06 प्रतिशत है जबकि 18 से 75 वर्ष की आयु के 24.71 प्रतिशत वयस्क इसमें लिप्त पाए गए।

दरअसल नशीली दवाओं के दुरुपयोग को रोकने और उन्हें इनके दलदल से बाहर निकालने में मदद करने की जिम्मेदारी हम सब की है। सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय के अंतर्गत भारत सरकार नशीली दवाओं की मांग में कमी के लिए राष्ट्रीय कार्य योजना (एनएपीडीडीआर) के अनुसार एक योजना लागू कर रही है, जिसके अंतर्गत निवारक शिक्षा और जागरूकता सृजन, क्षमता निर्माण, कौशल विकास के लिए राज्य सरकारों और केंद्र शासित प्रदेशों को वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है। नशीली दवाओं के व्यसन से पीड़ितों के लिए विकास और व्यावसायिक प्रशिक्षण और आजीविका में सहयोग हेतु 2020-21 के दौरान एनएपीडीडीआर के तहत 285590 लाभार्थी थे। इसी तरह, नशा मुक्त भारत अभियान (एनएमबीए) अगस्त 2020 में शुरू किया गया था, जिसके तहत महिलाओं, बच्चों, शैक्षणिक संस्थानों, नागरिक संगठनों आदि हितधारकों की भागीदारी पर जोर दिया गया है, जो प्रत्यक्ष-अप्रत्यक्ष रूप से मादक पदार्थों के उपयोग से प्रभावित हो सकते हैं। अब तक जमीनी स्तर पर की गई विभिन्न गतिविधियों के जरिये 12 करोड़ से अधिक लोगों तक पहुंचा जा चुका है। चार हजार से अधिक युवा मंडल, नेहरू युवा केंद्र (एनवाईके) और एनएसएस स्वयंसेवक भी नशा मुक्त भारत अभियान से जुड़े हैं। आंगनवाड़ी केंद्रों और आशा कार्यकर्ताओं, एएनएम, महिला मंडलों और महिला स्व-सहायता समूहों के माध्यम से एक बड़े समुदाय तक पहुंचने में 2.05 करोड़ से अधिक महिलाओं का योगदान भी महत्वपूर्ण है। हरियाणा में केवल लाइसेंस प्राप्त करके ही नशामुक्ति केन्द्रों का संचालन करने के कानूनी प्रावधान लागू हैं। फिलहाल हरियाणा में स्वास्थ्य विभाग, रेडक्रॉस सोसायटी की प्रदेश व जिला संस्थाओं, राज्य बाल परिषद् की संस्थाओं एवं स्वैच्छिक संस्थाओं द्वारा 104 नशामुक्ति केन्द्रों का संचालन किया जा रहा है। इसके अलावा पंडित भगवत दयाल शर्मा यूनिवर्सिटी, रोहतक तथा मेडिकल कॉलेजों में स्थापित नशा मुक्ति एवं परामर्श केन्द्रों के माध्यम से भी इस बीमारी के खात्मे के लिए सभी कदम उठाये जा रहे हैं। शराबखोरी और मादक पदार्थों के सेवन की रोकथाम के क्षेत्र में उत्कृष्ट सेवाओं के लिए राज्य पुरस्कार योजना शुरू की गयी थी। नशीली दवाओं के दुरुपयोग की चुनौती से निपटने और पीड़ितों के पुनर्वास के लिए बहुत कुछ किया जा रहा है। हालांकि, इस समस्या के हर पहलू से प्रभावी ढंग से निपटने के लिए आवश्यक संसाधनों के बारे में आत्मसंतुष्ट नहीं होना चाहिए, हमारे लोगों को नशीली दवाओं के दुरुपयोग से रोकने और उन्हें बचाने के लिए सभी हितधारकों को और अधिक प्रेरित करने की आवश्यकता है। नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो को अवैध दवा आपूर्ति श्रृंखला, मादक द्रव्य आपूर्तिकर्ताओं के खिलाफ सख्ती से कार्रवाई करनी चाहिए, विशेष रूप से बड़े शहरों और सीमावर्ती क्षेत्रों में नशा तस्करी रोकने के लिए संवेदनशील क्षेत्रों में निगरानी बढ़ाने के लिए पुलिस बलों सहित केंद्र और राज्य सरकारों की एजेंसियों के बीच बेहतर समन्वय महत्वपूर्ण है। मैं नशीली दवाओं के दुरुपयोग के खतरे की जांच में समाज के लिए एक महत्वपूर्ण भूमिका देखता हूं। समाज को इस प्रकार के मादक पदार्थों और आपूर्तिकर्ताओं का बहिष्कार करना चाहिए। एक सामाजिक पारिस्थितिकी तंत्र विकसित किया जाना चाहिए जहां नशीली दवाओं के दुरुपयोग के शिकार लोगों का उचित पुनर्वास किया जाना चाहिए। माता-पिता को भी सलाह दी जानी चाहिए कि वे अपने बच्चों को कैसे व नशीली दवाओं के दुरुपयोग के खतरे से दूर रखें। वहीं जन जागरूकता के लिए व्यापक डिजिटल सामग्री चाहिए। पाठ्य पुस्तकों और फिल्मों में संबंधित अध्यायों के साथ-साथ जनता को नशीली दवाओं के जाल में पड़ने के विरुद्ध जागरूक कर सकते हैं। नशीली दवाओं के दुरुपयोग करने वालों को सामाजिक रूप से अलग-थलग करने के बजाय, उनके प्रति सहानुभूति रखें और मदद करें ताकि वे अपनी गलतियों का अहसास कर सामान्य जीवन में लौट सकें। विश्व मादक पदार्थ निषेध दिवस मनाना तभी सार्थक हो सकता है जब एक जागरूक समाज के रूप में हम सब मिलकर इस बुराई के विरुद्ध सामूहिक प्रयास करें।

लेखक हरियाणा के राज्यपाल हैं।

अदभुत है मायानगरी फिल्मसिटी का बॉलीवुड पार्क!

लेखक - डॉ श्रीगोपाल नारसन)

ओमवीर सिंह फ़िल्मी दुनिया की एक ऐसी शख्सियत है,जिन्हें फ़िल्मो की लोकेशन का माहिर माना जाता है।सन 1970 के दशक में रुड़की के कन्हैया लाल पालीटेक्निक करने के बाद साउंड इंजीनियरिंग में भाग्य आजमाने के लिए रुड़की से ओमवीर सैनी और सुभाष अग्रवाल पूना फ़िल्म इंस्टिट्यूट गए थे,जहां दोनो ने ही साउंड इंजीनियरिंग का कोर्स कर फ़िल्मो से जुड़ी साउंड सम्बन्धी तकनीक का अध्ययन किया और फिर मायानगरी यानि मुंबई में ही अपने कैरियर की शुरुआत की। सुभाष अग्रवाल व ओमवीर सिंह ने अनेक फ़िल्मो व धारावाहिक में बतौर साउंड इंजीनियर काम किया।क़र्ज़ फ़िल्म में अभिनेता ऋषि कपूर पर फिल्माए गए एक गाने को ओमवीर सिंह ने ही रिकॉर्ड किया था।उन्होंने अपने कैरियर के पैंतीस साल फ़िल्म सिटी में गुज़ारे।पहले असिस्टेंट साउंड डायरेक्टर फिर साउंड डायरेक्टर और फिर फ़िल्म सिटी के जनसम्पर्क अधिकारी के रुप मे ओमवीर सैनी बड़ी बड़ी फ़िल्मी हस्तियों के सम्पर्क में आये।मुंबई का फ़िल्म सिटी जो कि पांच हजार एकड़ क्षेत्र में फैला हुआ है ,फ़िल्म सिटी के सभी 16 स्टूडियो में होने वाली शूटिंग व प्रबन्धन की जिम्मेदारी उनकी होती थी।दिलीप कुमार, देवानन्द,राजेश खन्ना, रेखा, अमिताभ बच्चन, मिथुन चक्रवर्ती, माला सिन्हा, आशा पारिख,वहीदा रहमान, प्राण,असरानी,नसीरुद्दीन शाह जैसे अनेक चोटी के कलाकारों से उनका मिलना हुआ और फ़िल्म निर्माण सम्बन्धी बारीकियों से भी वे रूबरू हुए।कौन बनेगा करोड़ पति समेत अनेक धारावाहिको की शूटिंग के वे प्रत्यक्ष दर्शी रहे है।ओमवीर सैनी के आमंत्रण पर ही मुझे सबसे सन 2012 में अपने परिवार के साथ कौन बनेगा करोड़पति के सेट पर पांच घण्टे बिताने का अवसर मिला था।उसी सेट पर मैने सदी के महानायक अमिताभ बच्चन को अपनी पुस्तकें भेंट की और उनके उनके पिता हरिवंशराय बच्चन की कविताओं को लेकर अमिताभ बच्चन से चर्चा करने का सौभाग्य मिला था।मुम्बई के गोरेगांव स्थित इस फिल्म सिटी में कुल 16 स्टूडियों है। जिन्हे विभिन्न फिल्मों ,धारावाहिको व विज्ञापन फिल्मों की शुटिंग, एडिटिगं आदि कार्यो के लिए शासन स्तर पर प्रतिदिन की दर से किराये पर दिया जाता है।इन स्टूडियों को किराये पर देने व बेहतर रखरखाव की जिम्मेदारी बतौर मैनेजर ओमवीर सिंह की ही हुआ करती थी। सबसे पहले हमने वह स्टूडियों देखा जहां तारक मेहता का उल्टा चश्मा की शुटिंग होती है।इस एक स्टूडियों में पूरी कालोनी बसी है। धारावाहिक की शुटिंग के लिए स्टूडियों में फलेटनूमा आवासों की बिल्डिगें आधुनिक बस्ती का एहसास करा रही है। थोडा आगे चलते ही चिडिया धर का सैट था।वही ऊपर चलते हुए यहां मै घर घर खेली धारावाहिक में दिखाया जाने वाला स्वर्ण भवन का सैट लगा था। टेलीविजन पर स्वर्ण भवन करोडों रूपये का बेकिमती भवन नजर आता है, लेकिन यहां के सैट को देखकर लगा कि स्वर्ण भवन तैयार करने में पांच छ लाख रूपये ही खर्च हुए होगें। इसके बाद हिटलर दीदी,उतरन जैसे कई धारावाहिको के फिल्मी सैट देखने को मिले। एक पुराने खण्डहर नूमा महल के सैट पर भारत पाकिस्तान के रिश्तों को लेकर किसी फिल्म की शुटिंग चल रही थी। इस फिल्म के लिए पाकिस्तानी मुस्लिम महिलाओं की भीड को शूट करने के लिए बडी संख्या में बुरका पहनी महिलाओं को बुलाया गया था। ये महिलायें शूटिंग से पहले सडक किनारे वही के कैम्पस में बैठकर अपना अपना मेकअप करने में व्यस्त थी।अभी तक बिना नाम की इस फिल्म के प्रोड्यूसर ने हमे चाय नाश्ता कराया। इसके बाद बान्द्रा कोर्ट के नाम से परमानेन्ट फिल्मी कोर्ट का सैट देखने के साथ ही वह मन्दिर भी देखा जहां फिल्म की शूटिंग के हिसाब से भगवान की मूर्ति समय समय पर बदलती रहती है। यानि कभी यह मन्दिर भगवान शिव का होता है ,कभी मां दुर्गा का और कभी कभी यह मन्दिर हनुमान मन्दिर बन जाता है।

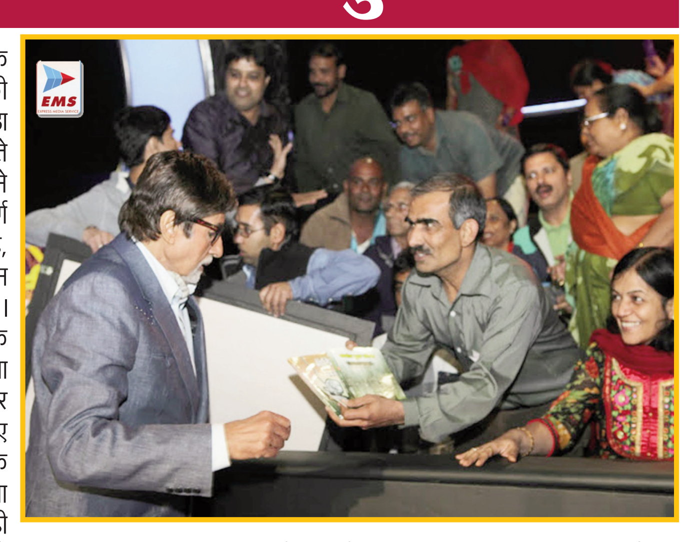

भक्ति गीतो के चर्चित गायक रहे स्वर्गीय गुलशन कुमार के भक्ति गीतो की अधिकांश शुटिंग इसी मन्दिर में की गई थी। फिल्म बागवान व कोई मिल गया का शूटिंग स्थल भी देखा तो फिल्म सिटी की वह झील भी देखी जो प्रायः हर फिल्म के किसी न किसी दृश्य में नजर आ जाती है। इसी स्टूडियों में एक पहाडी पर एक ऐसा बगंला बना है ,जिसे मसूरी या फिर शिमला का बंगला दर्शाकर फिल्मांकन किया जाता है। वही सडक पर गाडिया दौडाने और एक्सीडेन्ट होकर गाडी के खडड में गिरने का दृश्य फिल्माने के लिए प्राय जिस सडक का इस्तेमाल किया जाता है, वह सडक भी फ़िल्म सिटी का खास हिस्सा है। फिल्मी सैट के लिए बनाई जाने वाली बिल्डिगं भी जरूरत के हिसाब से मजबूत बनाई जाती है ताकि कोई भी दुर्घटना शूटिंग के दौरान न होने पाये। फिल्मी बिल्डिगं बनाने में भी प्रायः उतना ही खर्च आता है जितना की असली बिल्डिगं बनाने में। यानि मायानगरी में माया के बिना सबकुछ अधुरा है और यही जब फिल्मी पर्दे पर उतर कर आता है तो नकली भी असली नजर आने लगता है। फ़िल्म सिटी के 3 स्टूडियो को किराए पर लेकर बॉलीवुड पार्क विकसित किया गया है।जिसमे विभिन्न फिल्मी सेट बनाए गए है। वही फ़िल्म निर्माण तकनीकी शो और मनोरंजन शो भी यहां आयोजित किए जाते है।बॉलीवुड पार्क के प्रबंध निदेशक जय मिजगर ने बताया कि आमजन को बहुत कम खर्च पर फिल्मी दुनिया से रूबरू कराने के लिए उन्होंने इस बॉलीवुड पार्क को विकसित किया है,साथ ही पर्यटकों को फ़िल्म सिटी की बाहरी लोकेशन भी दिखाई जाती है।हालांकि ओमवीर सिंह का मानना है कि उत्तराखंड की प्राकृतिक वादियों जैसी लोकेशन दुनिया मे अन्यत्र कहीं नही है।वे स्विट्जरलैंड से भी बेहतर उत्तराखंड को मानते है,बशर्ते उत्तराखंड सरकार यहां के फ़िल्मी लोकेशन को आवश्यकता के अनुरूप विकसित कर सके।उनकी राय में उत्तराखंड में फिल्मों की शूटिंग के लिए सबसे पहले मुंबई को देहरादून व नैनीताल से सीधे एयर व रेल मार्ग से जोड़ने की जरुरत है।साथ ही फ़िल्म पर्यटन की एक ऐसी नीति बनाई जाए जिसमें अध्यात्म, धर्म,संस्कृति,पर्यावरण भी शामिल हो।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार है)

पैसे और भौतिक सुखों से आनंद की प्राप्ति संभव नहीं

(लेखक-सनत जैन)

जब से वैश्विक व्यापार संधि लागू हुई है।उसके बाद से सारी दुनिया के देशों में एक मजदूर से लेकर बड़े से बड़े धनी-मानी आदमी ज्यादा से ज्यादा पैसे कमाने की होड़ लगा है। टाटा-बिरला तो अब नेपथ्य में चले गए। अडानी और अंबानी इतना पैसा कमाने के बाद भी आनंद को नहीं खोज पाए। पैसे कमाने के लिए नैतिक और अनैतिक दोनों ही तरीके अपनाकर, यदि आनंद नहीं मिला तो फिर यह प्रसिद्धि और यह धन किस काम का। पिछले 3 दशक में चाहे गरीब हो, या अमीर हो। सभी जल्दी से जल्दी पैसा कमाकर बड़ा आदमी बनना चाहते हैं। पैसा कमा कर भौतिक संसाधनों की होड़ ने हमें अपने परिवार और जीवन के आनंद से बहुत दूर कर दिया है। जल्द से जल्द ज्यादा से ज्यादा पाने की होड़ में सभी ने अपने आस-पास दुखों का एक ऐसा पहाड़ खड़ा कर लिया है। जिसके सामने मनुष्य जीवन बोना हो गया है। पैसा कमा कर भौतिक सुखों को पाकर कुछ समय के लिए प्रसन्नता अनुभव कर लेते हैं। लेकिन उसके बाद भौतिक सुखों को बरकरार रखने और बढ़ाने के लिए एक ऐसी अंधी दौड़ में चले जाते हैं।जिसका कोई अंत ही नहीं होता है। इस चक्कर में परिवार से दूर हो जाते हैं। इतने आगे निकल जाते हैं, कि परिवार, दोस्त यार सभी पीछे छूट जाते हैं। पैसा कमाने की हवस और भौतिक सुखों को पाने और उसे बरकरार रखने के लिए आज सभी वर्ग के लोग कर्जदार हो गए हैं। कई गिने-चुने लोगों को बहुत जल्द बहुत बड़ी अकल्पनीय सफलता मिल गई, जिसमें खोकर वह वास्तविकता को भूल गए। वर्तमान में से धर्म के प्रति अंधविश्वास और पाखंड की प्रभावना बढ़ रही है। युवाओं और सभी लोगों के मन में यह धारणा भर दी गई है, कि देवी देवताओं से जो भी मांगोगे, वह मिल जाएगा। जिसके कारण भारत सहित दुनिया के सभी देशों में धर्म की प्रभावना बड़ी तेजी के साथ बढ़ती जा रही है। हम धर्म का मूल अर्थ ही भूल गए हैं। धर्म धारण करने की वस्तु है। जब तक हम अपने जीवन में धर्म को धारण नहीं करेंगे। तब तक हम धार्मिक हो ही नहीं सकते। धर्म के नाम पर अब केवल पाखंड है। सत्ता में बैठे हुए लोगों ने धर्म के नाम पर जो पाखंड फैलाया है। इसमें मनुष्य जीवन का आनंद और सुख हमने खो ही दिया है। सबसे बड़ी चिंता की बात यह है, भौतिक सुखों की प्राप्ति के लिए सभी कर्जदार हो रहे हैं। भारत में कर्ज को सबसे बुरा माना जाता था। मरने के पहले कर्ज से मुक्ति की प्रार्थना करते थे। आज कर्ज को स्टेटस सिंबल मान रहे हैं। जिन भौतिक सुख के हम आदी हो चुके हैं उसका खर्च पूरा नहीं कर पाने के कारण, युवाओं और पारिवारिक सामूहिक आत्महत्या करने की प्रवृत्ति देखने को मिल रही है। यह मनुष्य जीवन एवं सामाजिक जीवन के लिए सबसे बड़ी चिंता की बात है। कहते हैं, देवी-देवता भी भारी कष्ट उठाकर मनुष्य जीवन पाना चाहते हैं। मनुष्य जीवन दुर्लभ है, मनुष्य जीवन में भाग्य और कर्म फल दो पहिए की तरह,हमारे जीवन को सुखद बनाते हैं। हमारे आगे के जीवन को बेहतर दिशा की ओर ले जाते हैं। वर्तमान समय में मनुष्य जीवन के होते हुए भी हम मनुष्यता भूलकर, भौतिक संपत्ति और भौतिक सुखों की चाह, अल्पकालीन प्रसिद्धि और अल्पकालीन खुशी के चक्कर में स्वयं से, अपने परिवार और समाज से लगातार दूर होते जा रहे हैं। इस आपाधापी में युवा अवस्था में ही मौत हो रही है। जल्द से जल्द ज्यादा से ज्यादा पैसे कमाने के चक्कर में शरीर को रोगी बना दिया है। शरीर जिससे सारे सुखों की अनुभूति होती है। उसे भी हम स्वस्थ नही रख पा रहे हैं। दवाइयों के सहारे से हमें जीवन जीना पड़ रहा है। बचपन और युवा भी अब दवाइयों के सहारे जीवन जीने के लिए विवश हो रहे हैं। सबसे बड़े आश्चर्य की बात है, कि हमारे यहां सनातन धर्म के पौराणिक ग्रंथ हैं। हमारी जो संस्कृति है। उसको भूल कर हम भौतिक सुखों की चाह में कुछ समय के लिए सुख तो प्राप्त कर लेते हैं। लेकिन उसके बाद अपने आसपास दुखों का इतना विशाल पहाड़ खड़ा कर लेते हैं, कि उसका सामना कर पाना संभव नहीं हो पा रहा है। सभी को समझना होगा, कि भौतिक मन की इच्छाओं से संतुष्ट नहीं हुआ जा सकता है। मन चंचल है और वह कल्पनाओं के सहारे चलता है। पैसा जीवन जीने के लिए एक जरूरी तत्व है। पैसा जीवन यापन और मान सम्मान के लिए जरूरी होता है। मन में यदि संतोष है, नैतिक तरीके से हम धन कमाते हैं। मेहनत से पढ़ते हैं, लिखते हैं, और आगे बढ़ते हैं। वह हमारे लिए स्थाई सुख का कारण बनता है। चमत्कारी ढंग से, किसी की सहायता से, अनैतिक तरीके से पाया गया धन, नौकरी, प्रसिद्धि, इत्यादि ज्यादा समय के लिए हमारे पास नहीं होती है। बाद में हमारे पास पछताने के अलावा कुछ नहीं होता है।

अदानी समूह की 3 कंपनियों पर पैनी नजर सेबी की

निवेशकों को संभलकर ट्रेडिंग करनी चाहिए

मुंबई ।

शेयर बाजार में आप भी ट्रेडिंग करते हैं, तब जरा संभलकर पैसे लगाएं। बाजार नियामक सेबी ने अदानी समूह की 3 कंपनियों पर पैनी नजर बना रखी है। सेबी का मानना है कि इन कंपनियों में गलत तरीके से ट्रेडिंग हो रही है और यहां पैसे लगाने वाले निवेशकों को संभलकर ट्रेडिंग करनी चाहिए।

सेबी ने अदानी समूह की कंपनी अदानी पॉवर, अदानी ग्रीन एनर्जी और अंबुजा सीमेंट के शेयरों पर नजर बनाई हुई है। इन शेयरों में निवेशकों को संभलकर ट्रेडिंग करने की जरूरत है। सेबी को आंशका हैं, कि अदानी समूह की इन तीनों कंपनियों में इनसाइडर ट्रेडिंग के जरिये भाव को ऊपर-नीचे किया जा रहा है। मामले से जुड़े सूत्रों ने इसकी जानकारी दी है।

सूत्रों का कहना है कि बाजार नियामक ने जून की शुरुआत में ही अदानी समूह की कंपनियों से कॉन्फिडेंशियल जानकारी मांगी थी। तब भी सेबी ने आशंका जाहिर की थी कि इन कंपनियों में इनसाइडर ट्रेडिंग के द्वारा मुनाफा कमाया जा रहा है। उसका मानना है कि इन शेयरों के भाव को ऊपर-नीचे करके बाजार को प्रभावित किया जा रहा है। लिहाजा आगे भी इन कंपनियों की ट्रेडिंग पर नजर रखी जाएगी।

सेबी ने इस महीने की शुरुआत में अदानी समूह की कंपनियों से बिना पब्लिश की हुई प्राइस सेंसिटिव इंन्फॉर्मेशन मांगी थी। बाजार नियामक को आशंका है कि इन जानकारियों का इस्तेमाल तीनों कंपनियों के स्टॉक प्राइज को ऊपर चढ़ाने या नीचे लाने में किया जा रहा है। शेयरों की कीमत को प्रभावित कर इसके जरिये गलत तरीके से मुनाफा भी कमाया जा रहा है। इन आशंकाओं के बाद ही सेबी ने तीनों कंपनियों पर निगरानी बढ़ा दी है।

रुपया बढ़त पर बंद

नई दिल्ली । अमेरिकी डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपया बुधवार को चार पैसे की बढ़त के साथ ही 82.06 पर बंद हुआ। सप्ताह के तीसरे ही कारोबारी दिन घरेलू शेयर बाजारों में तेजी और विदेशी पूंजी निवेश बने रहने से बुधवार को रुपया शुरुआती कारोबार में अमेरिकी डॉलर के मुकाबले पांच पैसे बढ़कर 81.97 के भाव पर पहुंच गया। अंतर-बैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया दो पैसे की बढ़त के साथ ही 82.00 रुपये प्रति डॉलर के भाव पर खुला। कुछ समय के बाद ये 81.97 के स्तर पर पहुंच गया। इससे गत बंद भाव के मुकाबले इसमें पांच पैसे की बढ़त दिखती है। वहीं मंगलवार को रुपया 82.02 प्रति डॉलर के भाव पर बंद हुआ था। विश्लेषकों के मुताबिक, घरेलू शेयर बाजारों में विदेशी पोर्टफोलियो निवेश बढ़ने और अंतरराष्ट्रीय बाजारों में डॉलर का भाव गिरने से भी रुपये को बल मिला है। विश्व की छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले डॉलर की मजबूती को आंकने वाला डॉलर सूचकांक 102.58 के स्तर पर बना हुआ है।

डीएचएलएफ घोटाले के मामले में बिल्डर अविनाश की जमानत याचिका खारिज

नई दिल्ली । सीबीआई की विशेष अदालत ने निजी क्षेत्र के यश बैंक और देवन हाउसिंग फाइनेंस कॉरपोरेशन (डीएचएलएफ) घोटाले के मामले में पुणे के बिल्डर अविनाश भोसले की जमानत याचिका को खारिज कर दिया है। कोर्ट ने कहा है कि इस घोटाले में देश के साथ धोखा और आपराधिक षड्यंत्र हुआ है। कोर्ट ने इस मामले में बिल्डर अविनाश को बड़ा भागीदार बताते हुए उसकी जमानत अर्जी खारिज कर दी। सीबीआई के अनुसार , इस घोटाले में यस बैंक के पूर्व प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) राणा कपूर ने दीवान हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड को 3983 करोड़ रुपये का लोन दिया था। आरोप है कि इस रकम से डीएचएफएल ने 2420 करोड़ रुपये सह-आरोपी संजय छाबड़िया के रेडियस ग्रुप की तीन कंपनियों को लोन के रूप में दिए थे। सीबीआई की जांच में पता चला कि डीएचएलएफ से लोन लेने के लिए अविनाश को रेडियस ग्रुप से कंसल्टेंसी सेवा के तौर पर 350 करोड़ रुपये मिले थे। गौरतब है कि इस मामले के मुख्य आरोपी राणा कपूर मार्च 2020 से ही जेल में बंद हैं। वहीं पुणे के अविनाश भोसले इंफ्रास्ट्रक्रर लिमिटेड ग्रुप के फाउंडर अविनाश को भी मई 2022 में हिरासत में लिया गया था और उसने कोर्ट में जमानत याचिका दायर की थी, जिसे खारिज कर दिया गया है।

गूगल के नेविगेशन प्लेटफॉर्म वेज ने की कर्मचारियों की छंटनी

सैन फ्रांसिस्को । गूगल अपनी नेविगेशन और मैपिंग कंपनी वेज से कर्मचारियों की छंटनी कर रहा है, क्योंकि कंपनी का लक्ष्य मैपिंग प्रोडक्ट्स का विलय करना है। रिपोर्ट्स के मुताबिक टेक जायंट वेज को गूगल के एडवरटाइजमेंट सिस्टम में ला रही है, जिसका मतलब है कि वेज में सेल्स, मार्केटिंग, ऑपरेशन्स और एनालिटिक्स में नौकरियों में कटौती होगी। रिपोर्ट में गूगल की जियो यूनिट के वीपी और जीएम क्रिस फिलिप्स के हवाला दिया गया है, जिसमें लिखा है कि कंपनी को ज्यादा स्केलेबल और ऑप्टिमाइज वेज ऐड प्रोडक्ट बनाने की उम्मीद है। वेज में 500 से ज्यादा कर्मचारी हैं और यह स्पष्ट नहीं है कि उनमें से कितने लोगों की नौकरी जाएगी। वेज को 2013 में गूगल द्वारा लगभग 1.1 बिलियन डॉलर में अधिग्रहित किया गया था। वेज एप जिसके लगभग 140 मिलियन एक्टिव यूजर्स हैं, एक क्राउडसोर्सिंग टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल करता है, जो इसे ताजा ट्रैफिक जानकारी के साथ एक स्थान से दूसरे स्थान तक सबसे फास्ट ड्राइविंग रूट निर्धारित करने की अनुमति देता है।

क्रिप्टो में टाटा संस का कोई निवेश नहीं :- रतन टाटा

मुंबई। टाटा संस के पूर्व चेयरमैन रतन टाटा ने कहा, उनका किसी भी तरह से क्रिप्टो करेंसी से कोई संबंध नहीं है। क्रिप्टो में उनके निवेश से संबंधित भ्रामक जानकारी सोशल मीडिया में फैलाई जा रही है। उन्होंने लोगों को सावधान किया है, कि ऐसी खबरों से बचें। रतन टाटा ने कहा कि यह पूरी तरह से गलत है और लोगों को ठगने के मकसद से इस तरह की अफवाहें सोशल मीडिया पर फैलाई जा रही हैं। उन्होंने कहा इसके पहले महिंद्रा ग्रुप के चेयरमैन आनंद महिंद्रा को लेकर भी इसी तरह की अफवाहें फैलाई गई थी। लोगों को क्रिप्टो करेंसी से सावधान रहने की जरूरत है।

बायजू के कर्मचारियों को मिलेगा बकाया पीएफ, ईपीएफओ में जमा किए 123 करोड़

नई दिल्ली। एडटेक फर्म बायजू की पैरेंट कंपनी 'थिंक एंड लर्न' ने अपने कर्मचारियों का अगस्त 2022 से मई 2023 तक का भविष्य निधि बकाया कर्मचारी भविष्य निधि संगठन को भेज दिया है। जानकारी के अनुसार बायजू ने 10 महीने की अवधि के लिए ईपीएफओ को 123.1 करोड़ का भुगतान किया है, जबकि शेष बकाया 3.43 करोड़ का भुगतान कुछ दिनों के भीतर करने की प्रतिबद्धता जताई है। गौरतलब है कि ये राशि कंपनी ने निकाय के निर्देशों के बाद जमा की है। बायजू के कई पूर्व कर्मचारियों ने कंपनी पर ईपीएफ जमा नहीं करने का आरोप लगाया था, आरोप था कि कंपनी सैलरी से पीएफ तो काट रही थी लेकिन इस राशि को कर्मचारी भविष्य निधि (ईपीएफ) खाते में जमा नहीं कर रही थी। गौरतलब है कि कर्मचारी भविष्य निधि और विविध प्रावधान अधिनियम के तहत, एक कंपनी को अगले महीने की 15 तारीख तक एक महीने के लिए भविष्य निधि का पैसा जमा करना चाहिए। कोई भी देरी बकाया राशि और क्षति पर 12प्रे` तिशत का दंडात्मक ब्याज लगेगा जो दो महीने से छह महीने तक की देरी के आधार पर 5प्रतिशत से 25प्रतिशत तक हो सकता है, लेकिन कुछ मामलों में अभियोजन के साथ-साथ 100 प्रे तिशत तक सीमित है। अधिनियम के तहत कर्मचारियों को विलंबित भुगतान के लिए नियोक्ता के खिलाफ ईपीएफओ में शिकायत दर्ज करने का अधिकार है। हालों कि ईपीएफओ प्रणाली मासिक आधार पर डिफॉल्टरों की एक सूची भी जारी करती है।

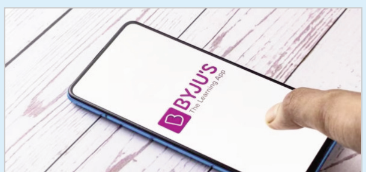

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

सेंसेक्स 500 , निफ्टी 154 अंक ऊपर आया

मुम्बई ।

शेयर बाजार बुधवार को भारी बढ़त के साथ बंद हुआ। बाजार में ये उछाल दुनिया भर से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही लिवाली (खरीददारी) हावी रहने से आया है। बाजार लाभ के साथ ही हरे निशान पर बंद हुए। अमेरिका तथा यूरोपीय बाजारों में तेजी के बीच विदेशी पूंजी प्रवाह बढ़ने से भी बाजार ऊपर आया है। इसके अलावा निजी क्षेत्र की दिग्गज कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज और एचडीएफसी बैंक के शेयरों में लिवाली बढ़ने से भी बाजार को बल मिला है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 499.39 अंक करीब 0.79 फीसदी ऊपर आकर 63,915.42 अंक पर बंद हुआ। वहीं कारोबार के दौरान सेंसेक्स 64,050.44 तक ऊपर जाने के बाद 63,554.82 तक फिसला है। वहीं इसी प्रकार 50 शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 154.70 अंक तकरीबन 0.82 फीसदी उछलने के बाद अंत में 18,972.10 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान निफ्टी 19,011.25 तक ऊपर जाने के बाद ही 18,861.35 तक फिसला है।

आज के कारोबार के दौरान सेंसेक्स के शेयरों में 24 शेयर लाभ के साथ ही हरे निशान पर बंद हुए। टाटा मोटर्स, सन फार्मा, टाइटन, एनटीपीसी और लार्सन एंड टूब्रो सबसे अधिक लाभ वाले पांच शेयर रहे। टाटा मोटर्स के शेयर सबसे ज्यादा करीब 2.38 फीसदी तक उछले। वहीं दूसरी ओर सेंसेक्स के शेयरों में से केवल 6 शेयर ही नुकसान के साथ ही लाल निशान पर बंद हुए। टेक महिंद्रा, महिंद्रा एंड महिंद्रा, कोटक बैंक, बजाज फिनसर्व और एचसीएल टेक सेंसेक्स के सबसे अधिक नुकसान वाले शेयर रहे। टेक महिंद्रा के शेयर सबसे ज्यादा करीब 0.93 फीसदी तक गिरे।

इससे पहले आज सुबह शेयर बाजार बुधवार को तेजी के साथ खुला। बाजार 0.31 फीसदी ऊपर आकर करीब दो सौ अंकों तक उछला। यह 63,627.28 के स्तर पर कारोबार करता दिखा। वहीं निफ्टी भी खुलते ही ऊपर पहुंच गया। निफ्टी 57.60 अंक यानी 0.31 फीसदी की बढ़त के साथ ही 18870 पर पहुंच गया। बाजार खुलते ही उसमें मजबूती देखी गयी। सुबह सेंसेक्स 150.86 अंक तकरीबन 0.24 फीसदी उछलकर 63,566.89 के स्तर पर पहुंच गया। निफ्टी 121.60 अंक करीब 0.65 फीसदी ऊपर आकर 18,939 पर कारोबार कर रहा था। वहीं गत दिवस बाजार भारी तेजी से बंद हुआ था। इससे बाजार में जारी गिरावट का दौर भी समाप्त हुआ।

देश में शराब की ब्रिकी 14 प्रतिशत बढ़ी, भारत में व्हिस्की की मांग सबसे ज्यादा

नई दिल्ली ।

शराब पीना स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है, फिर भी हर साल शराब की बिक्री में इजाफा हो रहा है। इस बार भी वित्त वर्ष 2022-23 में भारत में बनी विदेशी शराब (आईएमएफएल) की बिक्री मात्रा के लिहाज से 14 प्रतिशत बढ़कर 38.5 करोड़ पेटी तक पहुंच गई। उद्योग संगठन के अनुसार, इस दौरान 1000 रुपये प्रति 750 मिली से अधिक कीमत वाली प्रीमियम सेगमेंट की शराब की बिक्री 48 प्रतिशत बढ़ी।

शराब की बिक्री का यह आंकड़ा वित्त वर्ष 2019-20 में कोविड से पहले के स्तर की तुलना में लगभग 12 प्रतिशत ज्यादा है।

इससे पता चलता है कि उद्योग पर कोविड का असर पूरी तरह से खत्म हो गया है। कन्फेडरेशन ऑफ इंडियन अल्कोहलिक बेवरेज कंपनी ने अपनी रिपोर्ट में कहा कि चालू वित्त वर्ष में उद्योग में 8 प्रतिशत की वृद्धि होने की उम्मीद है। साथ ही कुल बिक्री करीब 42 करोड़ पेटी तक पहुंच सकती है। एक पेटी में 9 लीटर शराब होती है।

रिपोर्ट में कहा गया कि भारत में बिकने वाली शराब में व्हिस्की अव्वल है, और कुल बिक्री में इसकी 63 प्रतिशत हिस्सेदारी है। वहीं, इस रिपोर्ट में उम्मीद जाहिर की गई है, कि शराब उद्योग वित्त वर्ष 23-24 के अंत में लगभग 412-415 मिलियन तक पहुंचेगा और इसमें 7-8 प्रतिशत की वृद्धि होगी।

राजस्थान,केरल, मध्य प्रदेश, यूपी सहित करीब एक दर्जन राज्यों ने शराब की कीमत में बढ़ोतरी की है। इससे राज्यों की कमाई बढ़ाने में मदद मिली है, जबकि 500 रुपये से 1,000 रुपये के बीच की कीमत वाले खंडों की कुल बिक्री में 21 प्रतिशत और 1,000 रुपये से ऊपर (ज्यादातर आयातित) की बिक्री में 3 प्रतिशत का योगदान रहा।

पहले की तरह, दक्षिण भारत आज भी 58 प्रतिशत हिस्सेदारी के साथ बिक्री की मात्रा में सबसे बड़ा योगदानकर्ता बना हुआ है, इसके बाद देश के पश्चिम और पूर्वी राज्य हैं, जिन्होंने समान रूप से 22 प्रतिशत का योगदान दिया है।

उत्तर भारत ने कुल बिक्री में 16 प्रतिशत का योगदान दिया। पंजाब में पिछले वर्ष की तुलना में 54 प्रतिशत की भारी वृद्धि हुई है।

टमाटर के गिरेंगे दाम, बारिश कम होते ही कीमत भी कम हो जाएगी

नई दिल्ली । इन दिनों टमाटर की कीमत सातवें आसमान पर पहुंच रही है। हांलों कि इसे मौसम जे नित बढ़ोतरी बताकर सरकार टाल रही है। टमाटर की कीमतों में आए तेज उछाल को सरकार ने अस्थायी और मौसम-जनित परिस्थिति बताते हुए मंगलवार को कहा कि इसके दाम जल्द ही नीचे आ जाएंगे। इस समय देश के कई शहरों में 100 रुपये और उससे भी अधिक दाम पर टमाटर बिकने की खबरें आ रही हैं। इसकी वजह से खाना बनाने में प्रमुखता से इस्तेमाल होने वाले टमाटर ने घरों का बजट बिगाड़ने का काम किया है। उपभोक्ता मामलों के विभाग के सचिव रोहित कुमार सिंह ने इस संदर्भ में कहा कि टमाटर की कीमतों में तीव्र वृद्धि एक अस्थायी समस्या है। उन्होंने कहा कि हर साल इस समय ऐसा होता है। दरअसल टमाटर बहुत जल्द खराब होने वाला खाद्य उत्पाद है और अचानक बारिश होने से इसकी ढुलाई पर असर पड़ता है। उपभोक्ता मामलों के विभाग के पास उपलब्ध आंकड़ों के मुताबिक, 27 जून को अखिल भारतीय स्तर पर टमाटर की औसत कीमत 46 रुपये प्रति किलो रही। हालांकि इसकी अधिकतम कीमत 122 रुपये प्रति किलो भी दर्ज की गई है। टमाटर की कीमतों पर ये दि देश के 4 मेट्रो शहरों की बात करें तो दिल्ली में टमाटर की खुदरा कीमत 60 रुपये प्रति किलो, मुंबई में 42 रुपये प्रति किलो, कोलकाता में 75 रुपये प्रति किलो और चेन्नई में 67 रुपये प्रति किलो रही।

आज 52 साल के हो गए मस्क, हर सेंकड कमाते हैं, 68 लाख रुपये

10 साल की उम्र में एक वीडियो गेम बनाया था

मुंबई ।

टेस्ला के सीईओ और ट्विटर प्रमुख एलन मस्क का आज जन्मदिन है। 28 जून 1971 को जन्मे मस्क आज 52 साल के हो गए। मस्क इस समय दुनिया के सबसे दौलतमंद शख्स बने हुए हैं और उनकी कुल नेटवर्थ 219 अरब डॉलर (ब्लूमबर्ग बिलेनियर इंडेक्स के मुताबिक) है। इस साल अभी तक उन्होंने 81.8 अरब डॉलर की दौलत कमाई है। मस्क का सपना मंगल ग्रह पर इंसानों को बसाना है। मस्क अपने इस सपने को पूरा करने के लिए तेजी से आगे बढ़ रहे हैं।

मस्क का जन्म दक्षिण अफ्रीका में हुआ था। वे 17 साल की उम्र में कनाडा आ गए थे। उन्हें बचपन से ही किताबें पढ़ने का बहुत शौक था। वे बचपन में बहुत शांत स्वभाव के थे, इस कारण दोस्त उन्हें परेशान भी करते थे। एलन ने 10 साल की उम्र में कम्प्यूटर प्रोग्रामिंग सीख ली थी और 12 साल की उम्र में उन्होंने 'ब्लास्टर' नाम से एक वीडियो गेम तैयार कर लिया था, जिसे एक स्थानीय मैग्जीन ने मस्क से पांच सौ अमेरिकी डॉलर में खरीदा था। इस मस्क की पहली 'व्यापारिक उपलब्धि' कहा जा सकता है।

दुनिया के सबसे अमीर इंसान ने जिंदगी के संघर्षों को झेलते हुए कम बोला और ज्े यादा किया है। इनकी जिंदगी की कई बातें ऐसी हैं जिनसे हर युवा को सीखना चाहिए। मस्क की कमाई के बारे में कहा जाता है कि वहां हर सेकेंड 68 लाख रुपये कमाते हैं। इसके बावजूद उनके मन में नए आइर्डे याज को लेकर गुंजाइश बनी रहती है।

एलन रीव मस्क दक्षिण अफ्रीका, कनाडा और अमेरिका के नागरिक हैं। उनकी मां माये मस्क मॉडल और डाइटीशियन थीं, जबकि एरॉल मस्क इलेक्ट्रोमेकेनिकल इंजीनियर थे। एलन मस्क तीन संतानों में सबसे बड़े हैं। उनका बचपन किताबों और कंप्यूटर के बीच बीता था। वह 1995 में पीएचडी करने के लिए अमेरिका की सिलिकॉन वैली पहुंचे। उन्होंने यहां की स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी के अप्लाइड फिजिक्स विभाग में दाखिला लिया, लेकिन दो ही दिन बाद उस छोड़कर आ गए। 27 वर्ष की उम्र में मस्क ने एक नई कंपनी स्थापित की जिसका नाम था 'एक्स डॉट कॉम' और इस कंपनी का दावा था कि वहां पैसा ट्रांसफ़र करने की व्यवस्था में क्रांति लाने वाली है। मस्क की इसी कंपनी को आज 'पे पाल' के नाम से जाना जाता है जिसे साल 2002 में ई बेय ने खरीद लिया था और इसके लिए मस्क को 165 मिलियन डॉलर मिले थे। यह उनके करियर की बड़ी उपलब्धि थी।

सस्ती होगी तुलर दाल, सरकार अपने स्टॉक से जारी करेगी दाल

नई दिल्ली ।

भारत में सबसे ज्यादा तुअर यानी अरहर दाल की खपत होती है। इस समय तुअर की दाल के रेट आसमान छू रहे हैं। दालों के बढ़ते भाव से लोग काफी परेशान है। यह देखकर मोदी सरकार घरेलू आपूर्ति बढ़ाने और कीमतों को नियंत्रित रखने के प्रयासों के तहत अपने बफर स्टॉक से पात्र मिल मालिकों को तुअर दाल बेचने की तैयारी कर रही है। मोदी सरकार के इस फैसले के बाद दाल की कीमत में कमी आने की संभावना है। आधिकारिक बयान में बताया गया है कि केंद्र सरकार ने भारतीय बाजार में आयातित भंडार आने तक तुअर को राष्ट्रीय बफर से सुनियोजित और लक्षित तरीके से जारी करने का फैसला किया है। खाद्य मंत्रालय के अनुसार जब तक आयातित अरहर की दाल खुले मार्केट में नहीं आती है, तब तक सरकार इसकी ब्रिकी जारी रखेगी। मोदी सरकार की कोशिश है कि इस दाल की सप्लाई में कमी ना होने दी जाए। बयान के अनुसार उपभोक्ता मामलों के विभाग ने राष्ट्रीय कृषि सहकारी विपणन महासंघ (नेफेड) और राष्ट्रीय सहकारी उपभोक्ता महासंघ (एनसीसीएफ) को उपभोक्ताओं के लिए अरहर दाल की उपलब्धता बढ़ाने के मकसद से पात्र मिल मालिकों के बीच ऑनलाइन नीलामी के माध्यम से अरहर दाल का निपटान करने का निर्देश दिया है।

उपभोक्ताओं को सस्ती कीमतों पर अरहर की उपलब्धता पर स्टॉक जारी करने के बाद के मूल्यांकन किए गए प्रभाव के आधार पर नीलामी की जाने वाली मात्रा और संख्या को तय किया जाएगा। मोदी सरकार ने 2 जून को जमाखोरी और बेईमान सट्टेबाजी को रोकने और उपभोक्ताओं को सस्ते में सुलभ कराने के लिए आवश्यक वस्तु अधिनियम, 1955 को लागू करके अरहर और उड़द पर भंडार सीमा लगा दी थी। इस आदेश के तहत सभी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के लिए 31 अक्टूबर 2023 तक तुअर और उड़द के लिए भंडार सीमा निर्धारित की गई है। प्रत्येक दाल पर व्यक्तिगत रूप से लागू स्टॉक सीमा थोक विक्रेताओं के लिए 200 टन है, खुदरा विक्रेताओं के लिए 5 टन, प्रत्येक खुदरा दुकान पर 5 टन और बड़ी श्रृंखला के खुदरा विक्रेताओं के लिए डिपो पर 200 टन, मिल मालिकों के लिए उत्पादन के अंतिम 3 महीने या वार्षिक स्थापित क्षमता का 25 प्रतिशत, जो भी अधिक हो, है। आदेश में इन संस्थाओं के लिए विभाग के पोर्टल पर भंडार की स्थिति घोषित करना भी अनिवार्य कर दिया गया है।

गडकरी ने की डीजल में 15 प्रतिशत मेथनॉल मिश्रण की वकालत

मेथनॉल ट्रक की संख्या बढ़ रही

नई दिल्ली ।

केंद्रीय परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने लॉजिस्टक्स की लागत घटाने के महत्वाकांक्षी राष्ट्रीय लक्ष्य को हासिल करने के लिए मेथनॉल ट्रक और मेथनॉल मिश्रित डीजल की वकालत की। इससे देश की जीवाश्म ईंधन के आयात पर निर्भरता कम होगी। केंद्रीय मंत्री गडकरी ने कहा, अब मेथनॉल ट्रक की संख्या बढ़ रही है, जो उपलब्धि है। पेट्रोलियम मंत्रालय 15 फीसदी मेथनॉल मिश्रिति डीजल की नीति बनाने के लिए कार्य कर रहा है।

गडकरी को असम में मेथनॉल अर्थव्यवस्था की सफलता की उम्मीद है। उन्होंने कहा, असम पेट्रोकेमिकल्स एक दिन में 100 टन मेथेनॉल तैयार कर रहा है। मैंने असम के मुख्यमंत्री से पूछा है कि क्या राज्य में ट्रकों को मेथनॉल ट्रकों में बदला जा सकता है। इससे लॉजिस्टिक्स लागत में कमी आएगी। मेथनॉल एक निम्न कॉर्बन, हाइड्रोजन वाहक ईंधन है। यह कोयले की राख, कृषि अवशेषों और थर्मल पावर प्लांटों और प्राकृतिक गैस की कार्बनडॉइआक्साइड से बनता है। मोदी सरकार की नीति बनाने वाला निकाय नीति आयोग ने मेथनॉल अर्थव्यवस्था के विस्तार के लिए रोडमैप तैयार किया है। आयोग ने कहा, 'गैसोलीन में 15 फीसदी मेथनॉल के मिश्रण से कच्चे तेल/गैसीलोन का 15 फीसदी कम आयात करना पड़ेगा। इससे जीएचजी के उत्सर्जन में 20 फीसदी की कमी आएगी। इससे नाइट्रोजन ऑक्साइड और सल्फर ऑक्साइड में गिरावट आएगी और शहरी क्षेत्र की वायु गुणवत्ता सुधरेगी।'

गडकरी ने बताया कि डीजल की तुलना में एक चौथाई मेथनॉल की लागत आती है। ट्रक को ईंधन बदलने पर फायदा होगा। उन्होंने हाल ही में घोषणा की थी कि ट्रकों में एसी कैबिन होंगे और इस सिलसिले में नियामक भी बनाए गए हैं।

एक लाख करोड़ रुपए की लागत वाला दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे 62 फीसदी पूरा हो चुका है और इसके 2024-25 तक पूरा होने की उम्मीद है। दिल्ली-अमृतसर-कटरा एक्सप्रेस वे 2025-26 तक पूरा होने की उम्मीद है और इसके बनाने पर 37,000 करोड़ रुपए की लागत आएगी। कई सड़कों पर तीव्र मोड़ और सड़क सुरक्षा पर मंत्री ने कहा कि कई सड़कों का निर्माण त्रुटिपूर्ण है। उन्होंने बताया कि कई त्रुटिपूर्ण परियोजनाओं की पुनः जांच शुरू कर दी गई है।

प्योर ईवी ने राजस्थान के कोटा में नई डीलरशिप शुरु की

कोटा।

देश के प्रमुख ईवी दोपहिया ऑटोमोबाइल निर्माताओं प्योर ईवी ने अपनी नई ईवी डीलरशिप दुकान कोटा, राजस्थान में शुरु की हैं। प्योर ईवी ने अपने व्यापक डीलरशिप नेटवर्क के माध्यम से देश और विदेश में 60,000 से अधिक ईवी दोपहिया मोटरसाइकिलों की वितरण की गणना की है। कंपनी ने तेलंगाना में 1,00,000 वर्ग फीट के एक फैक्ट्री की स्थापना की है, जिसमें वाहन और इन-हाउस बैटरी के निर्माण के लिए एक विभाग भी शामिल हैं। कंपनी विस्तार की प्रक्रिया में है और एक 2,00,000 वर्ग फीट की सुविधा के लिए वाहन उत्पादन क्षमता 120,000 यूनिट्स और बैटरी उत्पादन क्षमता 0.5 गीगावॉटप्रतिघंटा के साथ एक वार्षिक आयातन बनाने का निर्माण कर रही है, जो वित्तीय वर्ष 24 के अंत तक तैयार होगी। प्योर ईवी ने हाल ही में भारत की सबसे सस्ती इलेक्ट्रिक मोटरसाइकिल लांच की है।प्योर ईवी की कोटा में डीलरशिप खुलने के अवसर पर, प्योअर ईवी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी, रोहित वाडेरा ने कहा, कोटा शहर इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) उद्योग के लिए सहायक पारिस्थितिकी तत्व के रूप में तेजी से उभर रहा है। शहर में चार्जिंग स्टेशनों की मौजूदगी ईवी मालिकों को इलेक्ट्रिक वाहनों पर स्विच करने के लिए प्रोत्साहित करती है। इसके अलावा, कोटा शहर की नवीनीकरणीय ऊर्जा स्त्रोतों पर ध्यान केंद्रित करना ईवी उद्योग के कार्बन उत्सर्जन को कम करने के लक्ष्य के साथ मेल खाता है।

यह नई डीलरशिप हमारी राजस्थान के प्रति आस्था और प्रतिबद्धता को मजबूत करेगी। राजस्थान अन्य राज्यों मैं पहले से ही अपनी मौजूदगी स्थापित कर चुका है। राजस्थान में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के नेतृत्व में एक विशेष इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) नीति लागू को लागू किया है, जिससे यह भारत के कुछ ही राज्यों में से एक हो जिनके पास एक ऐसा बेहतरीन ढांचा है।

मोहाली में इस कारण नहीं रखे गये विश्वकप मुकाबले: बीसीसीआई

मुम्बई (एजेंसी)। 2023 विश्व कप का शेड्यूल जारी होने के बाद भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) जांच के घेरे में आ गया है। टूर्नामेंट दस शहरों में आयोजित किया जाएगा, ऐसे में बोर्ड को कई प्रसिद्ध स्टेडियमों को मैच आवंटित नहीं करने के लिए आलोचना का सामना करना पड़ा। पंजाब के खेल मंत्री गुरुमीत सिंह मीत हेयर ने मोहाली को एक आयोजन स्थल के रूप में नजरअंदाज करने के लिए बीसीसीआई की आलोचना की और इसे एक राजनीतिक निर्णय करार दिया।

मध्य प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन के अध्यक्ष अभिलाष खांडेकर ने भी इंदौर के होल्कर स्टेडियम में विश्व कप का आयोजन नहीं होने पर निराशा व्यक्त की, लेकिन अब वजह सामने आ चुकी है कि किस कारण यहां मैच नहीं करवाने का फैसला लिया गया।

बीसीसीआई ने बताई बड़ी वजह

बीसीसीआई के उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला ने आगामी विश्व कप के लिए मोहाली जैसे स्थानों को शामिल न करने के पीछे का कारण बताया। उन्होंने कहा कि स्टेडियम आईसीसी के अपेक्षित मानकों को पूरा नहीं करता है, जिसके कारण इसे मेजबानी के लिए हटा दिया गया। हालांकि, शुक्ला ने खुलासा किया कि यहां द्विपक्षीय सीरीज के मैच होंगे क्योंकि बोर्ड अंतरराष्ट्रीय मैचों के लिए किसी भी राज्य को भूखा नहीं रखना चाहता है।

शुक्ला ने कहा, 'मोहाली में मौजूदा स्टेडियम आईसीसी के मानकों पर खरा नहीं उतरा और इसलिए उसे मैचों से वंचित कर दिया गया। लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि उन्हें मैच नहीं दिए जाएंगे। द्विपक्षीय सीरीज के मैच उन्हें दिए जाएंगे। आयोजन स्थलों को अंतिम रूप देने में आईसीसी की सहमति अहम है। त्रिवेन्द्रम में पहली बार वार्म-अप मैच की मेजबानी दी गई है। ऐसा नहीं है कि किसी भी राज्य की अनदेखी की गई हो। काफी सोच-विचार के बाद स्टेडियमों का चयन किया गया है, यहां तक कि नॉर्थ ईस्ट जोन में भी मैच गुवाहाटी को मिले हैं। शेड्यूल में काफी समायोजन किया गया है।'

फाइनल की मेजबानी अहमदाबाद करेगा

बेंगलुरु, चेन्नई, दिल्ली, धर्मशाला, हैदराबाद, लखनऊ और पुणे आईसीसी विश्व कप 2023 की मेजबानी करेंगे। इस बीच, कोलकाता, मुंबई और अहमदाबाद नॉकआउट और फाइनल सहित कुछ सबसे आकर्षक मुकाबलों की मेजबानी करेंगे।

गुरु काशी यूनिवर्सिटी के छात्रों ने एशिया कप तीरंदाजी टूर्नामेंट में रचा इतिहास

सिडनी (एजेंसी)। गुरु काशी यूनिवर्सिटी के प्रतिभाशाली छात्रों के एक ग्रुप ने अंडर-21 कंपाउंड टीम इवेंट 50 मीटर तीरंदाजी में पिछले विश्व रिकॉर्ड को तोड़कर इतिहास रच दिया है। साक्षी चौधरी, प्रगति और दीप शिखा ने सिंगापुर में आयोजित प्रतिष्ठित एशिया कप विश्व रैंकिंग टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन करते हुए कुल 2,076 अंक अर्जित किए।

इन युवा तीरंदाजों के असाधारण प्रदर्शन से 2,075 अंक का पिछला रिकॉर्ड टूट गया। यह उल्लेखनीय उपलब्धि न केवल यूनिवर्सिटी को गौरवान्वित करती है बल्कि गुरु काशी यूनिवर्सिटी के उभरते एथलीटों की अपार क्षमता को भी उजागर करती है।

गुरु काशी यूनिवर्सिटी के सम्मानित चांसलर गुरलाभ सिंह सिद्धू ने उन खिलाड़ियों, प्रशिक्षकों और संकाय सदस्यों के अथक प्रयासों की सराहना की, जिन्होंने इन प्रतिभाशाली तीरंदाजों के कौशल को निखारने के लिए खुद को समर्पित किया है। सिद्धू ने अपने एथलीटों को अटूट समर्थन और विश्व स्तरीय बुनियादी ढांचा प्रदान करने के लिए यूनिवर्सिटी की अटूट प्रतिबद्धता भी दोहराई।

साक्षी चौधरी, प्रगति और दीप शिखा की रिकॉर्ड तोड़ने वाली उपलब्धि खेल प्रतिभाओं के पोषण और विभिन्न विषयों में उत्कृष्टता को बढ़ावा देने वाला वातावरण बनाने पर यूनिवर्सिटी के फोकस का एक प्रमाण है। छात्रों की उपलब्धि न केवल उनके लिए सम्मान लाती है, बल्कि खेल को बढ़ावा देने और युवा एथलीटों को उत्कृष्टता हासिल करने के लिए एक मंच प्रदान करने में अग्रणी संस्थान के रूप में गुरु काशी यूनिवर्सिटी को भी पहचान दिलाती है।

सटीकता, तकनीक और मानसिक दृढ़ता के अपने असाधारण प्रदर्शन के साथ, इन छात्रों ने तीरंदाजी इतिहास में अपना नाम दर्ज कराया है। उनकी सफलता देश भर के महत्वाकांक्षी एथलीटों के लिए एक प्रेरणा है, जो दर्शाती है कि समर्पण, कड़ी मेहनत और सही समर्थन के साथ वे भी महानता का लक्ष्य रख सकते हैं।

साक्षी चौधरी, प्रगति और दीप शिखा की उल्लेखनीय उपलब्धि न केवल उनकी व्यक्तिगत प्रतिभा को दर्शाती है बल्कि भारतीय तीरंदाजी के उज्ज्वल भविष्य को भी उजागर करती है। अपने अटूट दृढ़ संकल्प और अविश्वसनीय कौशल के साथ, ये युवा तीरंदाज नए मानक स्थापित कर रहे हैं और भावी पीढ़ियों के लिए मार्ग प्रशस्त कर रहे हैं।

विश्व कप क्वालीफाइंग में श्रीलंका व जिम्बाब्वे सबसे आगे

हरारे (एजेंसी)। (ईएमएस)। आईसीसी पुरुष क्रिकेट विश्व कप 2023 क्वालीफायर मुकाबलों के बाद श्रीलंका व जिम्?बाब्वे की टीमें सबसे आगे हैं। अब गुरुवार से सुपर सिक्स चरण शुरू होगा। इसमें ग्रुप ए और बी से आगे बढ़ने वाली छह टीमों को अंतिम दौर के मैचों से पहले ही तय कर लिया गया था। सुपर सिक्स चरण में प्रत्येक टीम साथी शीर्ष-तीन फिनिशरों के खिलाफ अपने ग्रुप मैचों से अंक आगे बढ़ाएगी। इस प्रकार जिम्बाब्वे और श्रीलंका दोनों चार अंकों पर आगे बढ़ेंगे, नीदरलैंड और स्कॉटलैंड दो अंकों पर, और वेस्ट इंडीज ओमान शून्य के साथ आगे बढ़ेंगे। प्रत्येक टीम को अब तीन और मैच खेलने हैं, इसमें दूसरे ग्रुप से क्वालीफाई करने के लिए तीन टीमों के खिलाफ मुकाबले शामिल हैं ग्रुप स्तर के समापन पर शीर्ष दो टीमें फाइनल में पहुंचती हैं और दोनों इस साल के अंत में भारत में आईसीसी पुरुष क्रिकेट विश्व कप 2023 के लिए क्वालीफाई करती हैं।

श्रीलंका ने इस टूर्नामेंट की शुरुआत शीर्ष रैंकिंग वाली टीम के रूप में की थी, और वे इस साल के अंत में भारत पहुंचने के लिए अच्छी स्थिति में है। वहीं क्वालीफायर मैचों का मेज़बान जम्बिाब्वे भी बड़े घरेलू दर्शकों के सामने शानदार क्रिकेट खेल रहा है। दूसरी ओर वेस्ट इंडीज के लिए विश्व कप से बाहर होने का खतरा मंडरा रहा है क्योंकि नीदरलैंड के खिलाफ सुपर ओवर में मिली हार ने उसकी स्थिति खराब कर दी है। स्कॉटलैंड अगले स्थान पर है, जहां वेस्टइंडीज बोर्ड पर कुछ अंक हासिल करने और नेट रन रेट को बढ़ावा देने के लिए एक बड़ी जीत की तलाश में है।

जय शाह ने सुनिश्चित किया कि क्रिकेट विश्व कप मैच में गुजरात को प्राथमिकता मिले: टीएमसी

नयी दिल्ली।(एजेंसी)। तृणमूल कांग्रेस के प्रवक्ता साकेत गोखले ने आरोप लगाया कि बीसीसीआई सचिव जय शाह ने सुनिश्चित किया कि पांच अक्टूबर से शुरु होने वाले क्रिकेट विश्व कप के लिए स्टेडियम चुनने में गुजरात को अन्य राज्यों की तुलना में प्राथमिकता दी गयी क्योंकि वह गृहमंत्री अमित शाह के बेटे हैं। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) और मेजबान भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने मंगलवार को विश्व कप के कार्यक्रम की घोषणा की जिसमें विपक्ष के कुछ नेताओं ने राजनीतिक हस्तक्षेप का संकेत दिया और अहमदाबाद को बड़े मैच की मेजबानी दिये जाने पर सवाल उठाये जबकि कई अन्य राज्यों को कोई भी मैच नहीं मिला।

टीएमसी के प्रवक्ता साकेत गोखले ने बुधवार को ट्वीट किया, ''आईपीएल 2023 का शुरुआती मैच नरेंद्र मोदी स्टेडियम में, आईपीएल 2023 का फाइनल नरेंद्र मोदी स्टेडियम में, क्रिकेट विश्व कप 2023 का शुरुआती मैच नरेंद्र मोदी स्टेडियम में, क्रिकेट विश्व कप 2023 का फाइनल भी नरेंद्र मोदी स्टेडियम में।'' उन्होंने ट्वीट किया, ''जय शाह - बीसीसीआई सचिव और अमित शाह का बेटा - सुनिश्चित करते हैं कि गुजरात को अन्य राज्यों की तुलना में हमेशा प्राथमिकता दी जाये।

रोहित, विराट सहित भारतीय खिलाड़ियों का विश्वकप मैच स्थलों पर रहा है अच्छा रिकार्ड

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय टीम के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली और कप्तान रोहित शर्मा अपनी धरती पर होने वाले एकदिवसीय विश्वकप में नौ स्थलों पर धूम मचा सकते हैं। इसका कारण है कि इन स्थलों पर इन दोनो का ही बल्ला जमकर चला है। विश्व कप के मुकाबले 5 अक्टूबर से खेले जाएंगे। इसमें भारतीय टीम को लीग राउंड में 9 मैच 9 स्थलों पर खेलने हैं। भारत को 9 स्थलों पर जो मुकाबले खेलने हैं, उसमें रोहित और विराट ने जमकर रन बनाये हैं। कोहली ने 47 एकदिवसीय की 46 पारियों में 45 की औसत से 1951 रन 90 के स्ट्राइक रेट से बनाये हैं। इस दौरान उन्होंने 6 शतक और 12 अर्धशतक लगाये। वहीं रोहित ने इन 9 स्थलों पर अब तक 29 एकदिवसीय में 45 की औसत से 1302 रन बनाए हैं। इसमें ती शतक और 4 अर्धशतक शामिल हैं। उनका स्ट्राइक रेट 97 का है। रोहित ने 264 रन की सर्वश्रेष्ठ पारी भी इन्हीं स्थलों पर खेली है। इन दोनो के अलावा इन स्थलों पर युवा बल्लेबाज शुभमन गिल से लेकर केएल राहुल का प्रदर्शन भी अच्छा रहा है। राहुल चोटिल होने के कारण अभी एनसीए में रिहैब कर रहे हैं। उनका विश्व कप खेलना तय माना जा रहा है। वह विकेटकीपर के तौर पर मध्य क्रम में अहम भूमिका निभा सकते हैं। एकदिवसीय टीम के उप-कप्तान हार्दिक पंड्या का भी इन स्थलों पर स्ट्राइक रेट 103 का रहा है। वह भी बतौर ऑलराउंडर टीम के लिए सबसे अहम भूमिका निभा सकते हैं।

डायमंड लीग से वापसी करेंगे नीरज

लुसाने। ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा इस माह के अंत में 30 जून को होने वाले डायमंड लीग के छठे चरण से खेल में वापसी कर सकते हैं। नीरज अभी मांसपेशियों में खिंचाव के कारण खेल से दूर हैं। नीरज ने अपनी वापसी को लेकर अभी तक कुछ नहीं कहा है पर आयोजकों के अनुसार वह इस लीग में खेलेंगे। इस प्रतियोगिता में नीरज को चेक (गणराज्य) के जाकुब वाडलेच और जर्मनी के जूलियन वेबर से मुकाबला करना होगा। नीरज ने पिछले महीने माह ही ट्विटर पर घोषणा की थी कि प्रशिक्षण के दौरान उनकी मांसपेशियों में खिंचाव आ गया था और इसी कारण वह नीदरलैंड में एफबीके गेम्स और फिनलैंड में पावो नूरमी खेलों से बाहर रहे। इसके अलावा वह भुवनेश्वर में जारी राष्ट्रीय अंतरराज्यीय सीनियर एथलेटिक्स चैंपियनशिप से भी बाहर रहे।

विश्वकप कार्यक्रम घोषित होती ही अहमदाबाद के होटलों की कीमतें आसमान पर पहुंचीं

अहमदाबाद। आईसीसी के विश्वकप क्रिकेट कार्यक्रम घोषित करते ही यहां के होटलों की कीमतें तेजी से बढ़ गयी हैं। विश्वकप मैच में अभी करीब तीन महीने के समय है पर अभी से ही होटलों के कमरों का किराया आसमान छूने लगा है। प्राप्त जानकारी के अनुसार शहर के पांच सितारा होटलों में बेस कैटेगरी के कमरे का किराया ही एक रात के लिए 50,000 रुपए तक पहुंच गया है, जबकि आम दिनों में ऐसे कमरों की कीमत सामान्य तौर पर 6,500 से 10,500 रुपए के बीच होती है।

होटल उद्योग जगत से जुड़े लोगों के अनसार भारत और पाकिस्तान के बीच 15 अक्टूबर को होने वाले मैच को लेकर भी भारी उत्साह है। इसी कारण 13 से 16 अक्टूबर के लिए अभी से बुकिंग हो गयी है। वहीं माना जा रहा है कि अन्य मैचों के समय भी शहर के होटलों में भारी बुकिंग रहेगी।' साथ ही कहा कि अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट समूहों, प्रशंसकों और प्रायोजकों से भी बुकिंग को लेकर इन्क्वॉयरी आ रही हैं। इस दौरान कई वीवीआईपी लोगों के आने की भी उम्मीदे हैं।

अब तक अधिकतर पांच सितारा होटलों में मैच के दिनों के लिए 60 से 90 फीसदी कमरे बुक हो गये हैं। उद्घाटन समारोह और इंग्लैंड बनाम न्यूजीलैंड के बीच पहले मैच के लिए, इंग्लैंड और प्रमुख समूहों की ट्रैवल एजेंसियों द्वारा बुकिंग पहले ही की जा चुकी है।'

उद्योग जगत के अनुसार, बेस कैटेगरी के कमरे के लिए लगभग 500 पाउंड स्टर्लिंग या लगभग 52,000 रुपए और प्रीमियम श्रेणी के कमरों के लिए 1,000 पाउंड स्टर्लिंग (1 लाख रुपए) या उससे अधिक लिया जा रहा है। एक होटल समूह ने कहा कि 14 से 16 अक्टूबर के लिए उनके दो होटलों में सभी कमरे पहले ही बुक हो गये हैं।

भारत और पाकिस्तान के बीच 15 अक्टूबर को अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में मुकाबला होगा। वहीं 19 नवंबर को फाइनल खेला जाएगा। टूर्नामेंट की शुरुआत भी यहीं गत विजेता विजेता इंग्लैंड और उपविजेता न्यूजीलैंड के बीच पांच अक्टूबर को शुरुआती मुकाबले से होगी।

एशियाई कबड्डी चैंपियनशिप में भारत के आगे जापान ने टेके घुटने, 62-17 से जीता मुकाबला

नई दिल्ली (एजेंसी)। एशियाई कबड्डी चैंपियनशिप 2023 में भारतीय टीम ने धमाकेदार शुरुआत की है। बुधवार को जापान के खिलाफ खेले गए मुकाबले में भारत ने विपक्षी टीम को जबरदस्त तरीके से धूल चटाई है। इस मुकाबले में पहले हाफ में भारतीय टीम ने शानदार प्रदर्शन किया और मुकाबले में अपनी स्थिति को मजबूत कर लिया, जिसके आगे जापान की टीम कुछ खास कमाल नहीं कर सकी। इस मुकाबले में भारत ने जापान को 62-17 से मात दी है।

इस मुकाबले में भारतीय टीम ने काफी अच्छा खेल दिखाया। मुकाबले का पहला हाफ खत्म होने पर भारत का स्कोर 32 रहा था जबकि जापान महज 6 अंक पर था। भारतीय टीम ने पहले हाफ में ही 26 अंकों की बढ़त बनाई थी। भारतीय टीम की ये बढ़त आगे भी जारी रही। इस शानदार बढ़त को मजबूत बनाते हुए भारत ने अंत में 62-17 से ये मुकाबला अपने नाम कर लिया।

बता दें कि इस मुकाबले में भारतीय टीम के लिए पहला पॉइंट पवन सेहरावत ने बनाया। पवन के बाद मुकाबले में खिलाड़ियों ने लगातार अंक बटोरे और जापान को पछाड़ते गए। जापान ने पहला अंक उस समय हासिल किया जब भारत 18 अंक बना चुकी थी। इसके बाद दूसरे हाफ के दौरान भारतीय टीम ने शुरुआती पांच मिनट में ही पूरी जापान की टीम को ऑलआउट करने में सफलता हासिल की। इस दमदार प्रदर्शन की मदद से भारत की टीम 13वें मिनट में 50 के स्कोर तक पहुंची जबकि जापान सिर्फ 12 अंक पर सिमटा हुआ था।

मुकाबले के अंत में भारत 62 स्कोर पर थी जबकि जापान की टीम सिर्फ 17 अंक हासिल कर सकी। भारत ने 45 अंकों के बड़े अंतर से इस मुकाबले में कब्जा जमाया है। जापान ने पहले हाफ में 6 और दूसरे हाफ में 11 अंक बनाए है। वहीं भारत ने पहले हाफ में 32 और दूसरे मे 30 अंक बनाए। भारत के शानदार प्रदर्शन की बदौलत पूरे मुकाबले में भारतीय टीम का ही दबदबा रहा।

विश्व कप 2023 में पाक टीम के मैचों के लिए होगी कड़ी सुरक्षा : कैब

कोलकाता । बंगाल क्रिकेट संघ (कैब) अध्यक्ष स्नेहाशीष गांगुली ने कहा है कि आईसीसी क्रिकेट वर्ल्ड कप में पाकिस्तान के मैचों में विशेष सुरक्षा व्यवस्था रहेगी। उन्होंने कहा कि हमें अपने पुलिस प्रशासन पर पूरा भरोसा है। साथ ही कहा कि अन्य मैचों की अपेक्षा इस मैच में सुरक्षा कुड ज्यादा रहेगी। विश्वकप के पांच मैच यहां के ईडन गार्डन में होंगे। जिसपर कैब ने खुशी व्यक्त की है। उसे भारत और दक्षिण अफ्रीका जैसे अहम मैच की भी मेजबानी मिली है। कैब प्रमुख ने पांच अहम मैचों की मेजबानी दिने के लिए बीसीसीआई और उसके सचिव जय शाह को धन्यवाद दिया। कैब अध्यक्ष ने कहा, हम संतुष्ट हैं। मैं वास्तव में जय शाह, बीसीसीआई और आईसीसी को धन्यवाद देना चाहता हूं। मैं पिछले 4 महीनों से काम कर रहा था। शाह ने मुझे अच्छे मैच देने का वादा किया। मैंने जय शाह और बीसीसीआई को धन्यवाद दिया कि उनके पास ईडन गार्डन्स के बारे में अच्छा दृष्टिकोण है। ईडन पाकिस्तान के मैचों की मेजबानी करने जा रहा है जिसके लिए उच्च सुरक्षा की आवश्यकता है। इसपर स्नेहासिस ने कहा, हम पहले से ही टी20 में भारत और पाक मैचा की मेजबानी कर चुके हैं। लेकिन हमारे पास दो पाक मैच हैं। ये मैच कठिन हैं। विश्व कप का आयोजन चुनौतीपूर्ण है। हम किसी भी तरह की चुनौती लेने के लिए तैयार हैं। पाकिस्तान के लिए विशेष सुरक्षा व्यवस्था रहेगी। पाकिस्तान पहले भी कोलकाता में खेल चुका है और यहां खेलना उसकी प्राथमिकता रहा है।

आयरलैंड ने विश्व कप क्वालीफायर में यूएई को हराया

-स्टर्लिंग ने की युवराज के 14 शतकों के रिकार्ड की बराबरी

बुलावायो (एजेंसी)। पॉल स्टर्लिंग के आक्रामक शतक की सहायता से आयरलैंड ने विश्व कप क्वालीफायर मुकाबले में संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के खिलाफ 138 रनों से बड़ी जीत दर्ज की है। । आयरलैंड ने स्टर्लिंग के 162 रनों की सहायता से निर्धारित 50 ओवर के4 विकेट पर 349 रन बनाए। इसके बाद जीत के लिए मिले 350 रनों के विशाल लक्ष्य का पीछा करते हुए यूएई की टीम 211 रन पर ही आउट हो गयी। श्रीलंका की ओर से महीष तीक्षणा ने तीन विकेट लेकर यूएई को समेटने में अहम भूमिका निभाई। इस मैच में खेल का आकर्षण स्टर्लिंग की पारी रही। इस बल्लेबाजी ने 134 गेंद में 162 रनों की पारी खेली और इस दौरान 15 चौके और 8 छक्के लगाये। स्टर्लिंग का यह 14वां एकदिवसीय शतक हैं। इसी के साथ ही इस बल्लेबाजी ने दिग्गज भारतीय ऑलराउंडर युवराज सिंह के 14 शतकों के रिकार्ड की भी बराबरी की है। युवराज ने 300 से भी ज्यादा मैचों में ये 14 शतक लगाए थे। आयरलैंड ने स्टर्लिंग के शतक, कप्तान एंड्रयू बिलबर्नी के 88 गेंद में 66 और हैरी टैक्टर के 33 गेंद में 57 रनों की सहायता से बड़ा स्कोर बनाया। वहीं यूएई की ओर से संचित शर्मा ने सबसे अधिक 3 विकेट लिए। उन्होंने 7 ओवर में 46 रन भी दे दिए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी यूएई टीम की ओर से मुहम्मद वसीम और आर्यांस शर्मा ने पारी की शुरुआत की। अर्यांस 18 रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद यूएई के बल्लेबाजों ने नियमित अंतराल पर अपने विकेट खाये। वसीम ने सबसे सबसे अधिक 45 जबकि सचिंत ने 44 रन बनाए। यूएई टीम के 211 रन पर आऊट होने के कारण आयरलैंड ने यह मैच 138 रन से जीत लिया। इसी तरह श्रीलंका ने स्कॉटलैंड को 82 रन से हरा दिया।

भारत और कुवैत का मुकाबला हुआ ड्रॉ, दोनों टीमों के खिलाड़ी भिड़े, भारतीय कोच को मिला रेड कार्ड

सैफ चैंपियनशिप में मंगलवार को भारत और कुवैत के मुकाबले में काफी रोमांच और हंगामा देखने को मिला। बेंगलुरु में दोनों टीमों के बीच खेला गया ये मुकाबला 1-1 से ड्रॉ रहा। भारतीय टीम का टूर्नामेंट में ये तीसरा मुकाबला था जो ड्रॉ की भेंट चढ़ गया। ये पूरा मुकाबला हाई वोल्टेज ड्रामे की भेंट चढ़ा, जिसमें दोनों टीमों के खिलाड़ियों में कई बार भिड़ंत होती दिखी। मुकाबले के पहले हाफ में ही खिलाड़ियों के बीच तीखी बहस और नोक झोंक होते हुए दिखी। यहां भारत के आकाश मिश्रा और कुवैत के खिलाड़ी आपस में भिड़ गए और दोनों में बहस हुई, जो कुछ समय बाद शांत हुई। इसके बाद दूसरे हाफ में कुवैत के खिलाड़ियों ने आक्रामक रुख अपनाते हुए खेल खेला और भारतीय खिलाड़ियों को लगातार परेशान करने का सिलसिला जारी रखा। कुवैत के खिलाड़ी हमाद अलकल्लाफ ने भारत के सहल समद को धक्का दिया और उन्हें नीचे गिरा दिया। भारत के रहीम अली ने हमाद अलकल्लाफ को नीचे गिराया, जिसके बाद दोनों टीमों के खिलाड़ियों में तीखी बहस हुई। इस बहस के कारण रेफरी ने रहीम और हमाद अलकल्लाफ को रेड कार्ड दिखाया और दोनों को बाहर बैठना पड़ा। वहीं इस रेड कार्ड से भारतीय टीम को धक्का लगा है क्योंकि रहीम को सेमीफाइनल में खेलने का मौका नहीं मिलेगा।

ऋषभ फिट होते तो भारतीय टीम जीत की प्रबल दावेदार होती : श्रीकांत

मुम्बई (एजेंसी)। पूर्व चयनकर्ता क्रिस श्रीकांत ने दावा किया है कि अगर विकेटकीपर-बल्लेबाज ऋषभ पंत फिट होते और टीम के लिए खेलते तो भारत इस साल वनडे विश्व कप का असली दावेदार होता।

पंत फिलहाल पिछले साल दिसंबर में एक भीषण कार दुर्घटना में लगी चोटों से उबर रहे हैं। घटना से पहले, विकेटकीपर ने 12 मैचों में 336 रन बनाए थे, जिसमें इंग्लैंड के खिलाफ नाबाद 125 रन की मैच विजेता पारी भी शामिल थी। वनडे विश्व कप के लिए शेड्यूल 27 जून को जारी किया गया था। भारत का पहला मैच 8 अक्टूबर को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ है। इंडिया टुडे से बात करते हुए, श्रीकांत ने कहा कि अगर पंत फिट होते और खेल रहे होते, तो भारत विश्व कप जीतने का असली दावेदार होता।

पूर्व चयनकर्ता ने कहा, 'हम ऋषभ पंत के बारे में वास्तविक सच्चाई नहीं जानते हैं। क्योंकि ऋषभ पंत, अगर वह खेल रहे होते, तो मैं सीधे कह देता कि भारत विश्व कप के लिए असली दावेदार है। लेकिन मुझे लगता है कि जाहिर तौर पर, ऋषभ पंत की फिटनेस संदिग्ध है। मुझे पता है कि वह विश्व कप से पहले कितने फिट नहीं होंगे। मुझे इसमें संदेह है। कई लोगों को संदेह है कि वह 2023 विश्व कप खेलेंगे या नहीं।' पंत की अनुपस्थिति के बावजूद, श्रीकांत ने कहा है कि भारत में विश्व कप जीतने की क्षमता है और उन्होंने विराट कोहली, रोहित शर्मा, शुबमन गिल और केएल राहुल जैसे खिलाड़ियों का प्रदर्शन करने का समर्थन किया। उन्होंने कहा, 'तो मेरा मानना है कि केएल राहुल जैसे खिलाड़ी को मध्यक्रम में आना चाहिए। केएल राहुल शानदार रहे हैं। हमारे पास रोहित शर्मा हैं, जो शुबमन गिल के साथ ओपनिंग करते हैं। फिर हमारे पास विराट कोहली हैं, जो इस प्रारूप में शानदार रहे हैं और वह फॉर्म में हैं। मेरा मानना है कि भारत में विश्व कप जीतने की क्षमता है।'

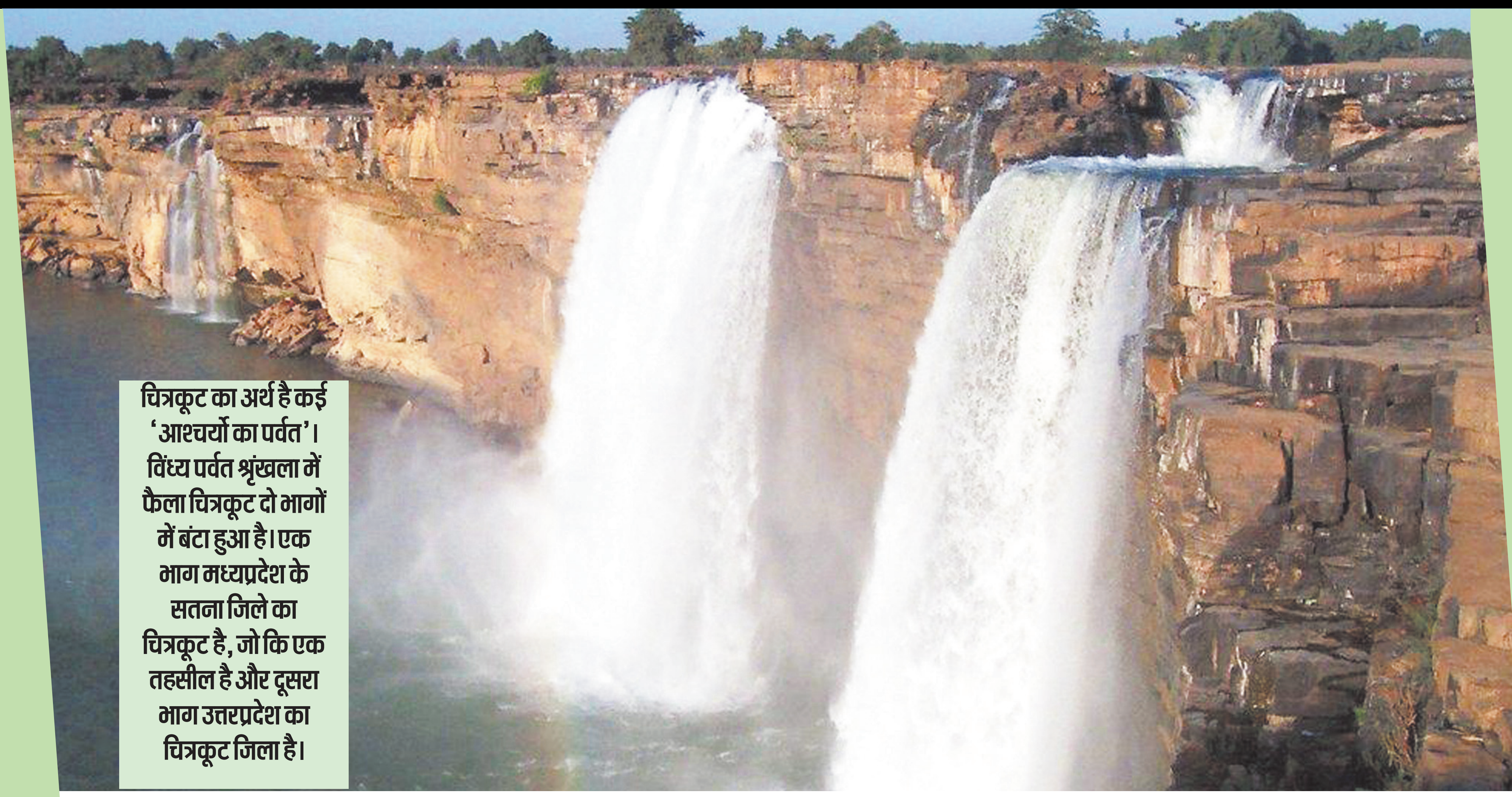

चित्रकूट का अर्थ है कई 'आश्चर्यों का पर्वत'। विंध्य पर्वत श्रृंखला में फैला चित्रकूट दो भागों में बंटा हुआ है। एक भाग मध्यप्रदेश के सतना जिले का चित्रकूट है, जो कि एक तहसील है और दूसरा भाग उत्तरप्रदेश का चित्रकूट जिला है।

एक भाग मध्यप्रदेश के सतना जिले का चित्रकूट है जो कि एक तहसील है और दूसरा भाग उत्तरप्रदेश का चित्रकूट जिला है। महर्षि वाल्मीकि रचित रामायण के अनुसार भगवान श्रीराम ने अपनी पत्नी सीता और भाई लक्ष्मण के साथ अपने चौदह वर्ष के वनवास में से साढ़े ग्यारह वर्ष का समय यहां पर व्यतीत किया था।

श्रीरामजी की भूमि चित्रकूट

भारत में कई ऐसे स्थान हैं, जो कि ऐतिहासिक होने के साथ ही साथ धार्मिक रूप से भी महत्वपूर्ण हैं। ऐसे ही स्थानों में से एक चित्रकूट है, भगवान श्रीराम का वनवास स्थल। चित्रकूट का अर्थ है 'कई आष्चर्यों का पर्वत'। विंध्य पर्वत श्रृंखला में फैला चित्रकूट दो भागों में बंटा हुआ है। एक भाग मध्यप्रदेश के सतना जिले का चित्रकूट है जो कि एक तहसील है और दूसरा भाग उत्तरप्रदेश का चित्रकूट जिला है। महर्षि वाल्मीकि रचित रामायण के अनुसार भगवान श्रीराम ने अपनी पत्नी सीता और भाई लक्ष्मण के साथ अपने चौदह वर्ष के वनवास में से साढ़े ग्यारह वर्ष का समय यहां पर व्यतीत किया था। इसी कारण से चित्रकूट पर्यटन स्थल होने के साथ ही साथ एक आध्यामिक महत्व भी रखता है, एक ऐसा स्थान जहां के कण-कण में श्रीराम बसते हैं। इसके साथ ही चित्रकूट कई महान ऋषियों की कर्मभूमि भी रही है, जैसे, अत्रि, सती अनुसूया, दत्तात्रेय, मार्कण्डेय, सरभंग, सुतीक्ष्ण। इसके साथ ही चित्रकूट रामचरितमानस के रचियता संत तुलसीदास की जन्मभूमि भी रही है, जिनका जन्म चित्रकूट के राजापुर नामक गांव में हुआ था। संत तुलसीदास द्वारा लिखित रामचरितमानस आज भी उनके वंशजों के पास यहां सुरक्षित रखी है।

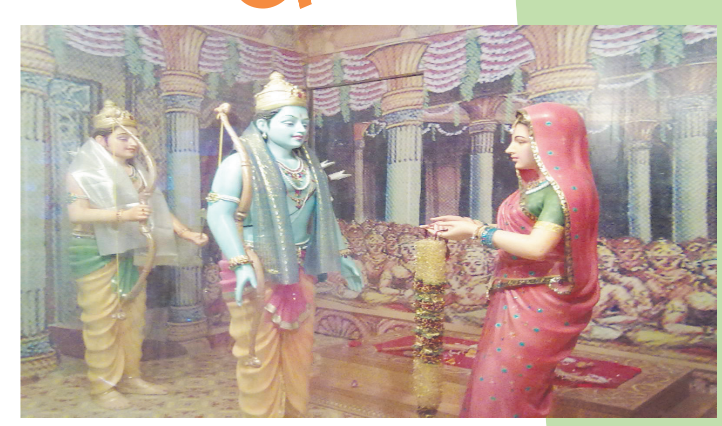

क्या देखें

वैसे तो पूरा चित्रकूट ही घूमने लायक हैं, लेकिन अगर आप चित्रकूट जा रहे हैं, तो किस भी हालत में इन स्थानों पर जाना न भूलें।

रामघाट

अगर आप चित्रकूट जा रहे हैं, तो रामघाट में स्नान करना न भूलें, जिसके लिये यह माना जाता है कि अपने वनवास के दौरान चित्रकूट आने पर इसी स्थान पर श्रीराम, सीता और लक्ष्मण ने मंदाकिनी नदी में स्नान किया था। साथ ही ऐसा भी माना जाता है कि चित्रकूट के इसी घाट पर बैठकर संत तुलसीदास ने भगवान राम से चंदन लगवाया था, और फिर हनुमान ने उनका परिचय देते हुए कहा था कि :

चित्रकूट के घाट में भई संतन की भीर।
तुलसीदास चंदन घिसै तिलक देत रघुवीर।।

रामघाट के पास कुछ अन्य महत्वपूर्ण स्थान भी हैं, जैसे कि, राघव प्रयाग घाट, मतगजेंद्रेष्वर स्वामी, पाम कुटी और यज्ञ वेदी।

कामदगिरि

कामदगिरि चित्रकूट का मुख्य दर्शनीय स्थल है। कामदगिरि एक संस्कृत शब्द है, जिसका अर्थ है 'सभी इच्छाओं से परिपूर्ण पर्वत'। ऐसा माना जाता है कि वनवास के दौरान राम, सीता और लक्ष्मण इसी पर्वत पर रहते थें। कामदगिरि और चित्रकूट के भगवान कामतानाथ का मंदिर भी यहीं स्थित है, जहां से कामदगिरि की 5 किलोमीटर लंबी परिक्रमा आरंभ होती है। परिक्रमा के इस पथ का निर्माण सन् 1725 में बुंदेल के महाराज छत्रसाल की पत्नी रानी प्रताप कुंवारी द्वारा करवाया गया था। परिक्रमा पथ के दौरान कई अन्य मंदिर भी स्थित हैं, जैसे, भारत मिलाप जहां पर भरत की मुलाकात राम, सीता और लक्ष्मण से हुई थी।

मठगजेंद्रेश्वर स्वामी : यह मंदिर रामघाट पर स्थित है। पुराणों के अनुसार इस स्थान पर सतयुग में भगवान ब्रह्मा ने तपस्या की थी और फिर शिवलिंग की स्थापना की थी। यहां पर मंदिर की स्थापना पन्ना के महाराज अमन सिंह के द्वारा की गई थी।

जानकी कुंड

जानकी का अर्थ है राजा जनक की पुत्री अर्थात् सीता। ऐसा माना जाता है कि वनवास के दौरान सीता जी इस कुंड का प्रयोग स्नानागार के रूप में करती थी। जानकी कुंड के आसपास कई चैरिटेबल संस्थाएं स्थित है, जैसे कि जानकी कुंड नेत्र चिकित्सालय, ब्लाइंड स्कूल आदि।

अत्रि-अनुसूया आश्रम

यह आश्रम रामघाट से 15 कि.मी. की दूरी पर स्थित है। ऐसा माना जाता है कि सती अनुसूया ऋषि अत्रि के साथ यहीं रहती थी और इसी आश्रम में उन्होंने त्रिदेवों को बालकों के रूप में परिवर्तित कर दिया था। इसी आश्रम के पास परमहंस आश्रम भी स्थित है।

हनुमान धारा

हनुमान धारा रामघाट से पूर्व की ओर 4 किमी की दूरी पर विंध्य के आरंभ पर स्थित एक अत्यंत रमणीय स्थल है। ऐसा माना जाता है कि लंका दहन करने के कारण अयोध्या लौटने तक हनुमान जी के शरीर में जलन हो रही थी। भगवान राम को अपनी यह समस्या बताने पर उन्होंने उन्हें चित्रकूट के इस पर्वत पर जाने के लिये कहा और यह भी कहा कि यहां पर उनपर ठंडे जल की एक धारा प्रवाहित होगी, जिस कारण से उनकी जलन समाप्त हो जाएगी। आज भी हनुमान जी की मूर्ति पर यह धारा प्रवाहित होती है और उसके बाद कहां अदृष्य हो जाती है, यह पूर्णत : रहस्य है।

गुप्त गोदावरी : चित्रकूट के दक्षिण-पष्चिम में करीब 18 कि.मी. की दूरी पर एक पहाड़ पर स्थित यह स्थान अत्यंत रमणीय ओर रहस्यमय है। गुप्त गोदावरी का आष्चर्य यहां पर स्थित दो गुफाएं हैं।

रामशय्या

सीतापुर से चलने पर भरत कूप से पहले एक और दिव्य स्थल है, जिसे रामशय्या कहते हैं। इस स्थान को परिक्रमा मार्ग से भी देखा जा सकता है। यह एक चट्टान है, जिसके लिये यह माना जाता है कि वनवास के दौरान राम और सीता इस चट्टान पर आराम करते थे।

एक बड़ी सी शिला पर दो चिन्ह भी बने हुए हैं, जिनका निर्माण राम और सीता के लेटने के कारण हुआ था। इनके अतिरिक्त भी चित्रकूट और इसके आसपास के क्षेत्र में कई दर्शनीय स्थल हैं, जैसे कि, राघव-प्रयाग घाट, यज्ञ वेदी, स्फटिक शिला, मयूरध्वज आश्रम, लक्ष्मण चौकी, वाल्मीकि आश्रम, भरत कूप, लक्ष्मण पहाड़ी, सुतीक्ष्ण आश्रम, गणेश बाग, कालिंजर दुर्ग आदि।

कैसे पहुंचे

सड़क द्वारा : मध्यप्रदेश से चित्रकूटके लिये रीवा, सतना, पन्ना, मैहर, सागर, छतरपुर आदि स्थानों से और उत्तरप्रदेष से मिर्शापुर, इलाहाबाद, बांदा, कानपुर, लखनऊ, महोबा, अतरा, नरैनी, झांसी से निरंतर बस सेवाएं उपलब्ध रहती है।

रेल द्वारा : निकटतम रेलवे स्टेषन चित्रकूट धाम कर्वी है, शो कि मानिकपुर-झांसी रेलवे लाइन में स्थित है।

वायुयान द्वारा : चित्रकूट के लिये निकटतम एयरपोर्ट खजुराहो है, जो कि चित्रकूट से 175 कि.मी. की दूरी पर स्थित है।

आइस स्कीइंग के लिए मशहूर

खूबसूरत औली

बद्रीनाथ धाम के निकट नंदा देवी राष्ट्रीय उद्यान के पास स्थित है गढ़वाल का मशहूर औली क्षेत्र। यहां पर घने जंगलों के साथ ही खूबसूरत पहाड़ तथा मखमली घासों से ढंके हुए मैदान फैले हुए हैं। देश का सबसे नया आइसस्कीइंग केंद्र भी यहीं पर मौजूद है। यहां पर आप बर्फ पर फिसलने का भरपूर आनंद उठा सकते हैं। बर्फ की चादरों से ढंकी यहां की खूबसूरत ढलानें एशिया की खूबसूरत ढलानों में भी गिनी जाती हैं। यहां से आप नंदा देवी, हाथी गौरी पर्वत, ऐरावत पर्वत तथा नीलकंट पर्वत का नजारा भी बखूबी देख सकते हैं।

सबसे पहले भारत-तिब्बत सीमा पुलिस ने इसे आइसस्कीइंग खेल मैदान के रूप में तलाशा था फिर गढ़वाल मंडल विकास निगम ने स्कीइंग को बढ़ावा देने की मंशा से यहां स्कीइंग केंद्र की स्थापना की। यहां पर रोपवे भी है जोकि औली के आकर्षण में अनूठा साबित हुआ है। रोपवे की रोमांचक यात्रा सैलानियों को आनंदविभोर कर देती है। जब पर्यटक इसमें बैठकर जंगल, खेत और गांवों के ऊपर से गुजरते हैं, तो उनका मन झूम उठता है। दर्शनीय स्थलों की बात करें तो आप सबसे पहले गुरसौं बुग्याल देखने जा सकते हैं। ओक और कोनिफर के जंगलों से घिरा हुआ और खूबसूरती से भरापूरा यह मैदान सैंकड़ों मीलों तक फैला हुआ है। औली से तीन किलोमीटर की दूरी पर स्थित गुरसौं बुग्याल में गर्मियों के मौसम में असंख्य फूल भी खिलते हैं।

आप क्वांरी बुग्याल भी घूमने जा सकते हैं। यह एक मनोरम स्थल है। यहां पर दूर-दूर तक फैली हुई खूबसूरत ढलानें देखते ही बनती हैं। इन ढलानों पर ट्रैकिंग का आनंद भी लिया जा सकता है। जोशीमठ भी औली के सर्वश्रेष्ठ दर्शनीय स्थलों में शुमार है। औली से लगभग 12 किलोमीटर दूर स्थित जोशीमठ में आप मठों, स्मारकों के दर्शन कर सकते हैं। यहां पर ऐतिहासिक, सांस्कृतिक तथा पौराणिक महत्व के कई सारे मठ व मंदिर मौजूद हैं साथ ही आप यहां पर्वतारोहण भी कर सकते हैं। इस स्थान की सबसे खास बात यह है कि इसे बदरीनाथ और फूलों की घाटी का प्रवेशद्वार भी माना जाता है।

सेलधार तपोवन को देखने का अपना अलग ही मजा है। क्योंकि यहां पर गरम पानी के अनेक सोते हैं, जिन्हें देखते ही बनता है। यहां पर आप अधिक उबलते गरम पानी के फव्वारे और सोते को देख कर दंग रह जाएंगे। इसी प्रकार चिनाब झील भी देखी जा सकती है। यह झील प्राकृतिक सौंदर्य से भरपूर जगह जोशीमठ के पास स्थित है। लेकिन कठिन चढ़ाई होने के कारण अभी इस स्थल का पर्याप्त विकास नहीं हो सका है।

वंशीनारायण कल्पेश्वर भी देखने योग्य जगह है, खासकर गर्मियों में। क्योंकि गर्मियों में यह पूरी घाटी फूलों से ढंकी हुई नजर आती है। इस मनोरम दृश्य को देखकर सभी पर्यटक आकर्षित हुए बिना नहीं रहते। यदि आप औली की यात्रा करने का मन बना चुके हैं तो आपको बता दें कि यहां तक आपको सीधी रेल सेवा नहीं मिल पाएगी। यहां से निकटतम रेलवे स्टेशन ऋषिकेश है। आप ऋषिकेश स्टेशन से औली के लिए बस ले सकते हैं। ऋषिकेश से औली लगभग 253 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है।

चाहें तो ऋषिकेश से जोशीमठ तक के लिए बसों तथा टैक्सियों व जीपों का भी प्रयोग कर सकते हैं और जोशीमठ से औली तक की यात्रा रोपवे से भी तय कर सकते हैं। जहां तक बात यहां पर ठहरने की है, तो आपको बता दें कि औली में आपको गढ़वाल मंडल विकास निगम द्वारा बनवाए गए हट्स और फाइबर हट्स में रहने की सुविधा आराम से मिल सकती है।

पाकिस्तान की मुद्रा में रिकॉर्ड गिरावट दर्ज

इस्लामाबाद ।पाकिस्तानी रुपये (पीकेआर) में पिछले वित्तीय वर्ष में डॉलर के मुकाबले रिकॉर्ड 28 प्रतिशत या लगभग 82 पीकेआर की गिरावट आई है, ब्रोकरेज हाउस ने अपनी रिपोर्ट में कहा कि यह अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष की बेलआउट योजना का परिणाम है। रिपोर्ट्स के मुताबिक इंटरबैंक बाजार में पीकेआर मंगलवार को डॉलर के मुकाबले 286 पर फिसल गया, जबकि 30 जून 2022 को यह 204.8 पर था। हालांकि पीकेआर में दैनिक आधार पर डॉलर के मुकाबले 0.25 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई। सोमवार को डॉलर के मुकाबले समापन मूल्य 286.71 पर देखा गया।वित्तीय वर्ष 2023 पाकिस्तान के लिए एक चुनौतीपूर्ण वर्ष रहा।शोध प्रमुख फहद रऊफ ने कहा कि पीकेआर मुख्य रूप से आईएमएफ के दबाव में आया।रऊफ ने कहा कि वित्त वर्ष 2024 फिर से चुनौतीपूर्ण होने जा रहा है क्योंकि यह चुनावी वर्ष है। कराची स्थित ब्रोकरेज फर्म के हवाले से कहा गया कि अगर पाकिस्तान मौजूदा समीक्षा को पूरा करने में कामयाब हो जाता है, तब रुपये पर दबाव कुछ हद तक कम होगा। हालांकि यह तभी संभव हैं, जब पाकिस्तान किसी अन्य आईएमएफ कार्यक्रम में शामिल होगा। रिपोर्ट में कहा गया है कि रुपये में गिरावट ऋण अदायगी में आई चुनौतियों के कारण हुआ है।1.1 बिलियन डॉलर की किश्त जारी करने के लिए पाकिस्तान आईएमएफ के साथ समझौते की प्रतीक्षा कर रहा है। छह महीने से अधिक समय से रुका देश का ऋण कार्यक्रम 30 जून को समाप्त हो रहा है।

ग्वांतानामो बे में कैदियों के साथ बेहद क्रूर, अमानवीय और अपमानजनक व्यवहार हो रहा

जिनेवा। ग्वांतानामो बे में अमेरिकी हिरासत केंद्र का दौरा करने वाली संयुक्त राष्ट्र की पहली स्वतंत्र जांचकर्ता ने कहा कि वहां बंद 30 पुरुष कैदियों के साथ अंतरराष्ट्रीय कानून के तहत बेहद क्रूर, अमानवीय और अपमानजनक व्यवहार हो रहा है। आयरलैंड में कानून की प्रोफेसर फियोनुआला नी आओलेन ने संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद के लिए अपनी 23 पन्नों की रिपोर्ट पेश करते हुए कहा कि 2001 में न्यूयॉर्क, वाशिंगटन और पेन्सिल्वेनिया में हुए आतंकवादी हमले, जिनमें लगभग 3,000 लोग मारे गए थे, मानवता के खिलाफ अपराध थे। हालांकि, उन्होंने कहा कि हमलों के बाद के वर्षों में कथित साजिशकर्ताओं और उनके सहयोगियों को अमेरिका द्वारा दी जा रही यातना और उनके साथ किया जा रहा दुर्व्यवहार अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार कानून का उल्लंघन है। नी आओलेन ने कहा कि अमेरिकी प्रशासन ने उनके रूप में संयुक्त राष्ट्र के किसी जांचकर्ता को पहली बार ग्वांतानामो बे हिरासत केंद्र का दौरा करने की इजाजत दी है, जिस 2002 में खोला गया था। उन्होंने ग्वांतानामो बे तक पहुंचने की अनुमति देकर उदाहरण पेश करने और सबसे कठिन मानवाधिकार मुद्दों पर ध्यान देने के लिए तैयार रहने के वास्ते राष्ट्रपति जो बाइडन के प्रशासन की तारीफ की। नी नाओलेन ने कुछ अन्य देशों से भी बाइडन प्रशासन के नक्शेकदम पर चलने का आग्रह किया, जिन्होंने संयुक्त राष्ट्र को हिरासत केंद्रों तक पहुंच प्रदान करने से इनकार किया है। संरा जांचकर्ता ने बताया कि उन्होंने जिन-जिन चीजों की अनुमति मांगी थी, उन्हें सब प्रदान की गई। इसमें क्यूबा स्थित हिरासत केंद्र में 'उच्च वरीयता' और 'गैर-उच्च वरीयता' वाले बंदियों के साथ बैठक की अनुमति भी शामिल है। नी आओलेन ने अपनी रिपोर्ट में कहा कि कैदियों के लिए हिरासत केंद्र की परिस्थितियों में महत्वपूर्ण सुधार किए गए हैं, लेकिन उन्होंने वहां लगातार बेहद क्रूर, अमानवीय और अपमानजनक व्यवहार का सामना कर रहे 30 पुरुष बंदियों को लेकर गहरी चिंता व्यक्ति की। मैंने महसूस किया कि दो दशक से अधिक समय की हिरासत के बावजूद कैदियों का उत्पीड़न जारी है। मैं जिन भी कैदियों से मिली, उनमें से हर एक को सजा, यातना और मनमाने ढंग से हिरासत में रखने की प्रक्रिया के कारण लगातार हानि का सामना करते हुए जीवन जीना पड़ा। संरा जांचकर्ता ने कई सिफारिशें भी कीं और कहा कि ग्वांतानामो बे हिरासत केंद्र को बंद किया जाना चाहिए।इस पर अमेरिका ने एक बयान जारी कर कहा, कैदी सद्भाव के साथ रहते हैं और मिलकर भोजन पकाते हैं, उन्हें विशेष चिकित्सा और मानसिक देखभाल उपलब्ध कराई गई है, उन्हें कानूनी सलाह तक पूरी पहुंच दी गई है, वे अपने परिवार के सदस्यों के साथ नियमित रूप से संवाद कर सकते हैं।

अमेरिका ने बदला प्रस्ताव, भारत को नाटो प्लस का दर्जा नहीं

न्यूयार्क ।अमेरिका सरकार ने भारत को नाटो प्लस दर्जा देने की कार्रवाई को रोक दिया है। अमेरिकी संसद की सिलेक्ट कमेटी ने कुछ दिन पहले ही भारत को नाटो प्लस का दर्जा देने की अनुशंसा की थी। भारत ने इस प्रस्ताव पर ठंडा रुख दिखाया, जिसके कारण सोमवार को अमेरिका के निचले सदन की प्रतिनिधि सभा में संशोधित प्रस्ताव रखा है।इसमें भारत को नाटो प्लस का दर्जा देने का कोई उल्लेख नहीं किया गया है। पिछले हफ्ते जो पूरक प्रस्ताव प्रस्तुत किया गया था।उसमें से भी नाटो प्लस शब्द को हटा दिया गया है। नाटो प्लस में अभी 5 देश शामिल हैं। इनमें ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड, इजरायल, जापान और दक्षिण कोरिया हैं।नाटो देशों की सदस्य संख्या 31 है।अमेरिका के साथ सभी के सामरिक समझौते हैं।

साल 2023 में 18 लाख से अधिक हज यात्रियों ने हज किया

रियाद ।सऊदी अरब सरकार ने बताया कि इस साल 150 से अधिक देशों के 18 लाख से अधिक हज यात्रियों (जायरीनों) ने हज किया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक जनरल अथॉरिटी फॉर स्टैटिस्टिक्स ने कहा कि अरब देशों से हज यात्रियों की संख्या 346,000 से अधिक या कुल का 21 प्रतिशत तक पहुंच गई।एशियाई देशों से 10 लाख से अधिक लोग हज करने के लिए सऊदी अरब पहुंचे, जो कुल हज यात्रियों का 63.5 प्रतिशत हैं। लगभग 223,000 अन्य यात्री यानी 13.4 प्रतिशत अरब देशों से इतर अफ्रीकी देशों से आए। रिपोर्ट के अनुसार, 36,500 से अधिक हज यात्रियों ने यूरोप, अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया और अन्य असूचीबद्ध देशों से सऊदी अरब की यात्रा की, जो कुल हज यात्रियों का 2.1 प्रतिशत हैं।

रुस ने यूक्रेन पर किए ताबड़तोड़ हमले, चार की मौत

कीव ।रूस में तख्तापलट शांत होते ही यूक्रेन में हमला बढ़ गया है। रूस ने ताबड़तोड़ यूक्रेन के दो शहरों मिसाइल हमले किए।एक रूसी मिसाइल ने पूर्वी यूक्रेन में क्रामाटो?स्र्क के मध्य में एक हलचल वाले स्थान पर हमला किया। हमले में एक बच्चे सहित कम से कम चार लोगों की मौत हो गई और कई अन्य घायल हो गए। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार डोनेट्स्क क्षेत्र के सैन्य प्रशासन के प्रमुख पावलो किरिलेंको ने बताया कि रूस का यूक्रेन पर यह हमला करीब 7-30 बजे हुआ। उन्होंने कहा कि 'हम अब शहर में घायलों और संभवत: मृतकों की संख्या पता लगाने के लिए काम कर रहे हैं।हमला जिस जगह पर हुआ वह शहर का केंद्र है और यहां नागरिकों के लिए भोजन की व्यवस्था की जाती है। दूसरा मिसाइल हमला शहर के बाहरी इलाके में एक गांव पर हुआ। यूक्रेन के आंतरिक मामलों के मंत्री इहोर क्लिमेंको ने कहा कि 'रूस ने जानबूझकर भीड़-भाड़ वाले इलाकों को निशाना बनाया। हमले के तुरंत बाद, आपातकालीन सेवाएं घायलों की मदद के लिए घटनास्थल पर पहुंच गईं। बता दें कि 24 फरवरी, 2022 को शुरू हुए रूस-यूक्रेन युद्ध ने कई लोगों की जान ले ली है और दोनों देशों के बीच अब भी युद्ध जारी है।

लॉस एंजेलिस में पड़ रही झुलसा देने वाली गर्मी, गर्मी ने सर्वकालिक रिकॉर्ड स्थापित कर दिया

लॉस एंजेलिस। दक्षिणी अमेरिका के अधिकांश हिस्से को झुलसाने वाली भीषण गर्मी इस सप्ताह भी देश के अन्य क्षेत्रों में फैलती जा रही है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक पिछले सप्ताह गर्मी की लहर ने टेक्सास, ओक्लाहोमा, न्यू मैक्सिको सहित देश के अन्य दक्षिणी हिस्सों को झुलसा दिया है।इस गर्मी ने सर्वकालिक रिकॉर्ड स्थापित कर दिया। यूएस नेशनल वेदर सर्विस (एनडब्ल्यूएस) के अनुसार, पश्चिम टेक्सास के सैन एंजेलो में जून में दो बार 114 डिग्री फ़ारेनहाइट तापमान दर्ज किया गया, जो वहां अब तक दर्ज किया गया सबसे अधिक तापमान है।डेल रियो का सीमावर्ती शहर पहली बार 115 डिग्री फ़ारेनहाइट तक पहुंच गया।

बांग्लादेश में ईद-उल-अजहा के अवसर पर अपने घरों को जाने के लिए सदरघाट टर्मिनल पर उमड़ पड़े।

बेलारूस के राष्ट्रपति ने वैगनर चीफ को दी चेतावनी, खटमल की तरह मसल देंगे

लंदन ।बेलारूस के राष्ट्रपति अलेक्जेंडर लुकाशेंको ने वैगनर प्रमुख को कड़ी चेतावनी दी है। राष्ट्रपति अलेक्जेंडर लुकाशेंको का कहना है कि उन्होंने वैगनर प्रमुख येवगेनी प्रिगोझिन को चेतावनी दी है कि अगर उनकी सेना रूसी राजधानी की ओर अपना मार्च जारी रखती है तो उन्हें खटमल की तरह मसलकर नष्ट कर दिया जाएगा।एक मीडिया रिपोर्ट में यह जानकारी दी है कि लुकाशेंको ने येवगेनी प्रिगोझिन से कहा कि आधे रास्ते में आपको खटमल की तरह कुचल दिया जाएगा।लुकाशेंको ने कहा कि प्रिगोझिन ने उनसे कहा कि हम न्याय चाहते हैं! वे हमारा गला घोंटना चाहते हैं।हम मास्को जाएंगे। बेलारूसी राष्ट्रपति ने कहा कि लंबे समय से, मैं उसे (प्राइगोझिन) समझाने की कोशिश कर रहा था।और अंत में, मैंने कहा, आप जानते हैं, आप जो चाहें कर सकते हैं।लेकिन मुझसे नाराज़ मत होना।हमारी ब्रिगेड मास्को में स्थानांतरित होने के लिए तैयार है। इस मामले में लुकाशेंको ने कहा कि उन्होंने प्रिगोझिन को बताया कि यह स्थिति केवल रूस की चिंता नहीं करती है। यह सिर्फ इसलिए नहीं है क्योंकि यह हमारी पितृभूमि है और क्योंकि, भगवान न करे, यह उथल-पुथल पूरे रूस में फैल जाएगी, और इसके लिए आवश्यक शर्तें बहुत बड़ी थीं, हम अगले थे। बेलारूसी राष्ट्रपति लुकाशेंको के अनुसार, वैगनर नेता प्रिगोझिन मंगलवार को बेलारूस पहुंचे।बेलारूस के सरकारी टीवी के अनुसार, लुकाशेंको ने कहा कि मैं देख रहा हूं कि प्रिगोझिन पहले से ही इस विमान पर उड़ान भर रहे हैं।हां, वास्तव में वह आज बेलारूस में हैं।हालाकि एक रिपोर्ट के अनुसार, इससे पहले, रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने सुरक्षाकर्मियों से कहा था कि वैगनर बलों के असफल विद्रोह के जवाब में उन्होंने लगभग एक गृह युद्ध रोक दिया है।

भारत के खिलाफ नहीं होने देंगे श्रीलंका की जमीन का इस्तेमाल, राष्ट्रपति विक्रमसिंघे की ड्रैगन को दो टूक

कोलंबो (एजेंसी)। राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे ने कहा है कि श्रीलंका को भारत के खिलाफ किसी भी खतरे के लिए आधार के रूप में इस्तेमाल करने की अनुमति नहीं दी जाएगी। उन्होंने कहा कि द्वीप राष्ट्र तटस्थ रहेगा और चीन के साथ उसका कोई सैन्य समझौता नहीं होगा। ब्रिटेन और फ्रांस की आधिकारिक यात्रा पर गए विक्रमसिंघे ने सोमवार को फ्रांस की सरकारी मीडिया के साथ एक साक्षात्कार के दौरान यह टिप्पणी की है।

चीन का कोई सैन्य आधार श्रीलंका में नहीं

फ्रांस24 के साथ एक साक्षात्कार में विक्रमसिंघे ने कहा कि हम एक तटस्थ देश हैं, लेकिन हम इस तथ्य पर भी जोर देते हैं कि हम श्रीलंका को भारत के खिलाफ किसी भी खतरे के लिए आधार के रूप में इस्तेमाल करने की अनुमति नहीं दे सकते। श्रीलंका में चीन की कथित सैन्य उपस्थिति के बारे में एक सवाल का जवाब देते हुए, राष्ट्रपति ने कहा कि चीनी देश में लगभग 1500 वर्षों से हैं और अब तक कोई सैन्य अड्डा नहीं है।

हंबनटोटा बंदरगाह के चीनी पट्टे का भी किया जिक्र

विक्रमसिंघे ने इस बात पर जोर दिया कि द्वीप राष्ट्र का चीन के साथ कोई सैन्य समझौता नहीं है और कहा कि कोई सैन्य समझौता नहीं होगा। मुझे नहीं लगता कि चीन इसमें शामिल होगा। राष्ट्रपति ने कहा कि हंबनटोटा के दक्षिणी बंदरगाह के चीनियों द्वारा सैन्य उपयोग का कोई मुद्दा नहीं है, जिसे बीजिंग ने 2017 में ऋण अदला-बदली के रूप में 99 साल के पट्टे पर ले लिया था।

हिंद महासागर में चीन की मौजूदगी

पिछले साल श्रीलंका ने चीनी बैलेस्टिक मिसाइल एवं उपग्रह टोही जहाज युवआ वांग पांच को हंबनटोटा बंदरगाह पर ठहरने की अनुमति दी थी जिससे रणनीतिक हिंद महासागर क्षेत्र में चीन की बढ़ती मौजूदगी को लेकर भारत एवं अमेरिका में चिंता पैदा हो गई थी। भारत को इस बात की आशंका थी कि श्रीलंका बंदरगाह पर जाने के दौरान इस जहाज का टोही तंत्र भारतीय प्रतिष्ठानों की जासूसी करने का प्रयास कर सकता है।

पाकिस्तान को पैसों की जरुरत, आईएमएफ की चीफ को शहबाज ने किए 6 दिन में चार कॉल

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पड़ोसी देश पाकिस्तान की माली हालत दिनों दिन खराब होती जा रही है। यही वजह है कि आईएमएफ की चीफ को पाकिस्तान के पीएम शहबाज शरीफ ने पिछले छह दिन में चार बार फोन पर संपर्क किया है। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने मंगलवार को उम्मीद जताई कि विभिन्न बिंदुओं पर 'पाकिस्तान और अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के बीच सहमति' से एक या दो दिन में बेलआउट पैकेज फिर से शुरू हो जाएगा। शहबाज शरीफ का बयान आईएमएफ की प्रबंध निदेशक (एमडी) क्रिस्टालिना जॉर्जीवा को किए गए उनके फोन कॉल के बाद आया है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक छह दिनों में ऋणदाता की बॉस के साथ उनका यह चौथा संपर्क था। यहां गौरतलब है कि पाकिस्तान ने रुके हुए कार्यक्रम को पुनर्जीवित करने के लिए ऋणदाता की कई शर्तों को पूरा किया है। इसके साथ ही 30 जून को कार्यक्रम की समाप्ति तक एक सप्ताह से भी कम समय बचा हुआ है। पाकिस्तान ने 11 सूचीबद्ध कार्यक्रम समीक्षाओं में से आठ को मंजूरी दे दी है, जबकि नौवीं समीक्षा पिछले साल नवंबर से लंबित है। नौवीं समीक्षा में 1.1 बिलियन डॉलर की किश्त जारी की जाएगी, जिससे अनलॉक फंड में लगभग 1.4 बिलियन डॉलर मेज पर रह जाएंगे। यह स्पष्ट नहीं है कि आईएमएफ समझौते से पूरी राशि जारी होगी या नहीं।

गौरतलब है कि बाहरी वित्तपोषण आवश्यकताओं और कार्यक्रम के लक्ष्यों को पूरा करने वाले बजट सहित नीतिगत कार्रवाइयों पर फंड और इस्लामाबाद के बीच मतभेदों के कारण नौवीं समीक्षा रुकी हुई थी। इस पर पाकिस्तान के वित्त मंत्री इशाक डार ने कहा है कि सरकार अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष से सभी 2.6 अरब डॉलर की रुकी हुई धनराशि प्राप्त करने के लिए एक तंत्र की तलाश कर रही है। उन्होंने कहा कि देश जल्द ही रुके हुए बेलआउट पैकेज के संबंध में गुड न्यूज सुनेगा, अगले एक या दो दिन महत्वपूर्ण हैं क्योंकि हम 9वीं समीक्षा को पूरा करने की पूरी कोशिश कर रहे हैं।

जॉनसन एंड जॉनसन के खिलाफ केस दर्ज, बेबी पाउडर लगाने से हुआ कैंसर

वाशिंगटन ।जॉनसन एंड जॉनसन के खिलाफ अमेरिका के कैलिफोर्मिया में एक और केस दर्ज हुआ है।आरोप लगाने वाले ने कहा कि बचपन में जॉनसन एंड जॉनसन बेबी पाउडर लगाने से कैंसर हुआ। वहीं कंपनी ने आरोपों को खारिज कर अपना बचाव किया है। केस करने वाले शख्स ने जूरी सदस्यों को बताया कि कैंसर की वजह से उसके जीवन में निराशा आ गई और इसके लिए वहां बचपन से उपयोग किये गए कंपनी के बेबी पाउडर को दोषी मानता है।अलमेडा काउंडी सुपीरियर कोर्ट में गवाही देकर शख्स ने रोते हुए जूरी के सदस्यों से कहा कि मैं अपने जीवन से निराश हो गया। मैं बस एक डरा हुआ छोटा बच्चा बन गया। अगर कंपनी ने पाउडर पर चेतावनी दी होती कि उसमें एस्बेस्टस है, तब कभी इसका इस्तेमाल ही नहीं करता।वहीं तमाम आरोपों पर कंपनी ने अपने बचाव में कहा कि हनर्डिज नामक शख्स की बीमारी फेफड़ों को प्रभावित करने की बजाय ह्रदय के आसपास के उतकों को प्रभावित करती है।ये काफी दुर्लभ है।खबरों के अनुसार हर्नांडेज का मुकदमा इस सप्ताह के अंत में समाप्त होने की उम्मीद है क्योंकि जॉनसन एंड जॉनसन कंपनी एक समझौते के माध्यम से इसी तरह के हजारों मुकदमों को हल करना चाहती है।

ट्रंप ने चीन से खतरों पर बहुत कम काम किया : निक्की हेली

कोलंबिया। (एजेंसी)। संयुक्त राष्ट्र में अमेरिका की पूर्व राजदूत निक्की हेली ने अपने कार्यकाल के दौरान चीन के साथ बहुत अधिक मित्रवत रहने को लेकर पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की मंगलवार को आलोचना की, और चेतावनी दी कि यूक्रेन का कम समर्थन करने से चीन को ताइवान पर 'हमला करने' के लिए प्रोत्साहन मिलेगा। ट्रंप के खिलाफ रिपब्लिकन पार्टी से राष्ट्रपति पद की उम्मीदवारी की दौड़ में शामिल हेली ने अमेरिकन इंटरप्राइज इंस्टीट्यूट में अपने संबोधन में कहा कि ट्रंप का ध्यान 'काफी हद तक अमेरिका-चीन व्यापार संबंध पर लगा रहा' और अंततः उन्होंने 'चीनी खतरे पर बहुत कम काम किया।''

हेली ने स्पष्ट रूप से कहा कि ट्रंप 'चीनी खतरे के विरूद्ध अमेरिका के सहयोगियों को एकजुट नहीं कर पाये और चीन में कम्युनिस्ट पार्टी के शासन की 70वीं वर्षगांठ पर उन्होंने (चीन के) राष्ट्रपति शी चिनपिंग को बधाई दी। हेली ने कहा, '' इससे दुनियाभर में गलत संदेश गया। चीनी साम्यवाद की निंदा की जानी चाहिए, उसे कभी बधाई नहीं दी जानी चाहिए।

वुहान के रिसर्चर ने ही खोल दी चीन की पोल, जैविक हथियार था कोरोना, 4 तरह के वायरस से दुनिया को तबाह करने का था प्लान?

बीजिंग (एजेंसी)। वुहान इंस्टीट्यूट ऑफ वायरोलॉजी के एक शोधकर्ता ने कोरोना वायरस के बारे में एक चौंकाने वाला दावा किया है। उन्होंने कहा कि इस वायरस को चीन ने एक जैव हथियार के रूप में तैयार किया था और उनके सहयोगियों को यह पता लगाने के लिए वायरस के चार प्रकार दिए गए थे कि कौन सा सबसे अच्छा फैल सकता है। वुहान के एक शोधकर्ता चाओ शाओ ने इंटरनेशनल प्रेस एसोसिएशन के सदस्य जेनिफर ज़ेंग के साथ एक विशेष साक्षात्कार में ये चौंकाने वाले खुलासे किए। जेंग चीन और चीनी कम्युनिस्ट पार्टी (सीसीपी) के बारे में प्रत्यक्ष जानकारी और अनूठी अंतर्दृष्टि प्रदान करते हैं।

26 मिनट के साक्षात्कार में चाओ शाओ ने एक किस्सा साझा किया कि कैसे वुहान इंस्टीट्यूट ऑफ वायरोलॉजी के एक अन्य शोधकर्ता शान चाओ ने स्वीकार किया कि उनके वरिष्ठ ने उन्हें कोरोना वायरस के चार प्रकार दिए थे और उनसे परीक्षण करने और यह पता लगाने के लिए कहा था कि उनमें से कौन सा सबसे अच्छा था। अधिक से अधिक प्रजातियों को संक्रमित करने की क्षमता, और यह भी पता लगाना कि मानव सहित अन्य प्रजातियों को संक्रमित करना कितना आसान था। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि

उनके कई सहयोगी वुहान में 2019 सैन्य विश्व खेलों के दौरान लापता हो गए थे।

इसके अलावा, अप्रैल 2020 में चाओ शान ने कहा कि उन्हें उइगरों की स्वास्थ्य स्थिति की जांच करने के लिए झिंजियांग भेजा गया था। साक्षात्कार में चाओ ने बताया कि स्वास्थ्य जांच करने के लिए किसी वायरोलॉजिस्ट की आवश्यकता नहीं होती है, उन्होंने दृढ़ता से कहा कि उन्हें या तो वायरस फैलाने के लिए वहां भेजा गया था या यह देखने के लिए कि वायरस मनुष्यों पर कैसे काम करता है।

मोदी की अमेरिका यात्रा का आउटकम: विस्तारित साझेदारी की आसामानी उड़ान, ऊंचाईयों को छू रहे संबंधों की दास्तान

इस्लामाबाद (एजेंसी)।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने कार्यकाल के दौरान आठवीं बार 21 से 23 जून 2023 तक संयुक्त राज्य अमेरिका का दौरा किया। यह यात्रा भारत-अमेरिका साझेदारी की गतिशीलता और प्रधानमंत्री मोदी द्वारा वाशिंगटन के साथ संबंधों को दिए जाने वाले महत्व का प्रतीक है। अपने नौ साल के कार्यकाल में प्रधानमंत्री मोदी ने सबसे अधिक बार अमेरिका की यात्रा की है। प्रधानमंत्री मोदी को राष्ट्रपति जो बाइडेन और जिल बिडेन द्वारा संयुक्त राज्य अमेरिका की उनकी पहली आधिकारिक राजकीय यात्रा के लिए आमंत्रित किया गया था। यह एक महत्वपूर्ण क्षण था क्योंकि अमेरिका में राजकीय दौरे कम ही होते हैं। इसके अलावा प्रधानमंत्री मोदी ने 22 जून को अमेरिकी कांग्रेस के संयुक्त सत्र को संबोधित किया था। प्रधानमंत्री मोदी ने आखिरी बार जून 2016 में अमेरिकी कांग्रेस को संबोधित किया था। वह एकमात्र भारतीय नेता और बहुत कम विश्व नेताओं में से एक हैं, जिन्हें एक से अधिक बार अमेरिकी कांग्रेस को संबोधित करने के लिए आमंत्रित किया गया है। आधिकारिक राजकीय यात्रा के लिए अमेरिका जाने वाले अंतिम भारतीय नेता 2009 में मनमोहन सिंह थे। सिंह ने 2005 में अमेरिकी कांग्रेस को भी संबोधित किया था।

प्रधानमंत्री मोदी की यात्रा और अमेरिकी कांग्रेस को संबोधन यह दर्शाता है कि राष्ट्रपति बाइडेन भारत के साथ अमेरिकी साझेदारी को कितना महत्व देते हैं और इसे इस स्तर तक लाने में प्रधानमंत्री मोदी का योगदान है। इस यात्रा ने स्वतंत्र, खुले, समृद्ध और समावेशी हिंद-प्रशांत के प्रति दोनों देशों की प्रतिबद्धता को मजबूत किया। भारत में पिछले 23 वर्षों में सभी प्रधानमंत्रियों ने भारत-अमेरिका द्विपक्षीय संबंधों का विस्तार करने के लिए काम किया है। भारत-अमेरिका संबंधों के विकास में प्रधान मंत्री मोदी का योगदान उल्लेखनीय रूप से महत्वपूर्ण रहा है। दोनों देशों के बीच जीवंत संबंधों के लिए दोनों देशों में मजबूत द्विदलीय समर्थन मौजूद है। इसने भारत-अमेरिका साझेदारी को मौजूदा समय में सबसे महत्वपूर्ण और निर्णायक रिश्तों में से एक बना दिया है।

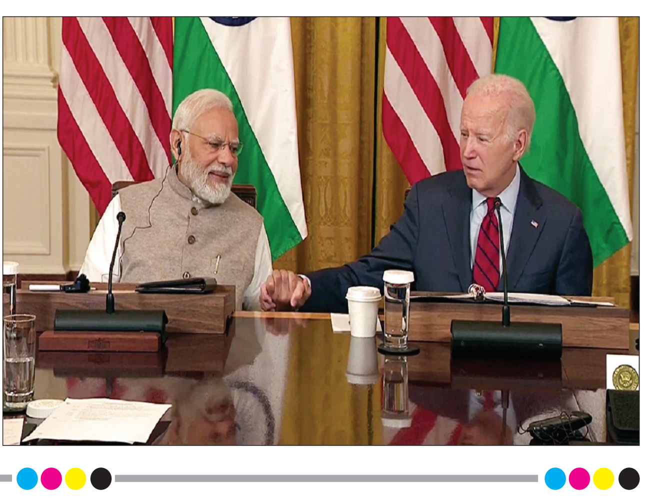

निया के टॉप 150 विश्वविद्यालयों में आईआईटी बॉम्बे हुआ शामिल

नई दिल्ली । दुनिया के टॉप 150 विवि में इस बार आईआईटी मुंबई को जगह मिल गई है। जानकारी के अनुसार क्यूएस वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग 2024 जारी कर दी गई है। गौरतलब है कि इसमें दुनिया भर के विश्वविद्यालयों को रैंकिंग दी जाती है। दुनियाभर के इंस्टिट्यूट्स को अलग-अलग पैमानों पर आंकने के बाद उसे स्कोर दिया जाता है। इसी स्कोर के आधार पर रैंकिंग तैयार की जाती है। हालिया रैंकिंग मंगलवार को जारी की गई है, इस रैंकिंग में दुनिया के टॉप 150 विश्वविद्यालयों में एक भारतीय संस्थान आईआईटी बांबे ने भी जगह बनाई है। इस बार आईआईटी बॉम्बे को इस रैंकिंग में 149वां स्थान मिला है। इसके बाद दूसरा भारतीय संस्थान है आईआईटी दिल्ली, जिसे 197वीं रैंक दी गई है। जानकारी के अनुसार यह बीते 8 सालों में पहली बार है, जब किसी भारतीय संस्थान ने टॉप 150 में जगह बनाई है। इससे पहले वर्ष 2016 में आईआईएससी बैंगलोर को 147वीं रैंक मिली थी। हांलाकि पिछले साल के मुकाबले आईआईएससी बैंगलोर के स्थान में काफी गिरावट आई है। जहां पिछले साल संस्थान की रैंकिंग 155 थी, वहीं इस साल इसे 225वां स्थान दिया गया है। इस बार दुनिया के टॉप 500 संस्थानों में भारत के 11 संस्थानों ने जगह बनाई है। आईआईटी बॉम्बे, आईआईटी दिल्ली, आईआईएससी बैंगलोर के बाद 271वें स्थान पर आईआईटी खडगपुर, 278वें में आईआईटी कानपुर, 285वें स्थान पर आईआईटी मद्रास, 364वें में आईआईटी गुवाहाटी, 369वें में आईआईटी रुड़की, 407वें में दिल्ली विश्वविद्यालय और 427वें में अन्ना विश्वविद्यालय शामिल है।

मास्टरशेफ ऑस्ट्रेलिया 2023 से मिली पानी पुरी को इंटरनेशनल पहचान

मुंबई। इंडिया की स्ट्रीट डिश पानी पुरी ने इंटरनेशलन पहचान हासिल कर ली है। दरअसल मास्टरशेफ ऑस्ट्रेलिया 2023 की प्रतियोगिता में इसे शामिल कर लिया गया जहां भारतीय मूल के शेफ आदि नेवगी ने सरप्राइज़ मिस्ट्री बॉक्स चैलेंज में भारतीय सड़कों की पसंदीदा पानी पुरी को मैक्सिकन ट्विस्ट के साथ पेश कर खूब सुर्खियां बटोरी। मास्टरशेफ ऑस्ट्रेलिया 2023 का हिस्?सा बनी 31 वर्षीया प्रतियोगी और भारतीय मूल के शेफ आदि नेवगी ने सरप्राइज़ मिस्ट्री बॉक्स चैलेंज में पानी पुरी बनाकर जजों को आश्चर्यचकित कर दिया। अनी इस उपलब्धि पर प्रतियोगी ने कहा कि मैंने पानी पुरी को एवोकैडो और सैल्मन रो के साथ बनाकर उसे मैक्सिकन ट्विस्ट दिया। उन्होंने कहा कि मैं चाहती थी, कि मैं ऐसा कुछ करूं कि जज कहे कि ओह, मुझे इसकी उम्मीद नहीं थी। आदि नेवगी ने कहा कि कुरकुरी मसालेदार पानी पुरी के स्वाद से बढ़कर कुछ नहीं है। यह सबसे अच्छे भारतीय स्ट्रीट फूड में से एक है। उन्होंने बताया कि यह डिश देखते ही देखते जजों के बीच तुरंत हिट हो गई। नेवगी ने अपनी प्रभावशाली फ्यूजन डिश से जजों को मंत्रमुग्ध कर दिया। 55 से अधिक देशों की यात्रा कर चुकी मेलबर्न की नेवगी दुनिया भर के स्वादों से प्रेरित हैं, हालांकि वह अपने पैतृक भारतीय व्यंजनों के लिए भी अपने दिल में एक विशेष स्थान रखती हैं। पेशे से एक डॉक्टर होने के नाते सामान्य चिकित्सा और एंडोक्रिनोलॉजी में उनकी खोज ने भोजन के प्रति उनके जुनून को बढ़ाया है। मास्टरशेफ ऑस्ट्रेलिया भारत में डिज्नी हॉटस्टार पर प्रसारित होता है।

ईदगाह कमेटी का फरमान जारी, सड़कों नमाज पढ़ी तो होगी कार्रवाई

हापुड़ । ईद-उल-अजहा के मौके पर ईदगाह कमेटी ने ईद की नमाज सड़कों पर नहीं पढ़ने के लिए आगाह किया है। कमेटी ने कहा कि कोई भी ऐसा करेगा तो उसपर कार्रवाई होगी। गौरतलब है कि 29 जून को देश में ईद-उल-अजहा (बकरीद)मनाई जाएगी। लेकिन इससे पहले उत्तर प्रदेश के हापुड़ जिले में मुस्लिम इलाकों और मस्जिदों पर पोस्टर लगाये गये हैं। इन पोस्टर में ईदगाह कमेटी की ओर से मुस्लिम समुदाय के लोगों से अपील की गई है कि वह ईद की नमाज सड़क पर न पढ़ें। इसके अलावा अन्य दिशा-निर्देश भी इन पोस्टर और बैनर के माध्यम से दिये गये हैं। हापुड़ ईदगाह कमेटी के सचिव डॉक्टर निजामुद्दीन ने बताया कि उत्तर प्रदेश सरकार की ओर से गाइडलाइन जारी की गई है कि ईद की नमाज सड़क पर नहीं पढ़ी जाएगी। इसी का पालन करते हुए सभी मुस्लिम नमाजियों को दिशा-निर्देश जारी किये गये हैं कि वह मस्जिदों में ही ईद की नमाज अदा करे। ईद की नमाज ईदगाह के अंदर सवा सात बजे होगी। इसके अलावा शहर की बड़ी मस्जिदें, जिनके अंदर जुमे की नमाज होती है। वहां भी ईद की नमाज पढ़ने का इंतजाम किया गया है। डॉक्टर निजामुद्दीन ने कहा है कि सरकार के आदेशों के बावजूद भी अगर किसी के द्वारा सड़क पर ईद की नमाज पढ़ी जाती है, तो उसके खिलाफ पुलिस-प्रशासन द्वारा कार्रवाई की जाएगी, जिसकी जिम्मेदारी उसकी स्वयं की होगी। गौरतलब है कि उत्तर प्रदेश की योगी सरकार द्वारा सड़क पर नमाज न अदा किये जाने के दिशा-निर्देश जारी किये है। जिसको लेकर हापुड़ जिले का प्रशासन बेहद सतर्क है। पुलिस-प्रशासनिक अधिकारियों के द्वारा मुस्लिम समुदाय के लोगों के साथ शांति समिति की बैठक कर सड़क पर नमाज न पढ़े जाने की अपील की जा रही है। जिसका असर हापुड़ में दिखाई दिया है। इसी के चलते ईदगाह कमेटी की ओर से मुस्लिम इलाकों और मस्जिदों पर बैनर, पोस्टर लगाये गये हैं और ईद की नमाज ईदगाह के अलावा मस्जिदों में पढ़े जाने की अपील की जा रही है।

गैर कानूनी ढंग से धर्म परिवर्तन कराने के आरोप में तीन व्यक्ति गिरफ्तार

कौशांबी। कौशांबी जिले के सराय अकिल थाना क्षेत्र में कथित रूप से गैर कानूनी ढंग से धर्म परिवर्तन कराने को लेकर तीन व्यक्तियों को मंगलवार गिरफ्तार किया गया। पुलिस अधीक्षक बृजेश कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि सोमवार को थाने में ग्रामीणों ने सूचना दी कि इसी थाना क्षेत्र के अकबराबाद गांव के रामचंद्र पाल एवं उसके कई साथियों द्वारा अपने घर पर प्रत्येक सोमवार को गांव तथा आसपास के क्षेत्र के भोले भाले अनुसूचित जाति के लोगों को बुलाया जाता है और चमत्कार की मदद से उनकी बीमारी और समस्याएं ठीक करने का वादा कर उन्हें हिंदू से ईसाई धर्म में धर्म परिवर्तन कराया जा रहा है। उन्होंने बताया कि इस संबंध में उत्तर प्रदेश विधि विरुद्ध धर्म संपरिवर्तित प्रतिषेध अधिनियम के तहत मामला पंजीकृत किया गया था। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि मंगलवार को उपरोक्त मुकदमे से संबंधित दो अभियुक्तों गोविंद पांडे एवं गुलबदन को अकबराबाद गांव से गिरफ्तार किया गया है। इसी क्रम में थाना सराय अकिल पुलिस द्वारा थाने में दर्ज मुकदमे से संबंधित वांछित अभियुक्त अभिषेक कुमार पासी को थाना क्षेत्र के कोटिया पावर हाउस के पास से गिरफ्तार किया गया है।

ऑपरेशन थिएटर के अंदर हिजाब पहनना संभव नहीं, केरल की मेडिकल छात्राओं ने इसके विकल्प के लिए मेडिकल कॉलेज के प्रिंसिपल से की अपील

नई दिल्ली । हिजाब के विकल्प की तलाश में तिरुवनंतपुरम के सरकारी मेडिकल कॉलेज के कम से कम सात मुस्लिम छात्रों ने कॉलेज के प्रिंसिपल से उन्हें ऑपरेशन थिएटर के अंदर लंबी आस्तीन वाले स्क्रब जैकेट और सर्जिकल हुड पहनने की अनुमति देने के लिए कहा। कॉलेज के प्रिंसिपल ने कहा कि वह इस मामले पर चर्चा के लिए सर्जनों और संक्रमण नियंत्रण टीम की एक बैठक बुलाएंगे। उन्होंने कहा कि टीम छात्रों द्वारा किए गए अनुरोध पर निर्णय लेगी। मांग करने वाली छात्राओं ने कहा कि उन्हें अपनी धार्मिक मान्यताओं के तहत हर समय अपना सिर ढंकना पड़ता है और ऑपरेशन थिएटर के अंदर हिजाब पहनना संभव नहीं है।

नाबालिग लड़की का यौन उत्पीड़न करने के दोषी ऑटो चालक को 20 साल कारावास की सजा

पलक्कड़। केरल के पलक्कड़ की एक अदालत ने नाबालिग लड़की का बार बार यौन उत्पीड़न करने के दोषी 23 वर्षीय ऑटो चालक को 20 साल कारावास की सजा सुनाई है। दोषी ने सोशल मीडिया के माध्यम से लड़की से दोस्ती की थी। पट्टाम्बी त्वरित विशेष अदालत के न्यायाधीश रामू रमेश चंद्र भानू ने आरोपी को दोषी करार दिया और नाबालिग से बार बार बलात्कार करने के जुर्म में यौन अपराध से बच्चों का संरक्षण (पॉक्सो) अधिनियम के तहत 20 साल कारावास की सजा सुनाई। विशेष लोक अभियोजक (एसपीपी) निशा विजयकुमार ने बताया कि अदालत ने दोषी को भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) के तहत अपहरण के अपराध में सात साल कारावास की सजा भी सुनाई। एसपीपी ने बताया कि अदालत ने दोषी पर 1,10,000 रुपये का जुर्माना भी लगाया।

छत्तीसगढ़ को लेकर कांग्रेस की बड़ी बैठक, कुमारी शैलजा बोलीं- अपनी उपलब्धियों पर लड़ेंगे चुनाव

नई दिल्ली (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ में साल के आखिर में विधानसभा के चुनाव होने है। सत्तारूढ़ कांग्रेस अभी से ही इसकी तैयारी में जुट गई है। आज दिल्ली में कांग्रेस के शीर्ष नेताओं ने बुधवार को छत्तीसगढ़ में पार्टी की रणनीति और चुनाव तैयारियों पर चर्चा की। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, पूर्व पार्टी प्रमुख राहुल गांधी, छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के अलावा राज्य में पार्टी की प्रभारी कुमारी शैलजा और महासचिव संगठन केसी वेणुगोपाल भी इस बैठक में शामिल हुए।

बैठक के बाद छत्तीसगढ़ कांग्रेस प्रभारी कुमारी सैलजा ने कहा कि राज्य सरकार की उपलब्धियां, भाजपा की नकारात्मक सोच के खिलाफ कांग्रेस पार्टी की जोड़ने की विचारधारा को लेकर हमारे कार्यकर्ता मैदान में उतरेंगे। मल्लिकार्जून खरगे ने अपना मार्गदर्शन दिया है। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा है कि भाजपा के पास धर्म के अलावा कोई एजेंडा नहीं है जबकि हमारा एजेंडा काम और हमारी विचारधारा है।

छत्तीसगढ़ के स्वास्थ्य मंत्री टीएस सिंहदेव ने कहा कि इस बैठक का उद्देश्य नवंबर-दिसंबर में होने वाले छत्तीसगढ़ चुनाव के लिए योजना तैयार करना है। हमारे पास फिर से सरकार बनाने का अच्छा मौका है। हम कृषि, शिक्षा और स्वास्थ्य जैसे विभिन्न क्षेत्रों में किए गए कार्यों के आधार पर चुनाव लड़ेंगे। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के पास काम करने का एक तरीका है, उसकी नीतियां और उद्देश्य हैं। पिछला चुनाव सामूहिक नेतृत्व के आधार पर लड़ा गया था। सबसे अच्छा है कि हम सामूहिक नेतृत्व के आधार पर चुनाव लड़ें, टीम का नेतृत्व कोई भी कर सकता है।

बैठक की अध्यक्षता करते हुए खरगे ने कहा कि पार्टी के सदस्य छत्तीसगढ़ के लोगों के जीवन में बदलाव लाने के लिए मिलकर काम करेंगे। खरगे ने एक ट्वीट में कहा, ''गढ़बो नवा छत्तीसगढ़, ये हमारे लिए केवल कोई नारा नहीं है, छत्तीसगढ़ की उन्नति व सामाजिक न्याय के लिए एक ध्येय है। छत्तीसगढ़ की जनता और कांग्रेस पार्टी में उनका अटूट विश्वास, विकास की अविरल धारा को आगे बढ़ाता रहेगा।'' उन्होंने कहा, ''हम मिलकर काम करेंगे और छत्तीसगढ़ के लोगों के जीवन में बदलाव लाते रहेंगे।'' बैठक के बाद बघेल ने ट्वीट किया, ''नवा छत्तीसगढ़ के मॉडल से जनता के जीवन में आ रहे बदलाव एवं आगामी विधानसभा चुनावों को लेकर अहम चर्चा हुई।'' इसके साथ ही उन्होंने 'हैं तैयार हम' का हैशटैग भी इस्तेमाल किया।

वर्तमान में राजनीति पैसे और ताकत का खेल बन गई : सांसद वरुण गांधी

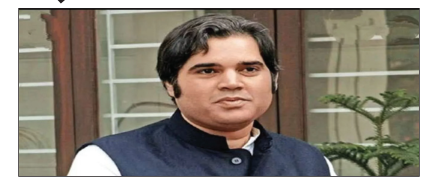

बरेली । राजनीति में आज बहुत लोग आना चाहते हैं पर उनके लिए रास्ते बंद हैं, क्योंकि वर्तमान में राजनीति पैसे और ताकत का खेल बन गई है। ये बातें भाजपा सांसद वरुण गांधी ने संसदीय क्षेत्र के दौरे के दौरान अपने संबोधन में कहीं। उन्होंने क्षेत्र के करीब आधा दर्जन से अधिक गांवों में जन सभाएं कर अपने विचार व्यक्त कर लोगों की समस्याएं सुनीं। सांसद ने अपनी पहली जनसभा दक्षिणी हाईवे पर स्थित गांव गुड़वारा में की जहां ग्राम प्रधान योगेश कुमार, जय प्रकाश, राजू मौर्या, राजेंद्र कुमार, नवल किशोर, वनवारी लाल आदि ने उनका स्वागत किया। सांसद ने गांधी ने नगर पंचायत फरीदपुर में शेर-शेरनी का एक दृष्टांत सुनाकर अपने विरोधियों पर तंज कसते हुए कहा कि रिश्ते जोड़ने हों तब शेरों से जोड़ें, चूहों से नहीं। सांसद खंड विकास कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम में हिस्सा लेने पहुंचे और बहेड़ी, शेरगढ़ तथा दमखोदा विकास खंड के पांच-पांच लाभार्थियों को प्रधानमंत्री आवास की चाबी सौंपी। इसके बाद सांसद वरुण गांधी शाम को शहर के एक होटल में पहुंचे। यहां उन्होंने कार्यकर्ताओं से मुलाकात कर विकास कार्यों पर चर्चा की। जनसमस्याएं भी सुनीं। इसके बाद सांसद अपने समर्थक राजीव सक्सेना एडवोकेट व राहुल गंगवार की मां के निधन पर शोक संवेदनाएं व्यक्त करने उनके घरों पर गए। जहां उन्होंने परिवारों से मिलकर शोक व्यक्त किया।

किसी भी कीमत पर समझौता नहीं करेंगे किसान, चार गुना मुआवजा मांगा

-राकेश टिकैत के साथ प्रदर्शन करते हुए हजारों की तादाद में नोएडा प्राधिकरण पहुंचे किसान

नोएडा (एजेंसी)। नोएडा प्राधिकरण मसले पर अब किसान उग्र हो रहे हैं। उनकी मांग है कि उन्हें उनकी जमीन का चार गुना मुआवजा दिया जाए, अन्यथा वे किसी भी कीमत पर समझौता नहीं करेंगे। वहीं भारतीय किसान यूनियन के राष्ट्रीय प्रवक्ता राकेश टिकैत नोएडा प्राधिकरण मसलेस पर आज ट्रैक्टर चलाकर किसानों के प्रदर्शन में पहुंचे। उनके साथ हजारों की संख्या में किसान भी मौजूद थे। प्रदर्शन की वजह से महामाया फ्लाईओवर पर लंबा जाम लग गया और वाहन रेंगते रहे। इस दौरान प्राधिकरण के अधिकारियों के साथ राकेश टिकैत ने मीटिंग की। किसान नेता राकेश टिकैत ने कहा कि मौसम ठंडा है लेकिन आंदोलन गर्म होगा। उन्होंने कहा कि मांगों को लेकर आंदोलन करना पड़ेगा। किसानों की अनदेखी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। जानकारी के अनुसार 1975 के किसानों ने जब मांगों को लेकर हंगामा किया, फिर किसानों के लिए योजना निकली गई। जो कोर्ट गए उनको 10 प्रतिशत जमीन दी गई गई। अट्टा गांव में पुश्तैनी जमीन पर बने मकान तोड़ दिए गए। इन मकान और जमीन के बदले किसानों को 12 लाख रुपये दिए गए जबकि प्राधिकरण इस जमीन की कीमत 300 करोड़ रुपए बता रहा है।

किसानों का कहना है कि हम हर कुर्बानी देंगे। किसानों को 50 मीटर का प्लाट दे रहे हैं। किसानों को 1100 प्रति वर्गमीटर के मुआवजे का आकलन क्यों? उसका 4 गुना दो। किसानों का कहना है कि हम किसी भी कीमत पर समझौता नहीं करेगे। दरअसल, नोएडा प्राधिकरण पर अब तक भारतीय किसान परिषद का प्रदर्शन चल रहा था। भारतीय किसान परिषद के अध्यक्ष बैठक के लिए लखनऊ गए है। ऐसे में आज भारतीय किसान यूनियन ने धरना दिया। इसमें वे किसान शामिल है। जो पिछले एक माह से सेक्टर-18 में प्रदर्शन कर रहे है। किसानों का आरोप है कि सेक्टर-18 में उनकी 1500 वर्गमीटर पर बनी पुश्तैनी करीब 40 साल पुरानी आबादी को ध्वस्त किया गया। जबकि प्राधिकरण के ओएसडी प्रसून ने बताया कि ये जमीन प्राधिकरण की है। हाइकोर्ट में किसान गए थे उनकी याचिका को रद्द कर दिया था।

प्रदर्शन के दौरान भाकियू के किसानों का काफिला नोएडा ग्रेटर नोएडा एक्सप्रेस वे से महामाया फ्लाईओवर पहुंचा। यहां से गोलचक्कर से नोएडा प्राधिकरण कार्यालय गया। ग्रेटर नोएडा से नोएडा और डीएससी व उद्योग मार्ग पर भीषण जाम लग गया। काफिले में कई ट्रैक्टर और कार थी, जिनके छत पर बैठकर किसान नारेबाजी करते हुए प्राधिकरण पहुंचे और प्राधिकरण के खिलाफ नारेबाजी की। इसके बाद बैठक का दौर शुरू किया गया। इस दौरान वाहन रेंग-रेंग कर चलते दिखे। धरना स्थल पर ही किसानों के लिए भट्टी लगा दी गई। चार घंटे तक ट्रैक्टर चलाने के बाद धरना स्थल पहुंचे किसानों ने यही पर भोजन किया। इसके बाद प्रदर्शन में शामिल हुए। पहले चरण में सभी किसान प्रतिनिधि मंडल ने राकेश टिकैत को समस्याओं से अवगत कराया। इसके बाद प्राधिकरण अधिकारियों के साथ वार्ता की गई, जिसमें किसानों ने मांगों को लेकर प्राधिकरण को दो महीने का समय दिया है। प्राधिकरण ने आश्वस्त किया है कि आपकी मांगों को शासन के पास भेजकर सकारात्मक रूप से हल जाएगी।

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने सुधारी बाइक, गैरेज में किए हाथ काले

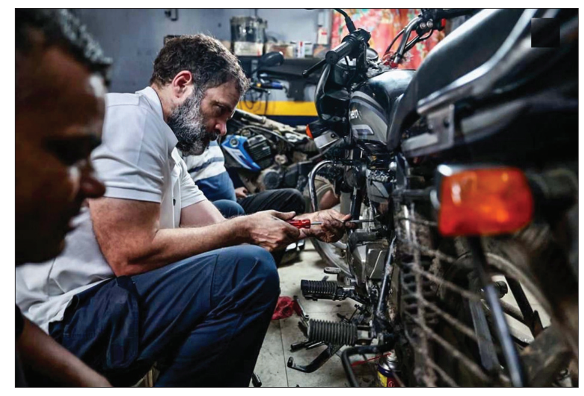

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने दिल्ली में एक गैरेज में पहुंचकर बाइक सुधारी। इस दौरान उनके हाथ भी ग्रीस में काले हो गए। उनकी यह तस्वीरें खूब वायरल हो रही हैं। गौरतलब है कि राहुल गांधी अक्सर आम जनता के बीच जाकर उनसे मुलाकात करते हुए दिखाई देते रहते हैं। सोशल मीडिया पर उनकी कई वीडियो और फोटो वायरल होती रहती है। कभी राहुल गांधी ट्रक की सवारी करते हुए दिखाई देते है तो कभी बैलगाड़ी की। इसी बीच कांग्रेस नेता राहुल गांधी की एक और तस्वीर वायरल हो रही है जहां वह दिल्ली के करोल बाग में मोटरसाइकिल मैकेनिक की दुकानों पर पहुंचे और उनसे बातचीत की। कांग्रेस ने भी पार्टी के पूर्व अध्यक्ष की तस्वीरें फेसबुक पर साझा की हैं, जिनमें वह मोटरसाइकिल ठीक करना सीखते हुए और मैकेनिक से बातचीत करते हुए नजर आ रहे हैं। पार्टी ने सोशल मीडिया मंच पर लिखा कि यही हाथ हिंदुस्तान बनाते हैं। इन कपड़ों पर लगी कालिख हमारी खुद्दारी और शान है। ऐसे हाथों को हौसला देने का काम एक जननायक ही करता है। राहुल गांधी दिल्ली के करोल बाग में मोटर साइकिल मैकेनिक के साथ। 'भारत जोड़ो यात्रा जारी है।

राहुल गांधी ने इन लोगों के साथ अपनी बातचीत की तस्वीरें फेसबुक पर पोस्ट की और लिखा कि रिंच (नट बोल्ट कसने का औजार) घुमाने वाले और भारत के पहियों को गतिमान रखने वाले हाथों से सीख रहा हूं। तस्वीरों में राहुल गांधी अपने अलग अंदाज में दिखाई दे रहे है। तस्वीरों में साफ दिखाई दे रहा है कि राहुल अपने हाथ में बाइक के पार्ट लिए हुए है। उनके सामने एक बाइक खुली हुई है। साथ में कुछ लोग बैठे दिखाई दे रहे हैं। वहीं एक अन्य फोटो में राहुल एक बाइक में स्क्रू ड्राइवर से पेच कसते दिखाई दे रहे हैं। वहीं एक फोटो में वे गैरेज कर्मी से मशीन की जानकारी ले रहे हैं।

आदिपुरुष पर विवेक अग्निहोत्री ने आस्था से खिलवाड़ पाप करने के सामान

मुंबई (एजेंसी)। प्रभास, कृति सेनन और सैफ अली खान स्टारर आदिपुरुष साल 2023 की सबसे चर्चित फिल्म बनी हुई है। हालांकि, फिल्म अपनी खासियत नहीं, बल्कि कमियों के कारण सुर्खियों में है। रिलीज के बाद फिल्म के सीन और डायलॉग पर खूब घमासान मचा था। आदिपुरुष को लेकर अब सीबीएफसी बोर्ड के सदस्य और फिल्म निर्माता विवेक अग्निहोत्री ने बात की है। आदिपुरुष के बारे में अग्निहोत्री ने खुलासा किया कि उन्होंने अभी तक फिल्म नहीं देखी है। उन्होंने कहा, मैं सीबीएफसी बोर्ड का हिस्सा हूं। हम प्रमाणन के लिए फिल्म नहीं देखते हैं। फिल्म को आम लोग देखते हैं। मुझे नहीं पता कि फिल्म का किस स्तर पर क्या हुआ और इस किसने देखा। मैंने अभी तक फिल्म नहीं देखी है। मैं द वैक्सीन वॉर की शूटिंग में व्यस्त था। मैंने कुछ दिन पहले ही फिल्म पूरी की है। इसलिए, मुझे फिल्म के बारे में ज्यादा जानकारी नहीं है।

शून्य भ्रष्टाचार और पूर्ण विकास है प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की विशेषता : जयराम

मंडी (एजेंसी)। नेता प्रतिपक्ष और पूर्व सीएम जयराम ठाकुर ने कहा कि हिमाचल प्रदेश सहित पूरा देश प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पूर्ण बहुमत के साथ 2024 में सेवा का फिर से मौका देगा है। हिमाचल के हर बूथ से भाजपा को बढ़त मिलेगी। नेता प्रतिपक्ष ने मेरा बूथ सबसे मजबूत कार्यक्रम में प्रधानमंत्री मोदी के संबोधन को लाइव सुना। ठाकुर ने कहा कि पीएम मोदी ने संगठन एवं पार्टी की मजबूती के साथ-साथ सेवा और जनकल्याण के लिए भी हम सभी का मार्गदर्शन किया। प्रधानमंत्री के इस संवाद से निश्चित तौर पर पार्टी के हर कार्यकर्ता को जनसेवा के लिए नई ऊर्जा मिली है। ठाकुर ने कहा कि प्रधानमंत्री के 9 वर्ष के सेवाकाल में विकास के ऐतिहासिक काम हुए हैं। प्रधानमंत्री ने हिमाचल प्रदेश को एक से बढ़कर एक प्रोजैक्ट दिए हैं। आज हिमाचल में नेशनल हाईवे के ही 50000 करोड़ रुपए के काम चल रहे हैं। एम्स बिलासपुर से लेकर अटल टनल, कीरतपुर-नेरचौक जैसी महत्वाकांक्षी परियोजनाओं ने हिमाचल को नई पहचान दी है। बल्क ड्रग पार्क, मेडिकल डिवाइस पार्क, आयुष्मान और हिम केयर जैसी परियोजनाएं प्रधानमंत्री की जनहितैषी और दूरगामी सोच का परिणाम हैं। इतने कामों के बाद भी कोई एक पैसे के भ्रष्टाचार का आरोप भी नहीं लगा पाया है, जबकि कांग्रेस की सरकार में इतना भ्रष्टाचार हुआ कि लोग शून्य गिनना भूल जाएं। नेता प्रतिपक्ष ने विकास तीर्थ यात्रा के तहत 32 करोड़ रुपए की लागत से बने सीएचसी बगस्याड़ का दौरा किया। नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि दुनिया भर में सरकार का काम होता है विकास और जनसुविधा के लिए नई-नई योजनाएं चलाना, जिससे जनता को स्थानीय स्तर पर सभी सुविधाएं मिल सकें। इसके लिए काम करना चाहिए लेकिन हिमाचल में इस समय ऐसी सरकार है जो पिछली सरकार द्वारा चलाई जा रहीं योजनाओं और संस्थानों को बंद करके शराब के ठेके खुलवाने में रुचि ले रही है। उन्होंने कहा कि जनता की जरूरतों को देखते हुए खोले गए 1000 से ज्यादा संस्थान सुखविंदर सिंह सरकार ने बंद कर दिए। 6000 से ज्यादा लोगों को नौकरी से निकाल दिया। विकास के सारे काम ठप्प कर दिए हैं।

राष्ट्रीय हित में सौदा, वाइस एडमिरल ने कहा-अमेरिका के साथ हुए प्रीडेटर ड्रोन सौदे से बढ़ेगी देश की सैन्य क्षमता

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय नौसेना के पूर्व उप प्रमुख वाइस एडमिरल एसएन घोरमडे (सेवानिवृत्त) ने भारत-अमेरिका प्रीडेटर ड्रोन सौदे पर बात की है। उन्होंने बताया कि यह सशस्त्र बलों के लिए एक बहुत ही महत्वपूर्ण सौदा है क्योंकि यह खुफिया, निगरानी और टोही क्षमता प्रदान करता है... हम हिंद महासागर क्षेत्र के व्यापक विस्तार और हमारे उत्तरी और पश्चिमी पड़ोसियों के साथ सीमाओं को भी कवर करने में सक्षम हैं। वह आगे कहते हैं कि कीमत तय नहीं की गई है। मुझे लगता है कि कीमत को लेकर अटकलें चल रही हैं, जिसे अलग रखा जाना चाहिए। जो भी किया जाएगा, राष्ट्रीय हित में किया जाएगा। वाइस एडमिरल एसएन घोरमडे (सेवानिवृत्त) ने भारत-अमेरिका प्रीडेटर ड्रोन सौदे पर बात करते हुए कहा कि नहीं, मुझे नहीं लगता कि किसी भी गलत काम की कोई गुंजाइश है। यह एक ऐसी तकनीक है जिसकी हमें जरूरत है। एक प्रक्रिया है जिसका पालन किया जा रहा है जिसके लिए जांच और संतुलन अंतर्निहित हैं जो यह सुनिश्चित करेंगे कि यह एक होगा।'राष्ट्रीय हित में सौदा... हम वर्तमान में जो खरीद रहे हैं वह तीनों सेवाओं की न्यूनतम परिचालन आवश्यकता है जो वर्तमान आवश्यकता को पूरा करेगी। भविष्य में, लक्ष्य इसे स्वदेशी रूप से बनाना है।

अमेरिका से ड्रोन के लिए तीन अरब डॉलर के सौदे पर हस्ताक्षर

भारत और अमेरिका ने 31 'हाई एल्टीट्यूड लॉन्ग एंड्योरेंस' (हेल) ड्रोन के लिए तीन अरब डॉलर के सौदे पर हस्ताक्षर किये हैं, जिनमें से नौसेना को 15 'सीगार्जियन' ड्रोन मिलेंगे, जबकि थलसेना और भारतीय वायुसेना को आठ-आठ भूमि संस्करण वाले ड्रोन 'स्काईगार्जियन' प्राप्त होंगे। मोदी की यात्रा के दौरान भारत और अमेरिका के बीच जेट इंजन एफ414 के संयुक्त निर्माण के लिए जनरल इलेक्ट्रिक (जीई) और हिन्दुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) के बीच भी समझौता ज्ञापन (एमओए) पर हस्ताक्षर हुए हैं, जो भारतीय वायुसेना की दृष्टि से बहुत ही महत्वपूर्ण हैं।

कांग्रेस ने उठाए थे सवाल

कांग्रेस ने करोड़ों रुपये के भारत-अमेरिका ड्रोन सौदे में पूरी पारदर्शिता की बुधवार को मांग की और आरोप लगाया कि 31 एमक्यू-9बी प्रीडेटर यूएवी ड्रोन ऊंची कीमत पर खरीदे जा रहे हैं। कांग्रेस प्रवक्ता पवन खेड़ा ने एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि राष्ट्रीय सुरक्षा सर्वोपरि है और प्रीडेटर ड्रोन सौदे पर कई संदेह उठाए जा रहे हैं। उन्होंने कहा, ''मोदी सरकार राष्ट्रीय हितों को खतरे में डालने के लिए जानी जाती है और भारत के लोगों ने राफेल सौदे में भी यही देखा है, जहां मोदी सरकार ने 126 के बजाय केवल 36 राफेल जेट खरीदे। हमने यह भी देखा कि कैसे एचएएल को प्रौद्योगिकी के हस्तांतरण से वंचित कर दिया गया।

तेजस्वी यादव की बढ़ सकती हैं मुश्किलें, मानहानि मामले में 6 जुलाई को होगी सुनवाई

पटना (एजेंसी)। बिहार के उप मुख्यमंत्री और राजद नेता तेजस्वी यादव की मुश्किलें बढ़ सकती हैं। मानहानि मामले में अहमदाबाद कोर्ट ने सुनवाई की तारीख तय करती है। इस मामले में 6 जुलाई को सुनवाई तय की गई है। दरअसल, तेजस्वी यादव ने एक बयान में कहा था कि केवल गुजराती ठग हो सकते हैं। इसी बयान को लेकर गुजरात के समाजसेवी और कारोबारी 63 वर्षीय हरेश मेहता ने केस दर्ज कराया था। इस मामले में तेजस्वी के खिलाफ 499 और 500 के तहत केस दर्ज किया गया है।

तेजस्वी ने क्या कहा था

तेजस्वी यादव ने कथित तौर पर कहा था, ''मौजूदा स्थिति में केवल गुजराती ही ठग हो सकते हैं और उनकी धोखाधड़ी (अपराध) को माफ कर दिया जाएगा। अगर वे एलआईसी (भारतीय जीवन बीमा निगम) या बैंकों का पैसा लेकर भाग जाएंगे तो कौन जिम्मेदार होगा?'' शिकायत में कहा गया है कि मीडिया के समक्ष दिए गए बयान में पूरे गुजराती समुदाय को 'ठग' कहा गया है, जो सभी गुजरातियों की सार्वजनिक रूप से मानहानि करता है और उन्हें अपमानित करता है।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

विपक्ष ने कहा- ये बीजेपी शासकों के भ्रष्टाचार का उदाहरण

उद्घाटन के एक महीने के भीतर ही ढह गया सूरत का वेड वरियाव ब्रिज

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

सूरत नगर निगम विकास के नाम पर बड़े-बड़े दावे कर रहा है, लेकिन सूरत नगर निगम में भ्रष्टाचार अब चरम पर है। देखने में आ रहा है कि जनता का करोड़ों रुपये का टैक्स बर्बाद हो रहा है, नेता और अधिकारी जमकर भ्रष्टाचार कर अपनी जेबें भर रहे हैं। वेड-वेरियाव ब्रिज का हाल ही में बड़े धूमधाम से उद्घाटन किया गया।

राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव के लिए रामभक्त 5.5 लाख के खर्च से बना रहा है 108 फूट लंबी धूपबत्ती

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

वडोदरा, भगवान श्रीराम की जन्मभूमि पर भव्य राम मंदिर का निर्माण कार्य तेजी से चल रहा है। देश-विदेश के करोड़ों भक्त भव्य मंदिर में बिराजमान भगवान श्रीराम के दर्शन को बेसब्री से प्रतीक्षा कर रहे हैं। वडोदरा के एक रामभक्त अयोध्या में प्राण प्रतिष्ठा के लिए रु 5.50 लाख के खर्च से 108 फूट लंबी एक धूपबत्ती बना रहा है, जो दिसंबर के शुरूआती दिनों में बनकर तैयार हो जाएगी। पेशे से किसान और पशुपालक विहाभाई भरवाड वडोदरा के तरसाली के निवासी हैं। जिन्होंने 108 फूट लंबी और 3.5 फूट चौंड़ी विशाल धूपबत्ती बनाई है। इससे पहले भी तीन विशाल धूपबत्ती बना चुके विहाभाई भरवाड ने बताया कि 108 फूट धूपबत्ती बनाने के लिए 91 किलो गिर की गाय का घी, 376 किलो गूगल धूप, 280 किलो जौ, 280 किलो तिल, 376 किलो गरी का बुरादा, 425 किलो हवन सामग्री और 1475 किलो गाय के गोबर के पाउडर समेत कुल 3428 किलो विभिन्न सामग्री का उपयोग किया जा रहा है। खुली जगह और सूर्य की धूप में ही इतनी विशाल

धूपबत्ती बनाई जा सकती है। फिलहाल बारिश का मौसम शुरू होने से धूपबत्ती बनाने का काम रोक दिया गया है। साथ ही अब तक बन चुकी धूपबत्ती को प्लास्टिक में लपेट दिया गया है। धूप निकलते ही धूपबत्ती का शेष काम पूरा किया जाएगा। विहाभाई भरवाड ने बताया कि दिसंबर के प्रारंभ तक 108 फूट लंबी और 3.5 फूट चौंड़ी धूपबत्ती तैयार हो जाएगी। 5.50 लाख रुपए की लागत से तैयार होनेवाली 108 फूट लंबी विशाल धूपबत्ती ट्रेलर की मदद से अयोध्या भेजी जाएगी।

धूपबत्ती को वडोदरा से अयोध्या पहुंचाने का खर्च करीब रु 3.75 लाख होने की संभावना है। वडोदरा के तरसाली में विहाभाई भरवाड के घर के निकट खुले मैदान में बनाई जा रही धूपबत्ती जब बनकर तैयार हो जाएगी तो उसे शोभायात्रा के रूप में नवलखी ग्राउंड ले जाया जाएगा। इसे लेकर नवलखी मैदान में भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है।

इस कार्यक्रम में गुजरातके मुख्यमंत्री समेत शहर और जिले के महानुभाव उपस्थित रहेंगे। वडोदरा में बन रही विशाल धूपबत्ती के बारे में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और मंदिर प्रबंधन को फैक्स के जरिए जानकारी दे दी गई है। विहाभाई भरवाड इससे पहले वर्ष 2014 में 111 फूट धूपबत्ती बनाकर करजण के शिववाडी के लिए बनाई थी। वर्ष 2016 में 121 फूट लंबी धूपबत्ती बनाकर उज्जैन के महाकुंभ में भेजी थी। वर्ष 2019 में 125 फूट लंबी धूपबत्ती गौरक्षा, देश के जवानों के दीर्घायु और जन कल्याण के लिए बनाकर महाकालेश्वर प्राण प्रतिष्ठा के अवसर पर तरसाली में प्रज्वलित की थी।

अहमदाबाद मण्डल के रेल सुरक्षा बल ने 1.5 लाख नगद एवं 3 लाख रुपये कीमत की सोने की चूड़िया महिला यात्री को सौंपी

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

पश्चिम रेलवे अहमदाबाद मण्डल पर मण्डल रेल प्रबंधक तरुण जैन के निर्देशन में चलाए जा रहे ऑपरेशन अमानत के अंतर्गत रेल सुरक्षा विभाग अपने यात्रियों की सुरक्षा और सुविधा बढ़ाने के लिए लगातार प्रयासरत है। रेल सुरक्षा बल (RPF) उनके सामान की सुरक्षा भी सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इसी दिशा में आरपीएफ ने यात्रियों को उनका खोया हुआ सामान आसानी से वापस करने के लिए एक अनूठी पहल की है। कुछ यात्री ट्रेन में चढ़ने या स्टेशन से जाने की जल्दी में अपना सामान ले जाना भूल जाते हैं। ऑपरेशन अमानत के अंतर्गत आरपीएफ स्टा फ ऐसे सामान को सुरक्षित रखने और उन्हें सही मालिकों को वापस दिलाने में मदद करते हैं। 27 जून 2023 को समय 09:00 बजे सवारी गाड़ी संख्या 12981 जयपुर-असारवा एक्सप्रेस के कोच A/1 के सीट नं 17 पर कोच अटेंडेंट को एक लेडीस पर्स खुल्ली अवस्था मे मिला। कोच अटेंडेंट द्वारा जिसकी सूचना ऑन ड्यूटी हेड कांस्टेबल (RPF) रघुवीर सिंह को दी। हेड कांस्टेबल द्वारा पर्स के बारे मे ASI पर्वत सिंह को बताने के बाद लेडीस पर्स को स्टेशन मास्टर असारवा के समक्ष खुल्ली अवस्था मे चेक करने पर जिसमे नगद 150000 रुपए एवं एक सोने की चूड़ी पायी गयी। असारवा स्टेशन पर आस पास यात्रियो से पूछने पर किसी ने अपना लेडीस पर्स नहीं बताया। कुछ समय बाद समय 09:45 बजे एक महिला यात्री स्टेशन पर आई व उसने बताया की उक्त ट्रेन मे PNR नं 2743260598 के तहत कोच संख्या A/1 मे सीट नं 23,24,27 पर अजमेर से असारवा तक यात्रा किया है यात्रा के बाद कोच मे एक लेडीस पर्स छूट गया है जिसमे नकद 150000/-रुपये एक सोने का नेकलेस व सोने की चूडी, आधारकार्ड व अन्य सामान था बाद, स्थ्ठ पर्वत सिंह द्वारा सत्यापन कर असारवा स्टेशन मास्टर के समक्ष महिला यात्री को बताया कि कोच अटेंडेंट को खुल्ली अवस्था मे लेडीस पर्स मिला है जिसमें नकद 150000 व सोने की चूड़ी व अन्य सामान मिला है लेकिन सोने का नेकलेस व आधारकार्ड नही मिला है। महिला नाम यात्री नाम रिया शर्मा W/o राकेश शर्मा उम्र-53 वर्ष निवासी आंबली रोड अहमदाबाद, लेडीज पर्स के साथ मे रोकड़ 150000 व सोने की चूड़ी जिसकी कीमत-300000/-रुपए कुल 450000/-रुपए सही सलामत सुपुर्द किया गया। महिला यात्री द्वारा बताया की सोने का नेकलेस नहीं मिला है जिसके संबंध मे शिकायत दर्ज करवाना चाहती हूँ। ASI पर्वतसिंह द्वारा असारवा स्टेशन पर ऑन ड्यूटि जीआरपी/अहमदाबाद के कांस्टेबल अर्जुन भाई बकल नं 2222 को शिकायत दर्ज करवाने बाबत अवगत कराया। वरिष्ठ मण्डल सुरक्षा आयुक्त ए.इब्राहीम शरीफ संबंधित रेलकर्मियों द्वारा की गयी त्वरित कार्यवाही, ईमानदारी और कार्य के प्रति समर्पण की सराहना की है।

गुजरात में 5 दिन होगी भारी बारिश, दो जिलों रेड और तीन जिलों में ऑरेंज अलर्ट जारी

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

गुजरात में मानसून की धमाकेदार एंट्री के बाद मेघा की धुआंधार बेटिंग जारी है। मौसम विभाग ने आगामी पांच दिन खासकर दक्षिण गुजरात में भारी से अतिभारी बारिश का पूर्वानुमान व्यक्त किया है। आज सुबह से अब तक राज्य की 62 तहसीलों में मूशलादार बारिश हुई। जिसमें सबसे अधिक कामरेज में 4.75 ईंच बारिश दर्ज हुई। मांडवी में 3 ईंच, धरमपुर, बारडोली, पारडी और कपराडा में 2-2 ईंच, विसावदर, वलसाड, चीखली, वापी, सूरत शहर और वांसदा में 1.75 ईंच बारिश हुई। उमरपाडा में 1.50 ईंच और डोलवण में 1.25 ईंच बारिश होने की खबर है। मौसम विभाग के मुताबिक आगामी 1 जुलाई तक राज्य में मध्य से भारी बारिश की संभावना व्यक्त की गई है। खासकर नवसारी और वलसाड में भारी से अतिभारी बारिश की संभावना को देखते हुए दोनों जिलों में रेड अलर्ट जारी किया गया है। जबकि सूरत, डांग और तापी में ऑरेंज अलर्ट जारी किय गया है। इसके अलावा दादरा नगर हवेली और दमन में भी बारिश को लेकर रेड अलर्ट जारी किया गया है। मौसम विभाग के मुताबिक राज्य में अगले 5 दिनों तक भारी बारिश हो सकती है। दक्षिण गुजरात में भारी से अतिभारी बारिश की संभावना है। वलसाड, नवसारी और सूरत में भारी बारिश होगी। उत्तर गुजरात के बनासकांठा, साबरकांठा, सौराष्ट्र के जूनागढ़, अमरेली, भावनगर, देवभूमि द्वारका और जामनगर में भारी बारिश की संभावना है। जबकि गिर सोमनाथ और दीव में अतिभारी बारिश हो सकती है। जिसे देखते हुए प्रशासन ने मछुआरों को आगामी 5 दिन समुद्र में नहीं जाने की सलाह दी है।

दिल का दौरा पड़ने से इंजीनियरिंग के छात्र की मौत, जवान बेटे की मौत से परिवार में शोक

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

राजकोट,गुजरात में दिल का दौरा पड़ने से एक और युवक की मौत हो गई। राजकोट में इंजीनियरिंग की पढ़ाई कर रहे 28 वर्षीय युवक को सीने में दर्द की शिकायत के बाद अस्पताल ले जाया गया। जहां उपचार मिलने से पहले युवक ने दम तोड़ दिया। आजकल हार्ट अटैक की घटनाएं चिंताजनक रूप से बढ़ रही हैं। चलते-फिरते अचानक दिल का दौरा पड़ता है और व्यक्ति की मौत हो जाती है। अगर आप चाहते हैं कि आपके साथ ऐसा ना हो ऐहतियात बरतें। हार्ट अटैक की ताजा घटना राजकोट से सामने आई है। दक्षिण गुजरात के तापी जिले की व्यारा तहसील के बाजीपुरा गांव का मूल निवासी 28 कल्पेश प्रजापति राजकोट की वीवीपी इंजीनियरिंग कॉलेज में अंतिम वर्ष का छात्र था। पढ़ाई के लिए राजकोट में रहनेवाला कल्पेश आर्किटेक्चर के फाइनल वर्ष में पढ़ाई कर रहा था। बीती शाम कल्पेश जब कॉलेज से छूटा तो उसके सीने में अचानक दर्द होने लगा। जिसके बाद कल्पेश को तुरंत प्राइवेट अस्पताल पहुंचाया गया। हांलाकि अस्पताल पहुंचते ही डॉक्टर ने कल्पेश को मृत घोषित कर दिया। कल्पेश की मौत की खबर पाते ही कॉलेज के प्रिन्सिपल समेत कई विद्यार्थी अस्पताल पहुंच गए।

कल्पेश की मौत की खबर ने प्रजापति परिवार को झकझोर कर रख दिया। कल्पेश के पिता अपने गांव बाजीपुरा में किराना की दुकान चलाते हैं। कल्पेश के परिवार में माता-पिता और एक बड़ी बहन है। कल्पेश की मौत से प्रजापति परिवार में शोक व्याप्त है।

अज्ञात वाहन की चपेट में आए अधेड़ की उपचार के दौरान मौत, पांच संतानों ने गंवाई पिता की छत्रछाया

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

सूरत , शहर के उधना में अज्ञात वाहन की चपेट में आए अधेड़ व्यक्ति की अस्पताल में उपचार के दौरान मौत हो गई। घटना उस वक्त की है जब अधेड़ रात्रि के दौरान नौकरी से अपने घर लौट रहा था। अधेड़ की मौत से पांच संतानों ने अपने पिता की छत्रछाया गंवा दी है। जानकारी के मुताबिक उत्तर प्रदेश के मूल निवासी रामप्रतापसिंह चार महीने पहले रोजगार के लिए सूरत आए थे। सूरत के पांडेसरा क्षेत्र में रहनेवाले रामप्रतापसिंह क्रश मशीन चलाकर परिवार का जीवनयापन करते थे। गत 24 जून की रात रामप्रतापसिंह नौकरी से अपने घर की ओर लौट रहे थे। उस दौरान सूरत के उधना क्षेत्र में अज्ञात वाहन ने रामप्रताप को अपनी चपेट में ले लिया। घटना के बाद अज्ञात वाहन चालक मौके से फरार हो गया। गंभीर रूप से घायल रामप्रताप को सूरत के सिविल अस्पताल में भर्ती कराया गया था। जहां चार दिन के उपचार के बाद रामप्रताप की मौत हो गई। परिवार के मुखिया की मौत से परिजनों में शोक व्याप्त है। रामप्रताप की पांच संतानें हैं, जिसमें तीन बेटे और दो बेटियां हैं। पुलिस ने दुर्घटना मौत का मामला दर्ज कर अज्ञात वाहन चालक की तलाश शुरूकी है।

भारतीय टीम के क्रिकेटर रविन्द्र जाडेजा ने पत्नी रीवा बा के साथ आशापुरा माता के दर्शन किए

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

कच्छ,भारतीय क्रिकेट टीम के ऑलराउंडर खिलाडी ने रविन्द्र जाडेजा ने आज पत्नी रीवा बा के साथ कच्छ स्थित माता के मढ़ में आशापुरा मां के दर्शन कर आशीर्वाद लिए। दर्शन के बाद रविन्द्र जाडेजा की रीवा बा जाडेजा ने अपने ट्वीटर हेंडल पर तस्वीरें साझा की है। साथ ही ट्वीटर पर रीवा बा जाडेजा ने लिखा 'आज माता के कच्छ स्थित माता के मढ में देवी मां आशापुरा के दर्शन कर धन्यता अनुभव की और सभी के सुखाकारी के लिए मां से प्रार्थना की।' आगामी 12 जुलाई से भारत और वेस्टइंडिज के बीच टेस्ट श्रृंखला शुरू होने वाली है और उससे पहले रविन्द्र जाडेजा ने सपत्नीक आशापुरा मां के दर्शन किए। बता दें कि रविन्द्र जाडेजा को वेस्टइंडिज के खिलाफ होनेवाली टेस्ट और वन डे श्रृंखला के लिए टीम इंडिया में शामिल किया गया है। फिलहाल रविन्द्र जाडेजा अपने परिवार के साथ समय बिता रहे हैं। कुछ दिन पहले रविन्द्र जाडेजा ने अपने फार्म हाउस की तस्वीरें शेयर की थीं। रविन्द्र जाडेजा को घोड़ों से काफी लगाव है और वह अपने फार्म हाउस में घुडसवारी भी करते हैं।